

Monthly Current Affairs November 2019

दैनिक सामयिकी यूपीएससी आईएस की तैयारी के लिये

01.11.2019

1. मुंबई और हैदराबाद ने यूनेस्को रचनात्मक शहरों की सूची में प्रवेश किया है।
 - मुंबई ने फिल्म श्रेणी में और हैदराबाद में पाक विज्ञान के अंतर्गत रचनात्मक शहरों के वैश्विक नेटवर्क में प्रवेश किया है।
 - यह नए रचनात्मक शहरों की सूची में यूनेस्को द्वारा नामित 66 शहरों में से एक हैं, जिसका उद्देश्य नवाचार सोच और कार्रवाई के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाना है।
 - इससे पहले वर्ष 2010 में, हलीम को भौगोलिक संकेत (जी.आई.) के दर्जे से सम्मानित किया गया था, इस प्रकार यह प्रतिष्ठित टैग जीतने वाला भारत का पहला मांस आधारित उत्पाद बन गया था।

संबंधित जानकारी

यूनेस्को रचनात्मक शहर नेटवर्क

- यूनेस्को रचनात्मक शहर नेटवर्क (यू.सी.सी.एन.) को वर्ष 2004 में उन शहरों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया था, जिन्होंने रचनात्मकता को स्थायी शहरी विकास के लिए एक रणनीतिक कारक के रूप में पहचाना है।
- इस नेटवर्क में सात निम्न रचनात्मक क्षेत्र शामिल हैं:
 - a. शिल्प और लोक कला
 - b. मीडिया कला
 - c. फ़िल्म
 - d. डिज़ाइन
 - e. पाक विज्ञान
 - f. साहित्य
 - g. संगीत
- रचनात्मक शहर नेटवर्क, यूनेस्को का एक विशेषाधिकार प्राप्त साझेदार है, यह न केवल सतत विकास के लिए एक लीवर के रूप में रचनात्मकता की भूमिका को प्रतिबिंबित करने

हेतु एक मंच के रूप में बल्कि कार्रवाई और नवीनता की प्रजनन भूमि के रूप में भी है, यह विशेष रूप से सतत विकास हेतु वर्ष 2030 एजेंडा के कार्यान्वयन हेतु है।

नोट:

- अब तक, वाराणसी (संगीत), चेन्नई (संगीत) और जयपुर (शिल्प और लोक कला) इस नेटवर्क में शामिल थे, जिसे 246 सदस्यों तक विस्तारित किया गया था, जिसमें मुंबई और हैदराबाद सहित 66 शहरों को भी शामिल किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 -कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. पेगासस स्पाइवेयर: एक इज़राइली स्पाइवेयर

- हाल ही में, केंद्र ने फेसबुक के स्वामित्व वाली कंपनी की पुष्टि के बाद मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप से स्पष्टीकरण मांगा है कि उसके ऐप के कुछ भारतीय उपयोगकर्ता इजरायल स्पाइवेयर का उपयोग करते हुए निगरानी में आए थे।

संबंधित जानकारी

पेगासस

- यह इज़राइली-मूल का स्पाइवेयर है जो व्हाट्सएप के माध्यम से कार्यकर्ताओं और पत्रकारों के फोन में प्राप्त हुआ है।

इसे किसने विकसित किया?

- इसे इजरायली साइबर आर्म्स फर्म, एन.एस.ओ. ग्रुप द्वारा विकसित किया गया है।
- एन.एस.ओ. समूह, एक टेल अविव-आधारित साइबर सिक्योरिटी कंपनी है जो "निगरानी तकनीक" में माहिर है और दुनिया भर में अपराध और आतंकवाद से लड़ने में सरकारों और कानून प्रवर्तन संस्थाओं की मदद करने का दावा करती है।

पेगासस, आपके फोन में कैसे आता है?

- कोड को व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से प्रेषित किया जाता है।

- कॉल न उठाने पर भी कोड फोन में प्रवेश कर जाता है।

कैसे निशाना बनाया गया है?

- रिपोर्टों के अनुसार, 100 से अधिक कार्यकर्ताओं, वकीलों और पत्रकारों को निशाना बनाया गया है।
- उनमें कई भारतीय वकील और पत्रकार शामिल हैं।

यह क्या करता है?

- यह अपने नियंत्रक को लक्षित व्यक्ति के कॉन्टैक्ट, कॉल और मैसेज भेजता है।
- यह कैमरा या माइक्रोफोन पर स्विच करके फोन को जासूसी डिवाइस में बदल सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

3. दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन

- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की दूसरी विधानसभा की मेजबानी की है।
- दूसरी आई.एस.ए. का उद्देश्य यह है कि अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के सदस्य देशों द्वारा छोटे द्वीप देशों में सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना हेतु विश्व बैंक जैसे बहुपक्षीय विकास संस्थानों से समर्थन की मांग को बढ़ाना है।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन

- यह एक भारतीय पहल है जिसे भारत के प्रधानमंत्री और फ्रांस के राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2015 में फ्रांस के पेरिस में सी.ओ.पी.-21 की तर्ज पर शुरू किया गया था।
- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आई.एस.ए.), भारत द्वारा शुरू किए गए 121 देशों का एक गठबंधन है, इनमें से अधिकांश सनसाइन देश हैं, जो या तो पूरी तरह से या आंशिक रूप से कर्क रेखा और मकर रेखा के मध्य स्थित हैं।

- इस गठबंधन का प्राथमिक उद्देश्य जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को कम करने के लिए सौर ऊर्जा के कुशल दोहन हेतु काम करना है।
- इसका मुख्यालय हरियाणा के गुरुग्राम में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- पी.आई.बी.

4. चक्रवात महा

- अरब सागर में उत्पन्न चक्रवात महा, लक्षद्वीप को पार कर चुका है और अब यह चेरापानी चट्टान से लगभग 300 कि.मी. उत्तर में पूर्व-मध्य अरब सागर पर केंद्रित है।

संबंधित जानकारी

ऊष्णकटिबंधी चक्रवात

- ये हिंसक तूफान हैं जो ऊष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में महासागरों से उत्पन्न होते हैं और हिंसक हवाओं (आंधी), बहुत भारी वर्षा (मूसलाधार बारिश) और तूफान के कारण बड़े पैमाने पर विनाश लाते हुए तटीय क्षेत्रों में चले जाते हैं।
- ये हवा की अनियमित चाल हैं जिसमें निम्न दबाव केंद्र के आसपास हवा का बंद संचलन शामिल है।
- यह बंद वायु परिसंचरण, गर्म हवा के तेजी से ऊपर की ओर बढ़ने का परिणाम है जो कोरिओलिस बल के अधीन है।
- केंद्र में निम्न दबाव, हवा की गति हेतु जिम्मेदार है।
- कोरिओलिस बल के कारण उत्तरी गोलार्ध में चक्रवाती हवा की चाल वामावर्ती और दक्षिण गोलार्ध में दक्षिणावर्ती है।

ऊष्णकटिबंधीय चक्रवात गठन के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ

- कोरिओलिस बल की उपस्थिति एक चक्रवाती भंवर बनाने हेतु पर्याप्त है।
- ऊर्ध्वाधर हवा की गति में होने वाले छोटे बदलाव
- 27 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान के समुद्र की बड़ी सतह

- पहले से मौजूद कमजोर निम्न दबाव का क्षेत्र अथवा निम्न स्तरीय-चक्रवाती परिसंचरण
- समुद्र तल प्रणाली के ऊपर ऊपरी विचलन

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भगोल

स्रोत- द हिंदू

5. 35वां आसियान शिखर सम्मेलन बैंकॉक में आयोजित होगा।

- 10 आसियान सदस्य देश और छह व्यापारिक साझेदार बैंकॉक में होने वाले 35वें आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान बहुत समय से विलंबित क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आर.सी.ई.पी.) सौदे पर सफल होने के संदर्भ में आशावादी बने हुए हैं।
- यदि आर.सी.ई.पी. को अंतिम रूप दिया जाता है तो 16 देश विश्व के सकल घरेलू उत्पाद के लगभग एक-तिहाई हेतु उत्तरदायी घरेलू उत्पाद में एक प्रमुख व्यापारिक ब्लॉक बनाएंगे।
- आर.सी.ई.पी. के हस्तारक्षरकर्ता देशों में लगभग 3.56 बिलियन की संयुक्त आबादी है, जिसमें विश्व व्यापार का 29 प्रतिशत व्यापार शामिल है।
- एक बार आर.सी.ई.पी. के प्रभावी हो जाने के बाद यह समझौता दुनिया की लगभग आधी आबादी को शामिल करेगा।

संबंधित जानकारी

आर.सी.ई.पी.

- इसे नवंबर, 2012 में लॉन्च किया गया था। आर.सी.ई.पी. का मुख्य उद्देश्य 10 आसियान देशों और छह व्यापार भागीदारों के मध्य आर्थिक सहयोग को प्रगाढ़ बनाना है।
- व्यापार भागीदार भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

6. डी.आर.डी.ओ. की वायु स्वतंत्र प्रणोदन प्रणाली को बढ़ावा मिला है।

- डी.आर.डी.ओ., भारतीय नौसेना पनडुब्बियों के लिए ईंधन सेल आधारित वायु स्वतंत्र प्रणोदन प्रणाली (ए.आई.पी.) का निर्माण करने की योजना बना रहा है।

संबंधित जानकारी

वायु स्वतंत्र प्रणोदन प्रणाली

- वायु-स्वतंत्र प्रणोदन (ए.आई.पी.), कोई भी समुद्री प्रणोदन तकनीक है जो एक गैर-परमाणु पनडुब्बी को वायुमंडलीय ऑक्सीजन (सतह द्वारा) तक पहुंच के बिना संचालन की अनुमति प्रदान करती है।
- इसे सामान्यतः एक सहायक स्रोत के रूप में कार्यान्वित किया जाता है, जिसमें पारंपरिक डीजल इंजन होता है जो सतह के प्रणोदन को नियंत्रित करता है।
- ऐसी अधिकांश प्रणालियाँ बिजली उत्पन्न करती हैं जो बदले में प्रणोदन के लिए एक विद्युत मोटर चलाती हैं या नाव की बैटरी को रिचार्ज करती हैं।
- इसके अतिरिक्त यह गैर-परमाणु जहाजों के डीजल-इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणाली को बढ़ा या बदल भी सकता है।
- यह पारंपरिक पनडुब्बियों को अधिक समय तक जलमग्न रहने में सक्षम बनाता है।

ए.आई.पी. का महत्व

- यह एक पनडुब्बी की गुप्तता में काफी सुधार करता है क्योंकि यह एक पनडुब्बी को पूरी तरह से जलमग्न होने पर सेवाओं के लिए बिजली उत्पन्न करने और बैटरी चार्ज करने और प्रणोदन की अनुमति प्रदान करता है।
- यह पनडुब्बी के प्रदर्शन से समझौता किए बिना शोर को कम करने में भी मदद करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

7. आई.आई.टी हैदराबाद के शोधकर्ताओं ने पहले भारतीय मस्तिष्क एटलस का निर्माण किया है।

- आई.आई.टी. हैदराबाद के शोधकर्ताओं ने कहा है कि पहला भारतीय मस्तिष्क एटलस (आई.बी.ए.) तैयार किया गया है।
- उन्होंने कहा है कि अगला कदम मस्तिष्क शरीर रचना पर आयु संबंधी प्रभावों का अध्ययन करने के लिए विभिन्न आयु समूहों हेतु एटलस तैयार करना है।
- कॉकेशियन और पूर्वी जातियों के लोगों की तुलना में एक भारतीय के औसत मस्तिष्क का आकार ऊंचाई, चौड़ाई और आयतन में छोटा होता है।
- इस खोज का तत्काल प्रभाव न्यूरोलॉजिकल समस्याओं या मस्तिष्क संबंधी बीमारियों जैसे मनोभ्रंश, अल्जाइमर रोग, पार्किंसंस रोग आदि के उपचार परिणामों में देखा जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस.-2- स्वास्थ्य मुद्दे

स्रोत- बिजनेस लाइन

8. पीसा 2021

- केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन (पीसा) 2021 कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की है।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम (पीसा)

- यह सदस्य और गैर-सदस्य राष्ट्रों में आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओ.ई.सी.डी.) द्वारा किया गया विश्वव्यापी अध्ययन है।
- यह 15-वर्षीय स्कूली विद्यार्थियों के गणित, विज्ञान और पढ़ने में शैक्षिक प्रदर्शन को मापकर शैक्षिक प्रणालियों का मूल्यांकन करने का इरादा रखता है।
- यह पहली बार वर्ष 2000 में किया गया था और तब से प्रत्येक तीन वर्षों में दोहराया जाता है।
- इसका उद्देश्य देशों को उनकी शिक्षा नीतियों और परिणामों में सुधार करने में सक्षम करने हेतु तुलनीय डेटा प्रदान करना है।

- यह समस्या को हल करने और संज्ञानात्मकता को मापता है।
- पीसा के लिए आवश्यक है कि परीक्षार्थी कम से कम छह साल की औपचारिक स्कूली शिक्षा पूरी कर लें।

भारत और पीसा

- भारत ने वर्ष 2009 के बाद वर्ष 2021 में इस परीक्षा में भाग लेने का फैसला किया है।
- अब तक, भारत ने केवल एक बार पीसा-2009 में भाग लिया है।
- केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय समिति और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के छात्र इस परीक्षा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पृष्ठभूमि

- भारत ने वर्ष 2009 में हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु के 400 स्कूलों के 16,000 छात्रों के साथ परीक्षा में भाग लिया था।
- भारत को 74 भागीदार देशों में 72वें स्थान पर रखा गया था।
- तत्कालीन सरकार ने खराब प्रदर्शन के लिए "संदर्भ से बाहर" प्रश्नों को दोषी ठहराया था और वर्ष 2012 और 2015 के चक्रों में भाग नहीं लेना का फैसला भी किया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

9. राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफाइल 2019

- केंद्रीय स्वास्थ्य सूचना ब्यूरो (सी.बी.एच.आई.), नेशनल स्वास्थ्य प्रोफाइल (एन.एच.पी.) 2019 के अनुसार, भारत ने देश के कुल बीमारी भार में संचारी रोगों पर जीत दर्ज करते हुए गैर-संचारी रोगों से होने वाले जन्म और मृत्यु दरों में कमी दर्ज की है और लिंगानुपात में सुधार दर्ज किया है।
- एन.एच.पी. जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, स्वास्थ्य स्थिति और स्वास्थ्य वित्त संकेतक,

स्वास्थ्य क्षेत्र में मानव संसाधन और स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को शामिल करता है।

प्रोफाइल की मुख्य विशेषताएं

- देश में लिंगानुपात (प्रति 1,000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या) वर्ष 2001 में 933 से बढ़कर 2011 में 943 हो गई है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में, लिंगानुपात 946 से बढ़कर 949 हो गया है।
- शहरी क्षेत्रों में संगत वृद्धि 900 से 929 होकर 29 अंकों की रही है।
- केरल ने कुल जनसंख्या (1,084) ग्रामीण जनसंख्या (1,078) और शहरी (1,091) के संबंध में उच्चतम लिंगानुपात दर्ज किया है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे कम लिंगानुपात चंडीगढ़ (690) में दर्ज किया गया है।
- रिपोर्ट ने यह भी दर्शाया गया है कि अनुमानित जन्म दर, मृत्यु दर और प्राकृतिक विकास दर में गिरावट आ रही है।
- 12 राज्यों में कुल प्रजनन दर (बच्चों की औसत संख्या जो अपने जीवनकाल में एक महिला पैदा करेगी) प्रति महिला दो बच्चों से नीचे गिर गई है और 9 राज्य 2.1 और इसके ऊपर के प्रतिस्थापन स्तर पर पहुंच गई है।
- दिल्ली, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अन्य राज्यों की तुलना में प्रजनन दर सबसे कम है।
- यह भी देखा गया कि देश के कुल रोग भार में गैर-संचारी रोग, संचारी पर हावी थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- द हिंदू

04.11.2019

1. **हाइगिया: सौर मंडल का छठा बौना ग्रह**
 - हाल ही में, हाइगिया नामक एक छठा बौना ग्रह खोजा गया है और यदि यह क्वालीफाई कर जाता है तो हाइगिया, सौर मंडल का सबसे छोटा बौना ग्रह होगा।
 - हाइगिया, मंगल और बृहस्पति के मध्य क्षुद्रग्रह बेल्ट में स्थित है।

संबंधित जानकारी

- अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ के अनुसार, आधिकारिक रूप से हमारे सौर मंडल में पांच बौने ग्रह हैं।
- सबसे प्रसिद्ध ग्रह प्लूटो है, वर्ष 2006 में जिसके ग्रह के दर्जे को डाउनग्रेड कर दिया गया था और अपने आकार के क्रम में अन्य चार ग्रह एरिस, माकेमाक, ह्यूमिया और सेरेस हैं।

बौने ग्रह हेतु मानदंड

- अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ ने बौने ग्रह के लिए चार मानदंड निर्धारित किए हैं।
 - a. यह सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करता है
 - b. यह चंद्रमा नहीं है
 - c. इसने अपनी कक्षा के चारो-ओर के क्षेत्र की परिक्रमा न की हो।
 - d. इसका इतना पर्याप्त द्रव्यमान होना चाहिए कि इसका अपना गुरुत्वाकर्षण इसे लगभग गोलाकार आकार में खींचता हो।

अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ

- यह व्यवसायिक खगोलविदों का एक संग्रह है, ये पी.एच.डी. स्तर पर और उससे अधिक स्तर के हैं, ये खगोल विज्ञान में व्यावसायिक शिक्षा और अनुसंधान में सक्रिय हैं, जिसकी स्थापना वर्ष 1919 में हुई थी।
- इसका मुख्यालय फ्रांस के पेरिस में स्थित है।

उद्देश्य

- अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से अपने सभी पहलुओं में खगोल विज्ञान के विज्ञान को बढ़ावा देना और सुरक्षित करना
- यह खगोलीय पिंडों (तारों, ग्रहों, क्षुद्रग्रहों आदि) और उनकी किसी भी सतही सुविधाओं को पदनाम (नाम) निर्दिष्ट करने हेतु एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्राधिकरण है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

2. **पहला भारत-उजबेकिस्तान संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास "दस्तलिक-2019"**

- पहला भारत-उजबेकिस्तान संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास-दस्तलिक-2019 ताशकंद के निकट चिरचिक प्रशिक्षण क्षेत्र में शुरू होगा।

संबंधित जानकारी

दस्तलिक युद्धाभ्यास के संदर्भ में जानकारी

- इस युद्धाभ्यास का ध्यान आतंकवाद पर केंद्रित किया जाएगा।
- युद्धाभ्यास के दौरान, एक भारतीय सेना दल को उजबेकिस्तान सेना के साथ प्रशिक्षित किया जाएगा।
- यह युद्धाभ्यास दोनों देशों के सशस्त्र बलों के मध्य सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करने में सक्षम करेगा और अधिक से अधिक परिचालन प्रभावकारिता पैदा करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- ए.आई.आर.

3. एस.सी.ओ. शहरी भूकंप खोज एवं बचाव संयुक्त अभ्यास (SCOJtEx)
 - केंद्रीय गृहमंत्री शहरी भूकंप खोज एवं बचाव पर संयुक्त रूप से चार दिवसीय शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.) संयुक्त अभ्यास का उद्घाटन करेंगे।
 - राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एन.डी.आर.एफ.) आपदा प्रतिक्रिया तंत्रों का पूर्वाभ्यास करने और ज्ञान, अनुभव और प्रौद्योगिकी साझा करने के उद्देश्य से अभ्यास की मेजबानी कर रहा है।
 - शहरी भूकंप खोज एवं बचाव पर एस.सी.ओ. संयुक्त अभ्यास (SCOJtEx) का ध्यान तत्काल प्रतिक्रिया के लिए अंतर-सरकारी सहभागिता को सक्रिय करने के लिए क्षेत्र की तैयारियों का परीक्षण करना होगा।
 - यह अभ्यास समन्वय और सहयोग को बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करेगा क्योंकि इसमें बहु-संस्था संचालन शामिल हैं।
 - इसमें सभी आठ एस.सी.ओ. सदस्य देशों- चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान,

रूस, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के प्रतिभागी शामिल होंगे।

- यह सतत अभ्यास, अंतर्राष्ट्रीय खोज एवं बचाव सलाहकार समूह की पद्धति और दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आपदा प्रबंधन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. एन.एवी.आई.सी. का एंट्रिक्स द्वारा व्यवसायीकृत किया जा रहा है।
 - इसरो और इसकी पुरानी वाणिज्यिक शाखा एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत की क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली, भारतीय नक्षत्र (नेविगेशन) में नेविगेशन के व्यवसायीकरण की ओर अग्रसर है।

संबंधित जानकारी

एन.एवी.आई.सी.

- यह आठ उपग्रहों की भारतीय प्रणाली है जिसका उद्देश्य व्यापार और व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं को यह बताना है कि वे कहां हैं या उनके उत्पाद और सेवाएं कैसे चल रही हैं।
- एन.एवी.आई.सी. को तीसरी पीढ़ी की भागीदारी परियोजना (3जी.पी.पी.) द्वारा प्रमाणित किया गया है, जो मोबाइल टेलीफोनी मानकों के समन्वय हेतु एक वैश्विक संस्था है।
- विनिर्देश मार्च, 2020 में उपलब्ध होंगे और इन्हें राष्ट्रीय मानक के रूप में अपनाया जाएगा।

एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन

- बेंगलूर स्थित एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ए.सी.एल.), अंतरिक्ष विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत भारत सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है।
- एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड को भारत सरकार के स्वामित्व वाली एक निजी लिमिटेड कंपनी के रूप में शामिल किया गया था।
- यह अंतरिक्ष उत्पादों के प्रचार और वाणिज्यिक दोहन, तकनीकी परामर्शी सेवाओं और इसरो द्वारा विकसित

प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण हेतु इसरो की विपणन शाखा के रूप में कार्य करती है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- द हिंदू

5. पाँचवाँ भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव

- प्रधानमंत्री ने कलकत्ता में स्थित बिस्वा बंगला सम्मेलन केंद्र में पांचवें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का उद्घाटन किया है।
- महोत्सव का मुख्य उद्देश्य आम जनता के बीच वैज्ञानिक रुचि पैदा करना है, जो पिछले कुछ वर्षों में एस. एंड टी. के क्षेत्र में भारत के योगदान को प्रदर्शित करता है और इसके लाभों के अनुवाद को लोगों को प्रोत्साहित करता है।
- इसका लक्ष्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी की समावेशी उन्नति हेतु रणनीति बनाना है।
- इस वर्ष के महोत्सव की थीम **राइजेन इंडिया-अनुसंधान, नवाचार और विज्ञान द्वारा राष्ट्र का सशक्तीकरण** है।

संबंधित जानकारी

आई.आई.एस.एफ. 2019

- यह भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधित मंत्रालयों और विभागों और विज्ञान भारती (विभा) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है।
- आई.आई.एस.एफ.-2019 भारत और विदेशों के छात्रों, नवोन्मेषकों, शिल्पकारों, किसानों, वैज्ञानिकों और तकनीकी तंत्र के साथ भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति की उपलब्धियों का जश्न मनाने का महोत्सव है।
- इस प्रकार, आई.आई.एस.एफ. विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए छात्रों, शोधकर्ताओं, नवोन्मेषकों, कलाकारों और आम जनता को एक साथ लाने हेतु देश का सबसे बड़ा मंच है।

नोट:

- विज्ञान प्रसार, भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का एक स्वायत्त संगठन है,

जो आई.आई.एस.एफ. 2019 के समन्वय हेतु नोडल एजेंसी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. एलीफैंट बांड

- व्यापार नीति पर एक उच्च-स्तरीय सलाहकार समूह का अनुमान है कि भारत, विदेशों में जमा काले धन के 500 बिलियन डॉलर तक की वसूली कर सकता है यदि यह अघोषित धन वाले लोगों को एक प्रकार का दीर्घकालिक सरकारी बांड जारी करने के अपने प्रस्ताव को लागू करता है।
- ये 'एलीफैंट बॉन्ड' लोगों के लिए बिना किसी डर के अभियोजन पक्ष के लिए अपनी अघोषित संपत्ति को भारत में लाने हेतु एक मार्ग होगा।
- एच.एल.ए.जी. का अनुमान है कि एलीफैंट बांड के निर्माण से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए लगभग 500 बिलियन डॉलर (लगभग) के फंड की मदद मिल सकती है।
- इंडोनेशिया, पाकिस्तान, अर्जेंटीना और फिलीपींस जैसे देशों ने पहले ही बिना अभियोजन के डर के अघोषित आय का खुलासा करने के लिए व्यक्तियों हेतु अपनी कर माफी योजनाएं शुरू की हैं।
- इंडोनेशिया ने करों और आपराधिक प्रतिबंधों को माफ करने के लिए वर्ष 2016 में अपनी कर माफी योजना शुरू की थी, उसे माफी की अवधि के दौरान लगभग 970,000 प्रतिभागियों से \$ 367.9 बिलियन मूल्य की संपत्ति की घोषणा प्राप्त हुई है।

एलिफैंट बॉन्ड के संदर्भ में जानकारी

- एलिफैंट बॉन्ड, 25 वर्ष का संप्रभु बांड है, जिसमें अघोषित आय की घोषणा करने वाले लोग 50 फीसदी निवेश करने के लिए बाध्य होंगे।
- इन बॉन्ड से बने फंड का उपयोग केवल ढांचा परियोजनाओं के लिए किया जाएगा।

- यह राज्य के खजाने का कर राजस्व बढ़ाने, कर आधार में लाभार्थियों को जोड़ने में मदद करने के लिए एक माफी योजना के समान है जिन्होंने पहले अपनी संपत्ति घोषित नहीं की है।

व्यापार नीति पर उच्च-स्तरीय सलाहकार समूह के संदर्भ में जानकारी

- यह डॉ. सुरजीत एस. भल्ला की अध्यक्षता में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत स्थापित की गई थी।

सुरजीत भल्ला समिति की सिफारिशें

- एच.एल.ए.जी. ने वैश्विक व्यापार और सेवाओं के व्यापार में भारत की हिस्सेदारी और महत्व को बढ़ाने के लिए कई सिफारिशें की हैं।
- अन्य बातों के अतिरिक्त रिपोर्ट, निर्यात हेतु निर्यात और निवेश चैनलों को बढ़ावा देने के लिए कर सुधारों की भी पहचान करती है।
- समिति ने "एलीफेंट बॉन्ड" को एक विशेष सुरक्षा उत्पाद के रूप में दीर्घकालिक अवसंरचना की ओर धन मुहैया कराने की सिफारिश की है।
- एच.एल.ए.जी. ने भारत को वित्तीय सेवाओं के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाने हेतु वित्तीय सेवा ढांचे में सुधार के लिए भी सिफारिशें की हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

7. 28 राज्य और 9 केंद्र शासित प्रदेश: भारत का नया नक्शा है।



टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भारतीय भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. नानक नाम लेवा

- पाकिस्तान के बाद प्रधानमंत्री इमरान खान ने करतारपुर गलियारे के माध्यम से गुरुद्वारा दरबार साहिब जाने वाले भारत के सिख तीर्थयात्रियों के लिए पासपोर्ट और दस दिवसीय अग्रिम पंजीकरण की आवश्यकता को पूरा किया है।
- पंजाब के मुख्यमंत्री ने 'इस्लामाबाद' से "धर्मनिरपेक्ष भारत के सभी नागरिकों के लिए" इसे लागू करने का आग्रह किया था।

संबंधित जानकारी

नानक नाम लेवा या नानकपंथी

- कोई भी व्यक्ति जो गुरु नानक जी पर विश्वास करता हो और जीवन में उनकी शिक्षाओं का अनुसरण करता हो, फिर चाहे वह किसी भी धर्म से संबंधित हो, वह नानक नाम लेवा है।
- गुरु नानक के दर्शन के मूल मूल्य किसी भी धर्म पर आधारित नहीं हैं और न ही नानक नाम लेवा संगत हैं, वे अन्य धर्मों के भी हो सकते हैं और जरूरी नहीं कि वे सिख हों।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

05.11.2019

1. वित्त मंत्री ने बेहतर सीमा शुल्क निकासी के लिए आई.टी.ई.डी.ए.एस.एच. और अतिथि पहल लांच की है।
 - वित्त मंत्री ने आयातित माल की सीमा शुल्क निकासी की बेहतर निगरानी और गति के लिए और आने वाले अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को सुविधा प्रदान करने हेतु दो नई आई.टी. पहल- आई.टी.ई.डी.ए.एस.एच. और अतिथि का अनावरण किया है।
 - आई.टी.ई.डी.ए.एस.एच., भारतीय सीमा शुल्कों का ईज ऑफ़ ड्रइंग बिजनेस निगरानी डैशबोर्ड है, जो जनता की विभिन्न बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर आयात कार्गो के दैनिक सीमा शुल्क निकासी समय को देखने में मदद करता है।

- अतिथि ऐप हवाई अड्डों पर सीमा शुल्क द्वारा परेशानी मुक्त और तेज निकासी की सुविधा प्रदान करेगा और हवाई अड्डों पर अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों और अन्य आगंतुकों के अनुभव को बढ़ाएगा।
- अतिथि, भारत सीमा शुल्क की एक तकनीक प्रेमी छवि भी बनाएगा और भारत में पर्यटन और व्यापार यात्रा को प्रोत्साहित करेगा।

संबंधित जानकारी

ईज ऑफ़ ड्रइंग बिजनेस

- ईज ऑफ़ ड्रइंग बिजनेस रिपोर्ट, विश्व बैंक द्वारा जारी की गई है।
- वर्ष 2020 की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूजीलैंड ने पहला स्थान बरकरार रखा है जब कि सोमालिया को 190वां स्थान प्राप्त किया है।
- भारत को वर्ष 2018 में 190 देशों में 63वां स्थान (2019) प्राप्त हुआ है, वर्ष 2018 में 77वें स्थान की तुलना में 41 स्थानों का सुधार किया है।
- भारत का स्कोर 67.23 (2019) से बढ़कर 71.0 (2020) हो गया है।
- भारत लगातार तीसरे वर्ष 10 अर्थव्यवस्थाओं की सूची में मौजूद है, जहां व्यापारिक माहौल में सबसे अधिक सुधार हुआ है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. प्रत्यक्षतः मायावी, बंगाल के पेड़ फ्रॉग को नई प्रजाति के रूप में दर्ज किया गया है।
 - असम, पश्चिम बंगाल और मलेशिया के छह पशु चिकित्सकों ने पेड़ फ्रॉग की एक नई प्रजाति दर्ज की है, जिसने विज्ञान की दुनिया को चकित कर दिया है।

संबंधित जानकारी

ब्राउन ब्लॉटेड बंगाल ट्री फ्रॉग (पॉलीपीडेड्स बेंगालेंसिस)

- यह पश्चिम बंगाल में दो स्थानों- बादू, उत्तर 24 परगना जिला और खोरदानाहाला, दक्षिण 24 परगना जिला में पाए जाते हैं।

- फ्रॉग का शरीर का रंग पीला-भूरा से हरा-भूरा होता है।
- यह जीनस पॉलीपेडेट्स से संबंधित है जो पूरे दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में पाए जाने वाले ट्री फ्रॉग की एक जीनस है।
- नर मेंढकों को बांस, केले और तारों के पत्तों सहित वनस्पति पर देखा जाता था।

नोट:

सरीसृप विज्ञान- यह जीव विज्ञान की शाखा है जिसका संबंध उभयचरों और सरीसृपों के अध्ययन से है।

सरीसृप विज्ञानवेत्ता- एक सरीसृप विज्ञानवेत्ता वह व्यक्ति है जो सरीसृप और उभयचरों के अध्ययन का विशेषज्ञ है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

3. अमेरिका ने औपचारिक रूप से संयुक्त राष्ट्र को पेरिस जलवायु समझौते से अपनी वापसी के संदर्भ में सूचित किया है।
- अमेरिका ने औपचारिक रूप से संयुक्त राष्ट्र को सूचित किया है कि वह पेरिस जलवायु समझौते से बाहर हो रहा है।
- अधिसूचना से वैश्विक जलवायु परिवर्तन संधि से बाहर निकलने की एक वर्षीय प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 2020 के अमेरिकी चुनाव के अगले दिन समाप्त होगी।
- कार्बन के वैश्विक उत्सर्जन में अमेरिका का योगदान लगभग 15 प्रतिशत है।

संबंधित जानकारी

पेरिस जलवायु समझौता

- यह समझौता जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए 188 देशों को एकजुट करता है।
- यह इन देशों को बढ़ते वैश्विक तापमान को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस से कम रखने और तापमान को 1.5 सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयास हेतु प्रतिबद्ध करता है।
- पेरिस समझौता, जो 2020 में प्रभावी होगा, इसने 2020 तक जलवायु-संबंधी वित्तपोषण में कम से कम \$ 100 बिलियन का एक कोष

(हरित जलवायु कोष) स्थापित करने के लिए राष्ट्रों से आह्वान किया है।

- यह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है।

समझौते से अमेरिका की वापसी का प्रभाव

- विकासशील देशों के लिए स्वच्छ ऊर्जा क्षमताओं को विकसित करने के लिए वित्तीय सहायता संशयात्मक हो जाएगी।
- अमीर देशों के लिए 2020 में शुरू होने वाले सालाना 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रोड मैप पहले की तुलना में अधिक संदिग्ध हो जाएगा।
- अमेरिका ने अपने कार्यों से अन्य राष्ट्रों पर भी एक बुरी मिसाल कायम की है जो अमेरिकी नक्शेकदम पर चल सकते हैं।
- मालदीव, बांग्लादेश और अन्य द्वीप राष्ट्रों जैसे देशों की क्षमताओं की कमी है, वे सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

भारत पर प्रभाव

- सबसे बड़ा जिम्मेदार देश, अमेरिका चला गया है, अब चीन और भारत जैसे देशों को अधिक जिम्मेदारी लेनी पड़ सकती है।
- स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के लिए जलवायु वित्त पोषण प्रभावित हो सकता है जो भविष्य में जलवायु संरक्षण उपायों को सीमित करेगा।

नोट:

- पेरिस समझौते का अनुच्छेद 28 निकासी तंत्र से संबंधित है। इसमें कहा गया है कि पार्टियां पहले तीन साल तक निकासी के लिए आवेदन नहीं कर सकती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- ए.आई.आर.

4. रेड एटलस मानचित्र एवं तटीय बाढ़ चेतावनी प्रणाली ऐप

- हाल ही में, उपराष्ट्रपति ने 'रेड एटलस कार्रवाई योजना मानचित्र और सी.एफ.एल.ओ.डब्ल्यू.एस.-चेन्नई का अनावरण किया है, जो कि पृथ्वी

विज्ञान मंत्रालय द्वारा तैयार इस प्रकार का पहला अनुमान है।

रेड एटलस मानचित्र के संदर्भ में जानकारी

- 200 से अधिक पन्नों के एटलस को भारतीय तटीय अनुसंधान केंद्र, भारत मौसम विभाग और राष्ट्रीय मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान केंद्र ने तमिलनाडु राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और ग्रेटर चेन्नई निगम के साथ मिलकर तैयार किया था।
- यह चेन्नई में प्रभावी बाढ़ शमन है, जिसने 2015 में सबसे खराब जलप्रलय देखी थी।
- विभिन्न वर्षा अवधि के लिए संभावित परिदृश्यों के साथ एटलस का उद्देश्य बाढ़ शमन, तैयारियों, संचालन और प्रबंधन पहलू हैं।
- मैनुअल जानकारी प्रदान करता है, जिसमें निगम के वार्ड शामिल हैं जिनके बाढ़ के कारण प्रभावित होने की संभावना है और जिन क्षेत्रों में चेन्नई में सभी ऐतिहासिक डेटासेट को बचाने की आवश्यकता हो सकती है।

तटीय बाढ़ चेतावनी प्रणाली ऐप

(सी.एफ.एल.ओ.डब्ल्यू.एस.-चेन्नई)'

- सी.एफ.एल.ओ.डब्ल्यू.एस.-चेन्नई एक पूर्ण वेब जी.आई.एस.-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली है जिसका उपयोग बाढ़ से पहले शमन योजना संचालन और राहत कार्य जैसे दोनों पहलुओं के लिए वास्तविक समय में किया जा सकता है।
- सी.एफ.एल.ओ.डब्ल्यू.एस. एक एकीकृत प्रणाली है जिसमें क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान, तूफान वृद्धि और 796 बाढ़ परिदृश्यों के कैचरिंग मॉडल शामिल हैं।
- इनसे प्रभावी ढंग से निबटा जाता है इनके शहरी बाढ़ मुंबई सहित शहरों में दोहराया जाने की संभावना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आपदा प्रबंधन

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

5. भारत की श्रम उत्पादकता वृद्धि क्यों कमजोर हो रही है?

- संगठित विनिर्माण क्षेत्र में भारत की श्रम उत्पादकता में भारतीय उद्योग डेटा वार्षिक

सर्वेक्षण रेटिंग एवं अनुसंधान द्वारा किया गया विश्लेषण निराशाजनक रुझान दर्शाता है।

विश्लेषण की मुख्य विशेषताएं

- वर्ष 2004 से 2008 के बीच उच्च आर्थिक विकास के चरण के दौरान (वैश्विक वित्तीय संकट आने से पहले), भारत की श्रम उत्पादकता में प्रति वर्ष 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- लेकिन वर्ष 2011 से 2015 के वित्तीय वर्षों के बीच, यह दर घटकर महज आधी (7.4 प्रतिशत) रह गई है और 2016 से 2018 के वित्तीय वर्षों के बीच यह घटकर सिर्फ 3.7 प्रतिशत रह गई है।
- विश्लेषण से दो अन्य महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए हैं:
 - i. वित्तीय वर्ष 2001 से 2018 के बीच भारत के संगठित विनिर्माण में पूंजी की तीव्रता- प्रति कार्यकर्ता निश्चित पूंजी का उपयोग किया गया है।
 - ii. पूंजी की तीव्रता में वृद्धि के बावजूद, उत्पादन की तीव्रता अर्थात प्रति निश्चित पूंजी के उत्पादन के मूल्य में वास्तव में उसी अवधि में गिरावट आई है।
- दूसरे शब्दों में, जब कि अधिक से अधिक पूंजी का उपयोग प्रति इकाई श्रम के रूप में किया जा रहा है, यह उत्पादन वृद्धि के स्तर को कम नहीं कर रहा है।

संबंधित जानकारी

श्रम उत्पादकता

- उत्पादकता, दक्षता का एक पैमाना है, जिसके साथ मानव और सामग्री, दोनों को ही माल और सेवाओं में परिवर्तित किया जाता है।
- श्रम उत्पादकता महत्वपूर्ण रूप से ज्ञान और नवाचार में निवेश करने वाले व्यवसायों पर निर्भर है, यहां तक कि सरकारें संरचनात्मक सुधार लाती हैं जो ऐसे निवेशों को परिणाम देने में सक्षम बनाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत- पी.आई.बी.

6. दक्षिण एशिया सहकारी पर्यावरण कार्यक्रम (एस.ए.सी.ई.पी.)

- केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने ढाका में दक्षिण एशिया सहकारी पर्यावरण कार्यक्रम (एस.ए.सी.ई.पी.) की शासी परिषद की 15वीं बैठक में भाग लिया है।

सम्बंधित जानकारी

- यह एक अंतर-सरकारी संगठन है जिसे 1982 में स्थापित किया गया था।
- इसके सदस्य देश अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका हैं, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में पर्यावरण का संरक्षण, प्रबंधन और वृद्धि को बढ़ावा देना और समर्थन करना है।
- एस.ए.सी.ई.पी. की 14वीं बैठक मार्च, 2018 में कोलंबो में आयोजित की गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- अंतराष्ट्रीय संगठन

स्रोत- ए.आई.आर.

7. कृषि मंत्री ने बंजर भूमि एटलस-2019 का 5वां संस्करण जारी किया है।

- कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बंजर भूमि एटलस-2019 के पांचवें संस्करण का विमोचन किया है।
- भूमि संसाधन विभाग और राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित एटलस, बंजर भूमि पर मजबूत भू-स्थानिक जानकारी प्रदान करता है।
- यह विभिन्न भूमि विकास कार्यक्रमों और योजनाओं के माध्यम से उत्पादक उपयोग के लिए बंजर भूमि की उर्वरता को पुनः प्राप्त करने में सहायक है।
- बंजर भूमि एटल-2019 देश में बंजर भूमि के विभिन्न श्रेणियों के राज्य और जिलेवार वितरण भी प्रदान करता है और यह भूमि क्षरण को दूर करने में सहायक होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- भारतीय भूगोल

स्रोत- ए.आई.आर.

8. कौशल निर्माण मंच

- कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एम.एस.डी.ई.) के तत्वावधान में प्रशिक्षण महानिदेशालय (डी.जी.टी.) ने आई.बी.एम. के सहयोग से कौशल निर्माण मंच शुरू करने की घोषणा की है।
- कार्यक्रम के भाग के रूप में, आई.बी.एम. द्वारा सह-निर्मित और डिज़ाइन किया गया आई.टी. में दो साल का उन्नत डिप्लोमा, नेटवर्किंग और क्लाउड कंप्यूटिंग को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आई.टी.आई.) और राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एन.एस.टी.आई.) में पेश किया जाएगा।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता में कौशल निर्माण पर आई.टी.आई. और एन.एस.टी.आई. संकाय को प्रशिक्षित करने के लिए मंच का विस्तार किया जाएगा।
- यह पहल एक नौकरी-तैयार कार्यबल बनाने और नए कॉलर करियर के लिए आवश्यक कौशल की अगली पीढ़ी का निर्माण करने हेतु आई.बी.एम. की वैश्विक प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

संबंधित जानकारी

- आई.बी.एम. ने इस प्रकार का पहला नया कॉलर पाठ्यक्रम लांच करने हेतु वर्ष 2018 की शुरुआत में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एम.एस.डी.ई.) के साथ हाथ मिलाया है।
- पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद सितंबर, 2019 में 19 छात्रों को आई.बी.एम. में पांच महीने की भुगतान इंटरनशिप की पेशकश की गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

9. ब्रह्मपुत्र (राष्ट्रीय जलमार्ग-2) पर कंटेनर कार्गो का पहला आवागमन

- पहली बार कंटेनर कार्गो की खेप राष्ट्रीय जलमार्ग-2 पर हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (एच.डी.सी.) से भारत के अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आई.डब्ल्यू.ए.आई.) टर्मिनल गुवाहाटी के पांडु में रवाना होगी।

संबंधित जानकारी

भारत में राष्ट्रीय जलमार्ग

- राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के अनुसार 111 को राष्ट्रीय जलमार्ग (एन.डब्ल्यू.) घोषित किया गया है।
- ये जलमार्ग 24 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरते हैं, जिनकी कुल लंबाई 20274 कि.मी. है।
- 1620 किलोमीटर लंबाई वाला राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (प्रयागराज-हल्दिया) भारत का सबसे लंबा राष्ट्रीय जलमार्ग है।

राष्ट्रीय जलमार्ग-2

- वर्ष 1988 में राष्ट्रीय जलमार्ग-2 के रूप में घोषित ब्रह्मपुत्र नदी (891 किलोमीटर) का सदिया-धुबरी खंड असम राज्य में स्थित है।

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

- वे शिपिंग और नेविगेशन के लिए अंतर्देशीय जलमार्ग के विकास और विनियमन हेतु जिम्मेदार हैं।
- प्राधिकरण मुख्य रूप से शिपिंग मंत्रालय से प्राप्त अनुदान के माध्यम से राष्ट्रीय जलमार्गों पर आई.डब्ल्यू.टी. बुनियादी ढांचे के विकास और रखरखाव के लिए परियोजनाएं संचालित करता है।
- यह वर्ष 1986 में स्थापित किया गया था और इसका मुख्यालय नोएडा में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 -भूगोल

स्रोत- द हिंदू

06.11.2019

1. बंजर भूमि एटलस 2019

- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने बंजर भूमि एटलस-2019 जारी किया है।
- इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग द्वारा राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र (एन.आर.एस.सी.), अंतरिक्ष विभाग के सहयोग से तैयार किया गया है।

- एटलस में भू-स्थानिक जानकारी है जो भूमि विकास योजनाओं के माध्यम से बंजर भूमि को उत्पादक उपयोग में बदलने में सहायक होगी।
- इससे पहले बंजर भूमि एटलस को वर्ष 2000, 2005, 2010 और 2011 में जारी किया गया है।
- यह बंजर भूमि एटलस-2019, बंजर भूमि की विभिन्न श्रेणियों का जिलावार और राज्यवार वितरण प्रदान करता है।
- वर्ष 2008-09 और 2015-16 के बीच बंजर भूमि में हुए परिवर्तन एटलस में प्रस्तुत किए गए हैं।

संबंधित जानकारी

बंजर भूमि एटलस की मुख्य विशेषताएं

- दुनिया के 2.4 प्रतिशत भूमि क्षेत्र के साथ भारत अपनी आबादी के 18 प्रतिशत का समर्थन करता है।
- भारत में कृषि भूमि की प्रति व्यक्ति उपलब्धता 0.12 हेक्टेयर है, जब कि दुनिया की प्रति व्यक्ति कृषि भूमि उपलब्धता 0.29 हेक्टेयर है।
- इस प्रयास के परिणामस्वरूप वर्ष 2008-09 में 56.60 एम.एच.ए. (17.21 प्रतिशत) की तुलना में वर्ष 2015-16 के लिए 55.76 एम.एच.ए. (देश के 16.96 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र अर्थात 328.72 एम.एच.ए.) का पूरे देश के लिए बंजर भूमि की स्थानिक सीमा का आकलन किया गया है।
- बड़े पैमाने पर बंजर भूमि को 'फसलों', 'वन-घनत्व/ खुला', 'वन वृक्षारोपण', 'वृक्षारोपण' और 'औद्योगिक क्षेत्र' की श्रेणियों में परिवर्तित कर दिया गया है।
- बंजर भूमि में कमी भूमि की श्रेणियों में घनी झाड़ी, जलभराव और दलदली भूमि, रेतीले क्षेत्र, अवनत चरागाह/ चरागाह भूमि और नाली और खराब भूमि शामिल है।

बंजर भूमि के संदर्भ में जानकारी

- बंजर भूमि, ऐसी भूमि है जो खेती के लिए अनुपयोगी, अनुपयुक्त है, खुरदरी और अपरदित मिट्टी के कारण चराई और अन्य आर्थिक उपयोग के लिए भी अनुपयुक्त है।
- जिस भूमि पर जलभराव होता है और खारापन होता है उसे भी बंजर भूमि कहा जाता है।
- अपरदन के बाद उपजाऊपन का नुकसान भी सीमांत वन भूमि को बंजर भूमि में परिवर्तित कर देता है।

बंजर भूमि का वर्गीकरण:

- बंजर भूमि को मुख्यतः दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

बंजर और अकृष्य बंजर भूमि

- इन जमीनों को बहुत अधिक लागत के अतिरिक्त खेती या आर्थिक उपयोग के अंतर्गत नहीं लाया जा सकता है, चाहे वे पृथक भूमि के रूप में मौजूद हों या उनमें खेती की जा रही हो।
- इस तरह की भूमि रेतीले रेगिस्तान, गलित भूमि, पथरीली या खारी भूमि, पहाड़ी ढलानों पर भूमि, चट्टानी विस्तार आदि हैं।

खेती योग्य बंजर भूमि:

- इस भूमि पर पांच साल या उससे अधिक समय से खेती नहीं की जाती है।
- इसमें खेती के लिए भूमि उपलब्ध है लेकिन इसका उपयोग खेती के लिए नहीं किया जाता है।
- परती भूमि के अतिरिक्त कृषि योग्य बंजर भूमि कृषि प्रयोजनों के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उन्हें खेती, चराई या कृषि के लिए रूढ़िवादी तरीकों से पुनः प्राप्त किया जा सकता है।
- हमारे देश में अधिकतम बंजर भूमि राजस्थान में है, मानवजनित गतिविधियाँ राजस्थान में बंजर भूमि के निर्माण को बढ़ावा दे रही हैं, जो वनों की कटाई, अतिवृष्टि, खनन और गहन कृषि पद्धतियाँ हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- पी.आई.बी.

2. सबसे बड़ा अमेरिका-बांग्लादेश नौसेना युद्धाभ्यास "कैरेट-2019" चट्टोग्राम में शुरू हुआ है।

- सबसे बड़े अमेरिका-बांग्लादेश नौसेना युद्धाभ्यास के दूसरे चरण का नाम 'कोऑपरेशन अफ्लोट रेडीनेस एंड ट्रेनिंग (CARAT)- 2019 है', इसे चट्टोग्राम में शुरू किया गया है।
- यह युद्धाभ्यास दोनों देशों के नौसैनिकों की परिचालन गतिविधियों की बेहतर समझ हासिल करने और विभिन्न सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से उन्नत तकनीक से परिचित होने का अवसर प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

3. जी.वी.-971 अथवा "ऑलिगोमनेट: अल्जाइमर के इलाज हेतु एक नई दवा है।

- चीन ने घोषणा की है कि एक नई दवा जिसे जी.वी.-971 या "ऑलिगोमनेट" कहा जाता है, यह दवा अल्जाइमर रोग का संभावित इलाज करने हेतु इस वर्ष के अंत तक चीनी रोगियों के लिए उपलब्ध होगी।

संबंधित जानकारी

अल्जाइमर

- यह एक प्रगतिशील मस्तिष्क विकार है जो सामान्यतः 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को प्रभावित करता है।
- यह रोग मस्तिष्क की कोशिकाओं और नसों को नष्ट कर देता है और संदेश ले जाने वाले न्यूरोट्रांसमीटर को बाधित करता है।
- अंततः, अल्जाइमर से पीड़ित व्यक्ति दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को करने की क्षमता खो देता है।
- इसके लक्षण याददाश्त खोना, सामान्य कार्यों को पूरा करने में कठिनाई, समय या स्थान के बारे में भ्रम, बोलने और लिखने में समस्या, निम्न या खराब निर्णय और मूड और व्यक्तित्व में परिवर्तन होना हैं।

- अल्जाइमर रोग भी मनोभ्रंश का सबसे सामान्य कारण है, जो एक सिंड्रोम है।

जी.वी.-971 या "ओलिगोमेनेट"

- यह समुद्री शैवाल आधारित दवा है, जिसे केवल मौखिक रूप से प्रशासित किया जा सकता है।
- यह संयुक्त रूप से शंघाई मटेरिया मेडिका संस्थान और चीनी महासागर विश्वविद्यालय और ग्रीन वैली फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है।
- चीनी शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि यह हल्के से मध्यम अल्जाइमर का इलाज करने में सक्षम है और अनुभूति में सुधार कर सकती है।

नोट:

- अल्जाइमर का कोई इलाज नहीं है क्यों कि इसके सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है।
- विकसित की जा रही अधिकांश दवाएं रोग की प्रगति को धीमा करने या रोकने में कारगर हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

4. उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला

- रक्षा राज्य मंत्री ने पुणे में उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एच.ई.एम.आर.एल.) में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) इगनाइटर कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया है।

संबंधित जानकारी

- इसने कार्बनिक बंधको का उपयोग करते हुए विभिन्न ईंधन/ ऑक्सीकारक आधारित आग्नेय इगनाइटर विकसित किए हैं।
- दहन, रॉकेट मोटर की दहन श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण और अत्यधिक महत्वपूर्ण घटना है।
- प्रयोगशाला ने कई सामरिक और साथ ही रणनीतिक मिसाइलों के रॉकेट मोटर्स की विश्वसनीय दीक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई दहन प्रणाली विकसित की हैं।
- अग्नि, पृथ्वी, आकाश, नाग, पिनाका, लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल

(एल.आर.एस.ए.एम.) आदि के लिए दहन प्रणाली को एच.ई.एम.आर.एल. में डिजाइन और विकसित किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- लाइवमिंट

5. तीसरा क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आर.सी.ई.पी.) शिखर सम्मेलन

- भारत के प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि भारत "किसानों, एम.एस.एम.ई. और डेयरी क्षेत्र" पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों का हवाला देते हुए आर.सी.ई.पी. (क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी) से बाहर हो रहा है।

संबंधित जानकारी

क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी

- तीसरा क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आर.सी.ई.पी.) शिखर सम्मेलन बैंकाक में आयोजित किया जाएगा।
- आर.सी.ई.पी. सोलह देशों अर्थात् आसियान के दस देशों (ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम) के बीच एक प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफ.टी.ए.) है।
- इसमें 6 एफ.टी.ए. साझेदार (जिन्हें ए.एफ.पी. अथवा आसियान एफ.टी.ए. साझेदार) जिनके नाम ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, कोरिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं।
- इसे औपचारिक रूप से वर्ष 2012 में कंबोडिया में आसियान शिखर सम्मेलन में लॉन्च किया गया था।
- 16-सदस्यीय आर.सी.ई.पी. ब्लॉक का उद्देश्य माल, सेवाओं, निवेश, आर्थिक और तकनीकी सहयोग, प्रतिस्पर्धा और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों को शामिल करना है।

भारत के इससे बाहर होने के कारण:

- आर.सी.ई.पी. समझौते का वर्तमान स्वरूप मूल भावना और आर.सी.ई.पी. के सहमत मार्गदर्शक

सिद्धांतों को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करता है।

- यह संतोषजनक रूप से भारत के उत्कृष्ट मुद्दों और चिंताओं को भी संबोधित नहीं करता है। भारतीय किसानों, व्यापारियों, पेशवरों और उद्योगपतियों ने वार्ता के साथ सरकार के निर्णय का विरोध किया है।
- भारत, चीनी सामानों की बाढ़ के खिलाफ सुरक्षा के मुद्दों पर संबोधन करने हेतु सेवाओं, कृषि और डेयरी शुल्कों हेतु अन्य देशों को भारतीय श्रम गतिशीलता की अनुमति प्रदान करता है।
- भारत में नॉन टैरिफ बैरियर (एन.टी.बी.) कम है, जब भारत में टैरिफ कम होंगे तो ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और आसियान देश प्रमुख लाभार्थी होंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- ए.आई.आर.

6. डब्ल्यू.एच.ओ. ने वर्ष 2024 तक ऑनलाइन शॉपिंग को एक नशे की लत विकार के रूप में पहचाना है।
- वर्ष 2024 तक विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) एक व्यसनी विकार के रूप में ऑनलाइन खरीदारी की पहचान करेगा क्योंकि कि अनुसंधान फर्म गार्टनर से भविष्यवाणी की है कि लाखों लोग डिजिटल वाणिज्य का दुरुपयोग करते हैं और वित्तीय संकटों का सामना करते हैं।
- ऑनलाइन खरीदारी में आसानी लाखों लोगों के लिए वित्तीय तनाव का कारण बनेगी क्योंकि कि ऑनलाइन खुदरा विक्रेता तेजी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) का उपयोग कर रहे हैं और उपभोक्ताओं को प्रभावी रूप से लक्षित करने के लिए निजीकरण करते हैं और विवेकाधीन आय खर्च करने के लिए उन्हें प्रेरित करते हैं जो उनके पास नहीं है।
- इसके परिणामस्वरूप ऋण और व्यक्तिगत दिवालिया होने से अवसाद और तनाव के कारण

होने वाली अन्य स्वास्थ्य चिंताएं हो जाएंगी, जो डब्ल्यूएचओ का ध्यान आकर्षित कर रही हैं।

संबंधित जानकारी

- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.), जहां भौतिक चीजों को एक निश्चित काम करने के लिए निर्देशित किया जाता है, जो कि ऑपरेटिंग मापदंडों के वांछित सेट के सापेक्ष अवलोकित ऑपरेटिंग मापदंडों के सेट पर आधारित है, इसे अब इंसानों तक बढ़ाया जा रहा है, जिसे इंटरनेट ऑफ बिहेवियर (आई.ओ.बी.) के रूप में जाना जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- ए.आई.आर.

7. डानाकिल डिप्रेशन

- हाल ही में, नए शोध में यह पाया गया है कि एक्सट्रीमोफाइल रोगाणुओं को डानाकिल डिप्रेशन में अनुकूलित कर सकते हैं जो दुनिया के सबसे गर्म स्थानों में से एक है।
- हालांकि, नए शोध ने पृथ्वी पर एक स्थान की ओर इशारा किया है, जहां पानी के बुदबुदाते पूल और उसके परिदृश्य को कवर करने वाले नमक के टीले हैं जो कि इन सूक्ष्मजीवों के लिए भी बहुत हानिकारक है।

संबंधित जानकारी

डानाकिल डिप्रेशन

- उत्तरपूर्वी इथियोपिया में दनाकिल डिप्रेशन दुनिया के सबसे गर्म स्थानों में से एक है, इसके साथ ही यह समुद्र तल से 100 मीटर नीचे सबसे निचला स्थान है।
- ग्रेट रिफ्ट घाटी के उत्तरी छोर पर और लाल सागर से सक्रिय ज्वालामुखियों द्वारा अलग किए गए एक मैदान का निर्माण एक अंतर्देशीय जल निकाय के वाष्पीकरण द्वारा किया गया था।
- डानाकिल में प्रवेश करने वाला सारा पानी वाष्पित हो जाता है और इसके चरम वातावरण से कोई भी धारा नहीं निकलती है।
- इसमें 10 लाख टन से अधिक नमक है।

- अब, 28 अक्टूबर को नेचर इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन में प्रकाशित एक नए अध्ययन में कहा गया है कि डानाकिल में सक्रिय और स्वाभाविक रूप से होने वाली ज़िंदगी नहीं रह सकती है।
- यह दो अवरोधों की पहचान करता है, जो मैग्नीशियम-वर्धित ब्राइन जो कोशिकाओं को तोड़ने का कारण बनती है और एक ऐसा वातावरण जिसमें बहुत निम्न पी.एच. और उच्च खारापन होता है, जो अनुकूलन को बहुत मुश्किल बनाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1-भूगोल

स्रोत- पी.आई.बी.

8. बी-भारी गुड़ से इथेनॉल बनाना

- हाल ही में, केंद्रीय पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने घोषणा की है कि बी-भारी गुड़ से अतिरिक्त इथेनॉल का उत्पादन करने हेतु अलग से पर्यावरणीय मंजूरी की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह प्रदूषण में योगदान नहीं करता है।
- यह स्पष्ट किया गया है कि ऐसे सभी प्रस्तावों का उद्देश्य बी-भारी गुड़, गन्ने के रस, चीनी सिरप या चीनी से इथेनॉल का अतिरिक्त उत्पादन करना है, इसे ई.आई.ए. अधिसूचना, 2006 के 7 (ii) (ए) के प्रावधानों के अंतर्गत पर्यावरण मंजूरी के अनुदान के लिए संबंधित विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति द्वारा माना जा सकता है।

संबंधित जानकारी

गुड़

- गुड़ या काला राब एक चिपचिपा उत्पाद है जो गन्ने या चीनी को दानों में परिष्कृत करने के परिणामस्वरूप होता है। गुड़ चीनी की मात्रा, निष्कर्षण की विधि और पौधे की उम्र के आधार पर भिन्न होते हैं।

सरकारी पहल

- इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम को वर्ष 2003 में परीक्षण आधार पर शुरू किया गया था और बाद में इसे 21 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में विस्तारित किया गया था।
- भारत ने वर्ष 2022 तक पेट्रोल में 10 प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण का लक्ष्य रखा है।
- सरकार ने मिश्रण लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु जुलाई, 2018 में ईथेनॉल पर उत्पाद एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) की दर को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है।
- किसानों के बकाये की निकासी सुनिश्चित करने के लिए सरकार लगभग 7,000 करोड़ रुपये का एक व्यापक पैकेज लाई है, जिसमें देश में इथेनॉल क्षमता बढ़ाने के लिए 4400 करोड़ रुपये की योजना शामिल है।
- सितंबर 2018 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सी.सी.ई.ए.) ने गन्ने से इथेनॉल के उत्पादन के लिए प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का निर्णय लिया है।

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम के लाभ

- यह कदम इथेनॉल के उत्पादन को प्रोत्साहित करेगा और इस प्रकार देश में अतिरिक्त चीनी को कम करेगा।
- यह चीनी मिलों के साथ तरलता को बढ़ाएगा और उन्हें किसानों के बकाया को निपटाने में उनकी मदद करेगा।
- यह इथेनॉल उत्पादन को प्रोत्साहित करेगा और चीनी मिलों की क्षमता वृद्धि में निवेश को बढ़ाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 -गवर्नंस

स्रोत- पी.आई.बी.

07.11.2019

1. भारतीय वायु गुणवत्ता इंटरएक्टिव कोष या इंडएयर

- सी.एस.आई.आर. के राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान

(एन.ई.ई.आर.आई.) ने देश का पहला इंटरैक्टिव ऑनलाइन कोष, इंडायर लॉन्च किया है।

- इस परियोजना का उद्देश्य वायु गुणवत्ता अनुसंधान को सभी के लिए उपलब्ध कराना है।
- इंडायर ने देश में वायु प्रदूषण अनुसंधान और कानून का इतिहास प्रदान करने के लिए पूर्व-इंटरनेट समय (1950-1999) से 700 से अधिक स्कैन किए गए दस्तावेज, 1,215 अनुसंधान लेख, 170 रिपोर्ट और केस अध्ययन, 100 केस और 2,000 से अधिक प्रतिमाओं को संग्रहीत किया है।
- इसमें 1905 से पहले के देश के सभी प्रमुख कानून शामिल हैं।
- यह कोष, विश्व की ऐसी ही कुछ सुविधाओं में से एक है, जिसमें दिल्ली-एन.सी.आर. से संबंधित अध्ययनों की अधिकतम संख्या 262 है।
- इंडायर ने खुलासा किया है कि वायु प्रदूषण को भारत में 1905 में भी एक विषय के रूप में मान्यता दी गई थी, जब बंगाल धूम्रपान अपदूषण अधिनियम के लिए एक अध्ययन किया गया था।

राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान

- सी.एस.आई.आर.- राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (सी.एस.आई.आर.- एन.ई.ई.आर.आई.) भारत सरकार द्वारा निर्मित और वित्त पोषित एक अनुसंधान संस्थान है।
- इसकी स्थापना 1958 में नागपुर में पानी की आपूर्ति, सीवेज निपटान और संचारी रोगों पर ध्यान केंद्रित करने हेतु की गई थी और कुछ हद तक स्वतंत्रता के बाद भारत में औद्योगिक प्रदूषण और व्यावसायिक बीमारियां सामान्य तौर पर पाई गई थीं।
- एन.ई.ई.आर.आई., पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक अग्रणी प्रयोगशाला है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.) का भाग है।

- एन.ई.ई.आर.आई. की चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई में पाँच आंचलिक प्रयोगशालाएँ हैं, एन.ई.ई.आर.आई., केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारत) के अंतर्गत आता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

2. नवोदय विद्यालय समिति हेतु शालादर्पण पोर्टल

- मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री ने शाला दर्पण पोर्टल लॉन्च किया है।

पोर्टल के संदर्भ में जानकारी

- यह पोर्टल, नवोदय विद्यालय समिति के लिए एक ई-गवर्नेंस स्कूल स्वचालन और प्रबंधन प्रणाली है।
- इसे नवोदय विद्यालय समिति में एक छात्र के माध्यम से देश की सबसे बड़ी आवासीय विद्यालय प्रणाली की सभी गतिविधियों के स्वचालन को सक्षम करने वाली पहली प्रमुख पहल के रूप में लागू किया गया है।
- इसे नवोदय विद्यालय समिति के स्कूलों और कार्यालयों में सूचना साझा करने और ज्ञान प्रसार के लिए एक एकल एकीकृत मंच के रूप में विकसित किया गया है।
- यह एक इंड-टू-इंड ई-गवर्नेंस स्कूल स्वचालन एवं प्रबंधन प्रणाली है।
- इस प्रणाली में कई खामियों को दूर करने योग्य घटक हैं जो एक दूसरे के साथ संवाद कर सकते हैं। इन्हें नीचे सूचीबद्ध किया गया है: पूर्ण विद्यालय स्वचालन हेतु स्कूल सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली सूचना प्रसार हेतु द्विभाषी सामग्री प्रबंधन पोर्टल सभी कर्मचारियों की दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों का प्रबंधन करने हेतु कर्मचारी ई.आर.पी. बजट एवं वित्त प्रबंधन प्रणाली वस्तुसूची एवं स्टोर प्रबंधन प्रणाली पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली

नोट:

- नवोदय विद्यालय, नवोदय विद्यालय समिति द्वारा स्थापित सह-शैक्षणिक आवासीय विद्यालय हैं जो गुणवत्तापूर्ण आधुनिक शिक्षा प्रदान करने हेतु एम.एच.आर.डी. के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. गुजरात आतंकवाद एवं संगठित अपराध नियंत्रण (जी.सी.टी.ओ.सी.) विधेयक

- राष्ट्रपति ने विवादास्पद गुजरात आतंकवाद एवं संगठित अपराध नियंत्रण (जी.सी.टी.ओ.सी.) विधेयक को अपनी स्वीकृति प्रदान की है।

विधेयक की मुख्य विशेषताएं

- जी.सी.टी.ओ.सी. की 'आतंकवादी अधिनियम' की परिभाषा "एक अधिनियम है जो कानून और व्यवस्था या सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने या राज्य की एकता, अखंडता और सुरक्षा को खतरे में डालने के इरादे से प्रतिबद्ध है।"
- नए अधिनियम की प्रमुख विशेषताओं में से एक इंटरसेप्टेड टेलीफोनिक वार्तालाप है, जिसे अब वैध साक्ष्य माना जाएगा।
- यह विधेयक एक विशेष अदालत के निर्माण के साथ-साथ विशेष सरकारी अभियोजकों की नियुक्ति का भी प्रावधान प्रदान करता है।
- जी.सी.टी.ओ.सी. कवर के आर्थिक अपराधों में पोंजी स्कीम, बहु-स्तरीय विपणन योजना और संगठित सट्टेबाजी शामिल हैं। इसमें जबरन वसूली, जमीन हथियाना, अनुबंध हत्याएं, साइबर अपराध और मानव तस्करी भी शामिल है।
- चार्जशीट दायर करने की समयसीमा का विस्तार करके 90 दिन से 180 दिन कर दिया गया है।
- अधिनियम के अन्य प्रावधानों में एक पुलिस अधिकारी के समक्ष सबूत के तौर पर की गई दोष-स्वीकृति की स्वीकार्यता शामिल है।

महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम

- यह अधिनियम वर्ष 1999 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा पारित किया गया था।

- इसका उद्देश्य आतंकवाद से संबंधित अपराधों का मुकाबला करना है।
- यह अधिनियम "संगठित अपराध" को एक व्यक्ति द्वारा या संयुक्त रूप से या किसी संगठित अपराध सिंडिकेट के सदस्य द्वारा हिंसा या किसी अन्य गैरकानूनी साधन द्वारा गैरकानूनी गतिविधि को जारी रखने के रूप में परिभाषित करता है, जो कि आर्थिक लाभ या बकाया आर्थिक या अन्य लाभों को प्राप्त करने के उद्देश्य से की गई हो।

गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम

- गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 का उद्देश्य भारत और विदेशों में गैरकानूनी गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम करना है।
- इसका मुख्य उद्देश्य आतंकवादी गतिविधियों से निपटने के लिए केंद्रीय संस्थाओं और राज्यों को अधिकार प्रदान करना था।
- हाल ही में, राज्यसभा ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2019 या आतंकवाद विरोधी कानून को मंजूरी प्रदान की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आंतरिक सुरक्षा

स्रोत- द हिंदू

4. खादी को अलग एच.एस. कोड मिला है।

- खादी को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा एक अलग सामंजस्यपूर्ण प्रणाली कोड आवंटित किया गया है।

संबंधित जानकारी

सामंजस्य प्रणाली

- यह विश्व सीमा शुल्क संगठन (डब्ल्यू.सी.ओ.) द्वारा विकसित छह अंकों का पहचान कोड है।
- कस्टम अधिकारी इस कोड का उपयोग किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा में प्रवेश करने या सीमा पार करने वाली प्रत्येक वस्तु को स्वीकृति देने के लिए करते हैं।

- यह आने वाले वर्षों में खादी निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, एक संवैधानिक निकाय है जिसे संसद के अधिनियम (खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम 1956) द्वारा स्थापित किया गया है।
- यह सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत एक सर्वोच्च संगठन है।

विश्व सीमा शुल्क संगठन

- यह एक स्वतंत्र अंतरसरकारी निकाय है जिसका उद्देश्य सीमा शुल्क प्रशासन की प्रभावशीलता और दक्षता को बढ़ाना है।
- इसे वर्ष 1952 में सीमा शुल्क सहयोग परिषद के रूप में स्थापित किया गया था।
- इसका मुख्यालय बेल्जियम के ब्रुसेल्स में स्थित है।

भारत और विश्व सीमा शुल्क संगठन

- भारत, वर्ष 1971 से विश्व सीमा शुल्क संगठन का सदस्य है।
- यह एशिया प्रशांत क्षेत्र का एक हिस्सा है जिसमें 33 देश शामिल हैं, यह 6 क्षेत्रों में से एक है।
- भारत, वर्तमान में जून, 2020 तक दो वर्ष की अवधि के लिए विश्व सीमा शुल्क संगठन के एशिया प्रशांत क्षेत्र का उपाध्यक्ष (क्षेत्रीय प्रमुख) है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. बोइंग सी.एस.टी.-100 स्टारलाइनर या स्पेस टैक्सी

- हाल ही में, बोइंग ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आई.एस.एस.) से अंतरिक्ष यात्रियों को लाने और ले जाने के लिए सी.एस.टी.-100 स्टारलाइनर क्रू कैप्सूल की एक मानव रहित सुरक्षा परीक्षण उड़ान विकसित की जा रही है।

संबंधित जानकारी

बोइंग सी.एस.टी.-100 स्टारलाइनर या स्पेस टैक्सी

- बोइंग सी.एस.टी.-100 स्टारलाइनर (क्रू स्पेस ट्रांसपोर्टेशन) क्रू कैप्सूल, बोइंग द्वारा नासा के वाणिज्यिक क्रू विकास (CCDev) कार्यक्रम में अपनी भागीदारी के रूप में निर्माणाधीन अंतरिक्ष यान है।
- इसका प्राथमिक उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आई.एस.एस.) और निजी अंतरिक्ष स्टेशनों जैसे कि प्रस्तावित बिगेलो एयरोस्पेस वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशन पर चालक दल को पहुंचाना है।
- यह दो कंपनियों में से एक है, जिसमें सी.सी.पी. ने अंतरिक्ष यात्रियों को लाने और ले जाने के लिए नए निजी अंतरिक्ष यान विकसित करने के लिए समझौते किए हैं, दूसरी कंपनी एलोन मस्क स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉर्पोरेशन या स्पेसएक्स है।
- स्टारलाइनर, सात क्रू सदस्यों या चालक दल और कार्गो के मिश्रण को निम्न-पृथ्वी की कक्षा में समायोजित कर सकता है।
- नासा ने वर्ष 2020 तक इन कैप्सूल का उपयोग करके मनुष्यों को ले जाने वाले पहले मिशन की शुरुआत की अपेक्षा की है।

नासा का अंतरिक्ष शटल कार्यक्रम

- 1981 से अगले 30 वर्षों में, नासा के अंतरिक्ष यान बेड़े ने अपने एस.एस.पी.- कोलंबिया, चैलेंजर, डिस्कवरी, अटलांटिस और एंडेवर के अंतर्गत 135 मिशनों ने उड़ान भरी है, जिनमें से कई ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण में मदद की है।
- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन, अंतरिक्ष में सबसे बड़ी मानव निर्मित संरचना है।
- यह शटल पुनः प्रयोग करने योग्य अंतरिक्ष यान है जो मनुष्यों को कक्षा में ले जा सकती है।
- अंतिम अंतरिक्ष शटल मिशन अटलांटिस द्वारा वर्ष 2011 में किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

6. सरकार ने रूकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पुनर्जीवित करने के लिए 25,000 करोड़ रुपये का कोष स्थापित किया है।

- सरकार ने रूकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पुनर्जीवित करने के लिए 25 हजार करोड़ रुपये का कोष स्थापित करने का निर्णय लिया है।
- सरकार, वैकल्पिक निवेश कोष (ए.आई.एफ.) में 10 हजार करोड़ रुपये डालेगी, जब कि भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम 15 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेंगे, जिससे इसका कुल आयतन 25 हजार करोड़ रुपये हो जाएगा।
- यह देश भर में लगभग 4.58 लाख आवास इकाइयों वाली 1,600 से अधिक आवासीय परियोजनाओं को वित्तपोषित करेगा।
- यह कोष उन डेवलपर्स को राहत प्रदान करेगा, जिन्हें अधूरी परियोजनाओं के एक सेट को पूरा करने के लिए धन की आवश्यकता है और इसके परिणामस्वरूप घर-खरीदारों को घरों की डिलीवरी सुनिश्चित करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

7. सूडान ने चीन के साथ साझेदारी में अपना पहला उपग्रह लॉन्च किया है।

- चीन द्वारा सैन्य, आर्थिक और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अनुसंधान करने के लिए सूडान का पहला उपग्रह लॉन्च किया गया है।
- सूडान रिमोट सेंसिंग उपग्रह (एस.आर.एस.एस.-1) को उत्तरी चीनी प्रांत शांक्सी से लॉन्च किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 -विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- अलजजीरा

8. आर्थिक मंदी से भारत का कार्बन बोझ हल्का होगा।

- कार्बन ब्रीफ में प्रकाशित एक विश्लेषण के अनुसार, भारत में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन

2001 के बाद से सबसे धीमी गति से बढ़ने के लिए तैयार है, जिसमें वर्ष 2018 से केवल 2% की वृद्धि होगी।

CO2 उत्सर्जन में धीमी वृद्धि में योगदान करने वाले कारक

- वर्ष 2017 में औद्योगिक कोयला उपयोग में नाटकीय ढंग से गिरावट होने के कारण वर्ष 2018 में कोयला आधारित बिजली उत्पादन में धीमी वृद्धि हुई है क्योंकि निर्माण क्षेत्र में मंदी और वर्ष 2018 में वापस उछाल आया था।

2019-अक्षय में वृद्धि

- एक वर्ष पहले की समान अवधि की तुलना में वर्ष 2019 के पहले छह महीनों में पवन उत्पादन में 17% की वृद्धि हुई है, जिसमें 30% तक सौर और 22% वृद्धि पनबिजली द्वारा हुई है।

भारत का पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते में राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान

- संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं के अनुसार, भारत ने 2005 के स्तर की तुलना में अपनी अर्थव्यवस्था की उत्सर्जन तीव्रता को 2030 तक कम करने का वादा किया है।
- भारत 2030 तक अपनी ऊर्जा का 40% नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

नोट:

- पिछले वर्ष, कार्बन फुटप्रिंट पर अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा उत्सर्जन एजेंसी की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन वैश्विक औसत का लगभग 40% था और वह वैश्विक कार्बन डाइऑक्साइड बोझ में 7% का योगदान देता था।
- अमेरिका बड़ा उत्सर्जक है, वह 14% का योगदान देता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

9. फेनी नदी

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने त्रिपुरा में सबरूम शहर के लिए पेयजल आपूर्ति योजना हेतु भारत द्वारा फेनी नदी से 1.82 क्यूसेक पानी की निकासी पर भारत और बांग्लादेश के बीच समझौता ज्ञापन के लिए पूर्वव्यापी स्वीकृति प्रदान की है।
- आज तक भारत और बांग्लादेश के बीच फेनी नदी पर कोई जल-साझाकरण समझौता नहीं हुआ है।

संबंधित जानकारी

फेनी नदी

- फेनी नदी, दक्षिणपूर्वी बांग्लादेश में एक नदी है।
- यह पानी के अधिकारों को लेकर चल रहे विवाद के साथ एक सीमापार नदी है।
- फेनी नदी, दक्षिण त्रिपुरा जिले में निकलती है और सबरूम शहर से होकर बहती है और फिर बांग्लादेश में प्रवेश करती है।
- मुहुरी नदी, जिसे लिटिल फेनी भी कहा जाता है, यह नदी फेनी नदी की दाहिनी सहायक नदी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – भूगोल

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

10. आई.आई.टी. मद्रास ने देश की पहली स्टैंडिंग व्हीलचेयर लॉन्च की है।

- केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण मंत्री ने व्हीलचेयर अराइज लॉन्च की है, जो देश की पहली स्वदेशी रूप से निर्मित व्हीलचेयर है।

संबंधित जानकारी

व्हीलचेयर अराइज

- यह सहायक उपकरण, व्हीलचेयर की आवश्यकता वाले विकलांग व्यक्ति को बैठे से खड़े होने की स्थिति और खड़े होने से बैठने की स्थिति को स्वतंत्र रूप से और नियंत्रित ढंग से बदलने में सक्षम बनाता है।
- इस परियोजना को यूनाइटेड किंगडम जैसे विदेशी देशों से भी समर्थन मिला है।
- वेलकम, यू.के. के माध्यम से और भारत में किफायती स्वास्थ्य देखभाल पुरस्कार के माध्यम से स्टैंडिंग व्हीलचेयर तकनीक का

व्यावसायीकरण संभव हो सका है, जो अनुसंधान और विनिर्माण भागीदारों को एक साथ लाया है।

- यह पुरस्कार अनुसंधान और विनिर्माण भागीदारों को एक साथ लाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- पी.आई.बी.

08.11.2019

1. मिशन इनोवेशन

- केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने मिशन इनोवेशन (एम.आई.) नवाचार चुनौतियों की आमने-सामने बैठक का उद्घाटन किया है।
- बैठक का उद्देश्य मिशन इनोवेशन द्वारा डिलिवरेबल्स और वर्ष 2020 तक इसकी योजनाओं का जायजा लेना है।
- इसका एक अन्य प्रमुख उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा नवाचार में प्रमुख अंतर क्षेत्रों की पहचान करना और एम.आई. को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए वर्ष 2020 से आगे इनका पता कैसे लगाया जाए, इसकी पहचान करना है।

संबंधित जानकारी

मिशन इनोवेशन

- इसकी घोषणा भारत, फ्रांस और संयुक्त राज्य अमेरिका के अग्रणी प्रयासों के कारण सी.ओ.पी. 21 के दौरान वर्ष 2015 में की गई थी क्योंकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के महत्वाकांक्षी प्रयासों के लिए विश्व के नेता पेरिस में एक साथ एकत्र हुए थे।
- भारत, मिशन इनोवेशन का संस्थापक सदस्य है।
- मिशन इनोवेशन (एम.आई.), 24 देशों और यूरोपीय संघ की एक वैश्विक पहल है जो वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा नवाचार में नाटकीय रूप से तेजी लाने के लिए है।
- इसका लक्ष्य निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा नवाचार में तेजी लाना है:
 - a. स्वच्छ ऊर्जा को किफायती बनाना

- b. जलवायु परिवर्तन से निपटना
- c. हरित रोजगार और वाणिज्यिक अवसर पैदा करना
- इसमें भाग लेने वाले देशों का अपनी स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान एवं विकास निवेश को दोगुना करना शामिल हैं।
- समयबद्ध तरीके से आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों को पूरा करना आवश्यक है।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी.बी.टी.), भारत में मिशन इनोवेशन (एम.आई.) की गतिविधियों का समन्वय और संचालन करने वाली नोडल संस्था है।

नोट:

- भारत वर्ष 2022 तक अक्षय ऊर्जा क्षमता को 175 गीगावाट तक और इसके बाद में 450 गीगावाट तक बढ़ाने की योजना बना रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- पी.आई.बी.

2. आर.बी.आई. के पैनल ने कोर निवेश कंपनियों को मजबूत करने के उपाय सुझाए हैं।
- आर.बी.आई. ने तपन रे की अध्यक्षता में कोर निवेश कंपनियों (सी.आई.सी.) के लिए विनियामक और पर्यवेक्षण ढांचे की समीक्षा करने हेतु एक वर्किंग ग्रुप (डब्ल्यू.जी.) का गठन किया था, जिसने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

मुख्य सिफारिशें

- उन्होंने कम परतों और उनके पूंजी निवेश पर प्रतिबंध और कम से कम 50% स्वतंत्र निदेशकों के साथ मजबूत बोर्ड संरचनाओं के साथ कोर निवेश कंपनियों (सी.आई.सी.) के लिए एक सरलीकृत संरचना का सुझाव दिया है।
- बोर्ड की ऑडिट कमेटी की अध्यक्षता एक स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जानी चाहिए, जो सी.आई.सी. की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया और नीतियों की निगरानी करता हो।

- 100 करोड़ रुपये की संपत्ति की वर्तमान देहली सीमा और पंजीकरण के लिए सार्वजनिक धन तक पहुंच को बनाए रखा जाना चाहिए क्योंकि सी.आई.सी. को बरकरार रखा जाना चाहिए।
- समूह के कर्मचारियों या कार्यकारी निदेशकों को छोड़कर सी.आई.सी. के रिंग-फेंसिंग बोर्ड को इसकी आवश्यकता होती है।

संबंधित जानकारी

कोर निवेश कंपनियां

- यह एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जिसकी संपत्ति का आकार 100 करोड़ रुपये और उससे अधिक है।
- ये शेयरों और प्रतिभूतियों के अधिग्रहण के व्यवसाय को संचालित करती हैं और जो:
 1. समूह की कंपनियों में इक्विटी शेयरों, वरीयता शेयरों, बांडों, डिबेंचर, कर्ज या ऋण में निवेश के रूप में अपनी कुल संपत्ति का कम से कम 90 प्रतिशत रखती हों।
 2. पिछली ऑडिटेड बैलेंस शीट की तारीख तक समूह की कंपनियों में इक्विटी शेयरों में इसका निवेश इसकी कुल संपत्तियों का कम से कम 60 प्रतिशत से कम नहीं है।
- सी.आई.सी. को रिज़र्व बैंक से पंजीकरण प्रमाणपत्र (सी.ओ.आर.) प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होती है।
- व्यावहारिक रूप से, यह निर्धारित करना बहुत मुश्किल होता है कि सी.आई.सी. किस प्रकार के शेयर हस्तांतरण में संलग्न है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

3. मूडीज ने भारत के दृष्टिकोण को ऋणात्मक रूप से घटा दिया है।
- वैश्विक रेटिंग संस्था मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने भारत सरकार की रेटिंग को स्थिर से ऋणात्मक करने के लिए अपने दृष्टिकोण में कटौती की है लेकिन Baa2 विदेशी मुद्रा और स्थानीय-मुद्रा दीर्घकालिक जारीकर्ता रेटिंग की पुष्टि की है।

- मूडीज ने भारत की Baa2 स्थानीय-मुद्रा वरिष्ठ असुरक्षित रेटिंग और इसकी पी-2 अन्य अल्पकालिक स्थानीय-मुद्रा रेटिंग की पुष्टि की है।
- मूडीज ने कहा है कि दृष्टिकोण को ऋणात्मक में बदलने का निर्णय उन जोखिमों को दर्शाता है जो आर्थिक विकास के अतीत की तुलना में भौतिक रूप से कम रहेंगे, आंशिक रूप से लंबे समय से चली आ रही आर्थिक और संस्थागत कमजोरियों को संबोधित करते हुए निम्न सरकार और नीतिगत प्रभावशीलता को दर्शाता है।

प्रभाव क्या है?

- आउटलुक में कमी, निवेश गिरावट की दिशा में पहला कदम है क्योंकि कि भारत अब निवेश-ग्रेड देश की रेटिंग से एक पायदान ऊपर है।
- देश की रेटिंग में वास्तविक गिरावट से बड़े पैमाने पर विदेशी फंड का बहिर्वाह हो सकता है।
- हालांकि, यदि सरकार हिस्सेदारी बिक्री से अधिक धन उगाहने के माध्यम से राजकोषीय घाटे की चिंताओं को दूर करने में सक्षम है तो रेटिंग एजेंसियां अपने दृष्टिकोण को संशोधित करती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. भारतीय तटरक्षक बल ने ReSAREX-2019 आयोजित किया है।

- भारतीय तटरक्षक ने समन्वित तरीके से समुद्र में खोज और बचाव के लिए तैयारियों और प्रतिक्रिया उपायों की जांच करने के लिए क्षेत्रीय स्तर खोज एवं बचाव कार्यशाला और युद्धाभ्यास-2019 (ReSAREX - 2019) का आयोजन किया है।
- गोवा तट से दूर एक बचाव अभियान चलाया गया जिसमें युद्धाभ्यास उद्देश्य के लिए एक यात्री नौका और यात्री जहाज पर आग के संबंध में एक संदेश प्राप्त हुआ है।

- गश्त पर एक तटरक्षक डोर्नियर को घटना का आकलन करने और सटीक डेटा की रिपोर्ट करने के लिए भेजा गया था।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3- आपदा प्रबंधन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. भारत न्याय रिपोर्ट 2019

- हाल ही में, भारत न्याय रिपोर्ट 2019 को टाटा ट्रस्ट्स ने सामाजिक न्याय केंद्र, कॉमन कॉज और कॉमनवेल्थ मानवाधिकार पहल के सहयोग से जारी किया है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- यह रिपोर्ट न्याय वितरण के चार स्तंभों- पुलिस, न्यायपालिका, जेल और कानूनी सहायता पर विभिन्न सरकारी संस्थाओं के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित है।
- न्याय वितरण पर भारतीय राज्यों की कुल रैंकिंग में 18 बड़े-मध्यम राज्यों की सूची में महाराष्ट्र शीर्ष पर है, इसके बाद केरल, तमिलनाडु, पंजाब और हरियाणा हैं।
- इस श्रेणी में झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश सबसे नीचे हैं, जब कि सात छोटे राज्यों में गोवा शीर्ष पर है।
- इस रिपोर्ट में इस तथ्य पर प्रकाश डाला गया है कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों ने पुलिस, न्यायपालिका, जेल और कानूनी सहायता में क्षमता के आधार पर अपने प्रदर्शन में 60% से कम स्कोर किया है।
- देश में लगभग 23% स्वीकृत पदों के खाली होने के साथ 18,200 न्यायाधीश हैं।
- इन स्तंभों में महिलाओं का खराब प्रतिनिधित्व किया गया है, जिसमें पुलिस का सिर्फ 7% हिस्सा होता है।
- जेलों पर 114% से अधिक कब्जे हैं, जहां 68% जांच, पूछताछ या परीक्षण का इंतजार कर रहे हैं।

बजट बाध्यताएं

- निशुल्क कानूनी सहायता पर भारत का प्रति व्यक्ति खर्च 75 पैसे प्रति वर्ष है।
- रिपोर्ट ने चार स्तंभों के डेटा संकेतकों की जांच की है, पिछले पांच वर्षों में बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन, विविधता (लिंग, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग), बजट, कार्यभार और रुझानों जैसे विषयों को शामिल किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

6. युद्धाभ्यास समुद्र शक्ति

- भारतीय नौसेना और इंडोनेशियाई नौसेना द्विपक्षीय समुद्री युद्धाभ्यास 'समुद्र शक्ति' वर्तमान में बंगाल की खाड़ी में संचालित किया जा रहा है।

संबंधित जानकारी

- यह भारत और इंडोनेशिया की नौसेनाओं के मध्य द्विपक्षीय नौसेना युद्धाभ्यास है।
- इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना, समुद्री सहयोग का विस्तार करना, अंतरकार्यकारिता को बढ़ाना और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

7. इंडिया इंटरनेट 2019

- हाल ही में, भारतीय इंटरनेट एवं मोबाइल संघ (आई.ए.एम.ए.आई.) ने एक रिपोर्ट जारी की है, जिसका शीर्षक 'इंडिया इंटरनेट 2019' है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- केरल की इंटरनेट प्रवेश दर देश में (54%) दूसरे स्थान पर है, जो केवल दिल्ली एन.सी.आर. में 69% प्रवेश के साथ है।
- केरल, तमिलनाडु और दिल्ली में महिला इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का अनुपात सबसे अधिक है।
- इंटरनेट प्रवेश दर (प्रति 100 जनसंख्या पर 12 वर्ष से अधिक आयु के उन व्यक्तियों को परिभाषित किया गया है जिन्होंने पिछले महीने

में इंटरनेट का उपयोग किया था, सर्वेक्षण अवधि जनवरी-मार्च 2019) ओडिशा (25), झारखंड (26) और बिहार (28) में सबसे कम थी।

- जहां बिहार में प्रति 100 जनसंख्या पर 29 सदस्यता के साथ सबसे कम संख्या है, वहीं उत्तर प्रदेश की संख्या 34 है।

संबंधित जानकारी

इंटरनेट पर अन्य अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट

फ्रीडम ऑन नेट 2019 रिपोर्ट

- फ्रीडम हाउस ऑफ नेट रिपोर्ट 2019 का शीर्षक "द क्राइसिस ऑफ सोशल मीडिया" है, इसे एक अंतरराष्ट्रीय निगरानी संस्था द फ्रीडम हाउस द्वारा जारी किया गया था।
- इस रिपोर्ट ने 65 देशों का आकलन किया था और उनमें से 33 देशों ने जून, 2018 से इंटरनेट स्वतंत्रता में समग्र गिरावट दर्शाई है।
- केवल 16 देशों ने अपनी इंटरनेट स्वतंत्रता की स्थिति में सुधार दर्शाया है।
- इंटरनेट स्वतंत्रता में सबसे बड़ी गिरावट दर्शाने वाले कुछ देशों में सूडान, कजाकिस्तान, ब्राजील, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे शामिल हैं।
- इस रिपोर्ट में भारत को 55 का समग्र स्कोर दिया गया था और देश में इंटरनेट स्वतंत्रता के दर्जे को 'आंशिक रूप से स्वतंत्र' बताया गया था।
- आइसलैंड ने 95 के समग्र स्कोर के साथ सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है क्योंकि इसमें कवरेज अवधि के दौरान ऑनलाइन अभिव्यक्ति के लिए उपयोगकर्ताओं के खिलाफ कोई नागरिक या आपराधिक मामले दर्ज नहीं किए गए थे।
- 10 के कुल स्कोर के साथ चीन को 'परतंत्र' करार दिया गया था और यह लगातार चौथे वर्ष इंटरनेट स्वतंत्रता का दुनिया का सबसे बुरा दुरुपयोग रहा है।
- पाकिस्तान को 26 का स्कोर दिया गया है और उसे लगातार 9वें वर्ष इंटरनेट स्वतंत्रता के दर्जे में 'परतंत्र' घोषित किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-द हिंदू

8. प्रलेखन पहचान संख्या

- केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड (सी.बी.आई.सी.) की प्रलेखन पहचान संख्या (डी.आई.एन.) प्रणाली 8 नवंबर से अस्तित्व में आई है।

संबंधित जानकारी

- यह केंद्र सरकार द्वारा किसी कंपनी के निदेशक या मौजूदा निदेशक बनने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को आवंटित एक अद्वितीय निदेशक पहचान संख्या है।
- यह एक 8-अंकीय विशिष्ट पहचान संख्या है जिसकी आजीवन वैधता है।
- यह एक व्यक्ति के लिए विशिष्ट है, जिसका अर्थ है कि यदि वह 2 या अधिक कंपनियों में निदेशक है तो उसे केवल एक डी.आई.एन. प्राप्त करना है।
- इसका उपयोग तब किया जाता है जब भी कोई रिटर्न, एक आवेदन या किसी कंपनी से संबंधित कोई भी जानकारी किसी भी कानून के अंतर्गत प्रस्तुत की जाएगी, ऐसे रिटर्न, आवेदन या जानकारी पर हस्ताक्षर करने वाले निदेशक अपने हस्ताक्षर के नीचे अपने डी.आई.एन. का उल्लेख करेंगे।
- डी.आई.एन. का उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग के माध्यम से अप्रत्यक्ष कर प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है।
- यह किसी भी संचार को सत्यापित करने के लिए करदाता को एक डिजिटल सुविधा प्रदान करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- पी.आई.बी.

9. भुगतान संबंधी सेवाओं के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के साथ जी.ई.एम. पार्टनर्स है

- सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जी.ई.एम.) ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

संबंधित जानकारी

सरकारी ई-मार्केट

- यह सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और एजेंसियों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की सुविधा हेतु वर्ष 2018 में केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया एक ऑनलाइन बाजार है।
- यह सभी केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पी.एस.यू.) और अन्यसंक्रात निकायों के लिए सामान्यतः उपयोग किए जाने वाले उत्पादों और सेवाओं की खरीद के लिए ऑनलाइन इंड टू इंड समाधान प्रदान करता है।
- इसका मुख्य उद्देश्य उत्पाद और सेवाओं की सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, दक्षता और गति को बढ़ाना और भ्रष्टाचार को खत्म करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत- पी.आई.बी.

12.11.2019

1. भावनगर में विश्व का पहला सी.एन.जी. बंदरगाह टर्मिनल बनेगा।

- गुजरात सरकार ने भावनगर में विश्व के पहले सी.एन.जी. बंदरगाह टर्मिनल को मंजूरी प्रदान की है।
- इसे संयुक्त रूप से यू.के. मुख्यालय आधारित फोरसाइट ग्रुप और मुंबई आधारित पद्मनाभ मफतलाल समूह द्वारा विकसित किया जाएगा।
- इस नई सुविधा को वर्तमान बंदरगाह के उत्तरी किनारे में विकसित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत भविष्य में आर.ओ.आर.ओ. टर्मिनल, द्रव टर्मिनल और कंटेनर टर्मिनल विकसित किए जाएंगे।
- भावनगर बंदरगाह पर प्रस्तावित सी.एन.जी. टर्मिनल में 1.5 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एम.एम.टी.पी.ए.) रखने की कार्गो क्षमता होगी और इसके अतिरिक्त यहां पर आर.ओ.आर.ओ. टर्मिनल, द्रव कार्गो टर्मिनल और कंटेनर टर्मिनल जैसी सुविधाओं को भी विकसित किया जाएगा।

- भावनगर बंदरगाह के 18वीं सदी के प्रारंभ से दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका, अरब और लाल सागर के बंदरगाहों के साथ व्यापारिक संबंध थे।

संबंधित जानकारी

संपीड़ित प्राकृतिक गैस

- यह प्राकृतिक गैस को संपीड़ित करके बनाई जाती है, (जो मुख्य रूप से मीथेन, CH₄ से बनी होती है), मानक वायुमंडलीय दाब पर यह 1% से कम का आयतन घेरती है।
- यह पेट्रोल, डीजल या एल.पी.जी. के लिए एक जीवाश्म ईंधन विकल्प है।
- सी.एन.जी. पर्यावरण के अधिक अनुकूल है- गैसोलीन पाउडर से चलने वाले वाहनों की तुलना में कार्बन मोनोऑक्साइड (CO), कार्बन डाई ऑक्साइड (CO₂) और नाइट्रस ऑक्साइड (N₂O) जैसे हानिकारक उत्सर्जन को 95% तक कम किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- पी.आई.बी.

2. "स्वच्छ-निर्मल तट अभियान"

- पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने "स्वच्छ-निर्मल तट अभियान" के अंतर्गत पहचाने गए 50 समुद्र तटों में बड़े पैमाने पर सफाई-सह-जागरूकता अभियान चलाया है।
- पहचाने गए समुद्र तट 10 तटीय राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों (यू.टी.) अर्थात् गुजरात, दमन और दीव, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुदुचेरी, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में हैं।
- समुद्र तटों की पहचान राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों के साथ परामर्श के बाद की गई है।

नोट्स एजेंसी

- इस मंत्रालय के तत्वावधान में मंत्रालय का पर्यावरण शिक्षा प्रभाग और एकीकृत तटीय प्रबंधन सोसाइटी (SICOM), 50 समुद्र तटों पर अभियान के लिए समग्र समन्वय हेतु जिम्मेदार होंगे।

- सम्मानित राज्य सरकारें और केंद्रीय मंत्रालय भी समुद्र तट पर सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

संबंधित जानकारी

ब्लू फ्लैग कार्यक्रम

- समुद्र तटों और समुद्रों के लिए ब्लू फ्लैग कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय, गैर-सरकारी, गैर-लाभकारी संगठन एफ.ई.ई. (पर्यावरणीय शिक्षा फाउंडेशन) द्वारा संचालित किया जाता है।
- इसे फ्रांस में वर्ष 1985 में शुरू किया गया था और वर्ष 1987 से यूरोप में और वर्ष 2001 के बाद से यूरोप के बाहर के क्षेत्रों में लागू किया गया था, जब दक्षिण अफ्रीका शामिल हुआ था।
- जापान और दक्षिण कोरिया, दक्षिण और दक्षिणपूर्वी एशिया के एकमात्र देश हैं जिनके पास ब्लू फ्लैग समुद्र तट हैं।
- भारत में, पर्यावरण मंत्रालय ने दिसंबर, 2017 में ब्लू फ्लैग परियोजना को शुरू किया था।

ब्लू फ्लैग मानक

- ब्लू फ्लैग मानकों को प्राप्त करने के लिए समुद्र तट को प्लास्टिक मुक्त होना चाहिए और अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली से सुसज्जित होना चाहिए।
- अंतरराष्ट्रीय सुविधाओं से अलग पर्यटकों के लिए साफ पानी उपलब्ध होना चाहिए।
- समुद्र तट में क्षेत्र के आसपास पर्यावरणीय प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सुविधाएं होनी चाहिए।

ब्लू फ्लैग प्रमाणीकरण

- ओडिशा के कोणार्क तट पर चंद्रभगा समुद्र तट, ब्लू फ्लैग प्रमाणन प्राप्त करने वाला एशिया का पहला तट होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- पी.आई.बी.

3. पी.एम.-उदय (दिल्ली में प्रधानमंत्री अनाधिकृत कॉलोनी आवास अधिकार योजना)

- दिल्ली के निवासी कल्याण संघों के अनाधिकृत कालोनियों और पदाधिकारियों के सदस्यों ने

दिल्ली में अनाधिकृत कॉलोनियों के निवासियों को स्वामित्व या बंधक/ हस्तांतरण अधिकार प्रदान करने/ मान्यता देने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के हालिया ऐतिहासिक निर्णय पर प्रधानमंत्री को सम्मानित किया है।

संबंधित जानकारी

दिल्ली में प्रधानमंत्री अनाधिकृत कॉलोनी आवास अधिकार योजना

- प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 23 अक्टूबर, 2019 को अनाधिकृत कॉलोनियों के निवासियों को स्वामित्व/ स्थानांतरण अधिकार प्रदान करने को मंजूरी प्रदान की है।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (जी.पी.ए.), इच्छा, बैचने का सहमति पत्र, भुगतान और अधिकार दस्तावेज आदि के आधार पर संपत्ति के स्वामित्व को मान्यता देने के लिए संसद के आगामी सत्र की शुरुआत में विधेयक को भी मंजूरी प्रदान की है।
- प्रस्तावित विधेयक, वर्तमान कानून के अनुसार प्रचलित सर्कल दर के बजाय सरकार द्वारा निर्धारित सामान्य शुल्क पर पंजीकरण शुल्क और स्टॉप शुल्क लगाने की अनुमति प्रदान करेगा।
- ये राहते अनधिकृत कॉलोनियों के निवासियों के लिए उनकी विशेष परिस्थितियों को देखते हुए आजीवन उपाय हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

4. भारत में पुरुषों में एनीमिया है: अध्ययन

- हाल ही में, द लांसेट ग्लोबल हेल्थ में प्रकाशित एक अध्ययन में ज्ञात हुआ है कि भारत में पुरुषों में एनीमिया है।

अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष

- अध्ययन में पाया गया है कि 15-54 आयु वर्ग में लगभग एक चौथाई भारतीय पुरुषों (1 लाख पुरुषों के नमूने में 23.2%) में एनीमिया का कोई न कोई रूप पाया गया है।

- आयु समूहों में, 20-34 वर्ष के पुरुषों में एनीमिया होने की सबसे कम संभावना थी, जब कि 50-54 आयु वर्ग के पुरुषों में एनीमिया होने की संभावना न्यूनतम अर्थात 7.8% थी।
- कम आयु वाले समूहों के लिए संभावना अधिक थी।
- राज्यों में, पुरुषों में एनीमिया का सबसे अधिक प्रचलन बिहार में था जब कि सबसे कम प्रचलन मणिपुर में था।
- अध्ययन में यह भी पाया गया है कि एनीमिया गरीब और कम शिक्षित व्यक्तियों, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और गरीब जिलों में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए अधिक सामान्य थी।

संबंधित जानकारी

एनीमिया

- विश्व स्वास्थ्य संगठन, एनीमिया को एक ऐसी स्थिति के रूप में परिभाषित करता है, जिसमें शारीरिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या या उनकी ऑक्सीजन-वहन क्षमता अपर्याप्त होती है।
- पुरुषों में एनीमिया थकान, सुस्ती का कारण बन सकता है, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई पैदा कर सकता है, जिससे जीवन की गुणवत्ता कम हो जाती है और आर्थिक उत्पादकता कम हो जाती है।
- धूम्रपान रहित तम्बाकू का सेवन, कम वजन, शहरीकरण और घरेलू धन का स्तर जैसे कारक इस बीमारी के विकास की उच्च संभावना से संबंधित हैं।

एनीमिया की रोकथाम और उपचार के लिए सरकार की पहलें

1. राष्ट्रीय आयरन प्लस पहल

- वर्ष 2013 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने जीवन चक्र में प्रचलित आयरन की कमी एनीमिया की सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति के रूप

में "राष्ट्रीय आयरन प्लस पहल" की शुरुआत की है।

2. एनीमिया मुक्त भारत

- यह योजना वर्ष 2018 में तीव्र राष्ट्रीय आयरन प्लस पहल (एन.आई.पी.आई.) कार्यक्रम के हिस्से के रूप में शुरू की गई है जिससे कि एनीमिया की गिरावट की वार्षिक दर को एक से तीन प्रतिशत तक बढ़ाया जा सके।
- इस योजना के लिए लक्षित समूह 6-59 महीने और 5-9 वर्ष के बच्चे, 10.19 वर्ष की किशोर लड़कियां और लड़के, प्रजनन आयु की महिलाएं (15-49 वर्ष), गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताएं हैं।

3. पोषण अभियान

- सरकार द्वारा 8 मार्च, 2018 को पोषण अभियान या राष्ट्रीय पोषण मिशन शुरू किया गया था।
- इस अभियान का लक्ष्य वृद्धि में रुकावट, अल्पपोषण, एनीमिया (छोटे बच्चों, महिलाओं और किशोर लड़कियों के बीच) को कम करना और जन्म के समय कम वजन को क्रमशः 2%, 2%, 3% और 2% प्रति वर्ष की दर से कम करने का लक्ष्य है।
- इस मिशन का लक्ष्य वर्ष 2022 तक 0-6 वर्ष के बच्चों में वृद्धि में रुकावट को 38.4% से 25% तक कम करना है।
- पोषण अभियान का उद्देश्य प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सेवा वितरण और हस्तक्षेप सुनिश्चित करना, अभिसरण के माध्यम से व्यवहार परिवर्तन और विभिन्न निगरानी मापदंडों के दौरान प्राप्त किए जाने वाले विशिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

5. न्यूजीलैंड का शून्य कार्बन कानून

- हाल ही में, न्यूजीलैंड की संसद ने शून्य-कार्बन अधिनियम पारित किया है, जो न्यूजीलैंड को वर्ष

2050 या उससे पहले शून्य कार्बन उत्सर्जन के लिए प्रतिबद्ध करेगा।

- यह अधिनियम अलग कानून नहीं है बल्कि मौजूदा जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया अधिनियम, 2002 में संशोधन है।
- यह एक ढांचा प्रदान करता है जिसके द्वारा न्यूजीलैंड जलवायु परिवर्तन की नीतियों को पेरिस समझौते के अनुरूप विकसित करने और लागू करने में सक्षम होगा जिससे कि तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित किया जा सके।
- अधिनियम के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल हैं:
 - a. वर्ष 2050 तक सभी ग्रीनहाउस गैसों (मीथेन को छोड़कर) को परिणामी-शून्य तक कम करें।
 - b. वर्ष 20150 तक बायोजेनिक मेथेन (जैविक स्रोतों से उत्पादित) के उत्सर्जन को 2017 के स्तर से 24-47 प्रतिशत तक कम करना और वर्ष 2030 तक इसे 2017 के स्तर से 10 प्रतिशत तक कम करना है।
 - c. एक स्वतंत्र जलवायु परिवर्तन आयोग की स्थापना करना और एक उत्सर्जन बजट की एक प्रणाली स्थापित करना।
- यह अधिनियम बायोजेनिक मेथेन के लिए विभिन्न लक्ष्यों को प्रस्तावित करता है क्योंकि मीथेन एक अल्पकालिक गैस है और दशकों में वातावरण में कम हो रही है, अतः यह कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में अधिक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है।

बायोजेनिक मीथेन

- बायोजेनिक मीथेन का उत्पादन, जैविक (पौधे और पशु) स्रोतों से किया जाता है।
- यह कार्बन हाल ही में वायुमंडल में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂) से निकला है।
- जब मेथेन उत्सर्जित होती है तो यह अतिरिक्त गर्मी का कारण बनती है (क्योंकि मीथेन CO₂ की तुलना में अधिक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है)।

- यह लंबे समय से इसमें CO2 की सांद्रता को बढ़ाए बिना समय के साथ इसका पुनः CO2 में क्षय हो जाता है।
- बायोजेनिक मेथेन पशुधन, अपशिष्ट उपचार और आर्द्रभूमि द्वारा उत्सर्जित होती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –सरकारी

स्रोत- लाइवमिंट

6. मकड़ी की नई प्रजाति का नाम सचिन तेंदुलकर के नाम पर रखा गया है।
 - गुजरात पारिस्थितिकी शिक्षा एवं अनुसंधान (जी.ई.ई.आर.) फाउंडेशन के एक जूनियर शोधकर्ता ध्रुव प्रजापति ने क्रिकेट के भगवान को सम्मान देने के लिए एक अनूठा तरीका खोजा है।
 - उसने अपने पी.एच.डी. शोध के दौरान खोजी गई मकड़ी की प्रजाति का नाम तेंदुलकर के नाम पर रखा है।
 - उसने इस प्रजाति का नाम 'मारेंगो सचिनतेंदुलकर' रखा है।
 - शोधकर्ता को एक और मकड़ी की प्रजाति की भी खोज की है, जिसका नाम उसने संत कुरीकोस एलियास चावारा के नाम पर 'इंडोमारेंगो चावरापाटर' रखा है, जिन्होंने केरल में शिक्षा के बारे में जागरूकता पैदा की थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डेक्कन हेराल्ड

7. केंद्र ने चार चिकित्सा उपकरण पार्क के लिए अनुमति प्रदान की है।
 - सरकार ने मेक इन इंडिया पहल का समर्थन करने और सस्ती कीमतों पर विश्व स्तरीय उपचार प्रदान करने के उद्देश्य से चार चिकित्सा उपकरण पार्क स्थापित करने को मंजूरी प्रदान की है।
 - ये पार्क आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल में स्थापित किए जाएंगे।
 - ये पार्क आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करेंगे, जहां कंपनियां आसानी से काम कर सकती हैं।

- यह न केवल आयात बिल में कटौती करेगा बल्कि मानक परीक्षण सुविधाओं तक आसान पहुंच में मदद करेगा और उत्पादन की लागत को कम करेगा।

संबंधित जानकारी

- भारत, व्यापक रूप से चिकित्सा उपकरणों का एक आयातक है, जो घरेलू उद्योग में वैश्विक उद्योग का लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा है, जो अनुमान के अनुसार 250 बिलियन अमरीकी डालर है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 –सरकारी नीतियां

स्रोत- द हिंदू

8. नासा ने अपने पहले इलेक्ट्रिक हवाई जहाज का खुलासा किया है।
 - अंतरिक्ष में अपने कई फ्लोरिडा-लॉन्च किए गए कारनामों हेतु सबसे प्रमुख नासा ने अपने पहले ऑल-इलेक्ट्रिक प्रायोगिक विमान एक्स-57 "मैक्सवेल" के शुरुआती संस्करण का प्रदर्शन किया है।
 - इसे इतालवी निर्मित टेकनाम पी.2006टी. ट्विन-इंजन प्रणोदक विमान से अनुकूलित किया गया है, एक्स-57 को वर्ष 2015 से विकसित किया जा रहा है।
 - मैक्सवेल प्रायोगिक विमान की एक गर्वित पंक्ति में नवीनतम है, नासा ने इसे कई दशकों से कई उद्देश्यों के लिए विकसित किया है, जिसमें बुलेट के आकार का बेल एक्स-1 शामिल है जो पहले ध्वनि अवरोधक को तोड़ता है और नील आर्मस्ट्रांग द्वारा उड़ाए गए एक्स-15 रॉकेट विमान है, ऐसा उनके अपोलो चंद्रमा टीम में शामिल होने से पहले किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

9. जी20 ब्राउन टू ग्रीन रिपोर्ट 2019
 - ब्राउन टू ग्रीन रिपोर्ट 2019, जी20 जलवायु कार्यवाही की दुनिया की सबसे व्यापक समीक्षा है।

- यह जी20 देश शमन कार्रवाई, वित्त और अनुकूलन पर संक्षिप्त और तुलनीय जानकारी प्रदान करता है।
- इसे जी20 देशों के बहुमत से 14 अनुसंधान संगठनों और गैर सरकारी संगठनों के विशेषज्ञों द्वारा विकसित किया गया है, रिपोर्ट में 80 संकेतक शामिल हैं।
- यह नीति निर्माताओं को सूचित करता है और राष्ट्रीय बहसों को उत्तेजित करता है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- जी20 में जलवायु परिवर्तन पर ऑस्ट्रेलिया की प्रतिक्रिया सबसे खराब रही है, नीति की कमी, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता और बढ़ते उत्सर्जन ने देश को आर्थिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय रूप से उजागर कर दिया है।
- जी20 देश, 80% वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन हेतु जिम्मेदार हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत एकमात्र ऐसा देश है जो 1.5- डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि के करीब है।
- यह पेरिस समझौते में वैश्विक परिदृश्य द्वारा निर्धारित परिदृश्य है जो विनाशकारी परिणाम देगा।
- भारत ने महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान स्थापित किए हैं और वह दीर्घकालिक लक्ष्यों में अधिक निवेश कर रहा है। रूस, फ्रांस, इटली, जर्मनी और भारत सबसे अधिक रैंक वाले देश थे जिन्होंने चरम मौसम की घटनाओं से आर्थिक नुकसान का सामना किया था।
- रिपोर्ट के अनुसार, रूस, इंडोनेशिया, चीन, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ और तुर्की जैसे अन्य देश महत्वाकांक्षी एन.डी.सी. लक्ष्यों में पिछड़ रहे हैं, पेरिस समझौते की आवश्यकता के अनुरूप ऑस्ट्रेलिया जलवायु प्रतिक्रिया के मामले में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला देश था।

जी20 समूह

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है जिसमें दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और यूरोपीय संघ के 19 देश शामिल हैं।
- जी20 में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं।
- जी20 आर्थिक, वित्तीय और राजनीतिक सहयोग हेतु एक मंच है।
- यह प्रमुख वैश्विक चुनौतियों को संबोधित करता है और इन्हें हल करने वाली सार्वजनिक नीतियों को उत्पन्न करने का इरादा रखता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- द गार्डियन

13.11.2019

1. महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लगाया गया है।
 - हाल ही में, भारत के राष्ट्रपति ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की एक सिफारिश के बाद महाराष्ट्र में अनुच्छेद 356 (1) के अंतर्गत राष्ट्रपति शासन लगाने की घोषणा को मंजूरी प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रपति शासन

- संवैधानिक मशीनरी की विफलता के बाद राज्य पर संविधान के अनुच्छेद 356 को लागू करना भारत में राष्ट्रपति शासन कहलाता है।
- राज्य में एक बार राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद चुनी हुई राज्य सरकार अस्थायी रूप से भंग कर दी जाएगी।
- केंद्र में सरकार द्वारा नियुक्त राज्यपाल, मुख्यमंत्री को राज्य के मुख्य कार्यकारी के रूप में प्रतिस्थापित करेगा।
- राज्य, केंद्र सरकार के प्रत्यक्ष नियंत्रण में आ जाएगा और राज्यपाल, भारत के राष्ट्रपति का

प्रतिनिधित्व करते हुए कार्यवाही जारी रखेंगे, जो राज्य का प्रमुख होता है।

- राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिए संसद के दोनों सदनों की मंजूरी की आवश्यकता होती है।
- यदि यह अनुमोदित हो जाता है तो यह छह महीने की अवधि के लिए लगाया जा सकता है।
- हालांकि, राष्ट्रपति शासन को तीन वर्ष से अधिक समय तक नहीं बढ़ाया जा सकता है और अनुमोदन के लिए प्रत्येक छह महीने में दोनों सदनों के समक्ष लाया जाना चाहिए।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. मिहिर शाह समिति: राष्ट्रीय जल नीति हेतु

- केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय ने नई राष्ट्रीय जल नीति (एन.डब्ल्यू.पी.) का मसौदा तैयार करने के लिए मिहिर शाह की अध्यक्षता में एक समिति को अंतिम रूप दिया है।
- समिति में 10 प्रमुख सदस्य हैं, जिन्हें छह महीने के भीतर एक रिपोर्ट तैयार करनी है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय जल नीति (एन.डब्ल्यू.पी.), 2012

- वर्तमान में लागू राष्ट्रीय जल नीति, वर्ष 2012 में तैयार की गई थी और 1987 के बाद यह तीसरी ऐसी नीति है।

संशोधित मसौदा राष्ट्रीय जल नीति की मुख्य विशेषताएं (2012)

- इसमें एक राष्ट्रीय जल ढांचा कानून, अंतर-राज्यीय नदियों और नदी घाटियों के इष्टतम विकास के लिए व्यापक कानून, सिंचाई अधिनियमों, भारतीय सरलीकरण अधिनियम, 1882 आदि के संशोधन पर जोर दिया गया है।
- इसने एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन दृष्टिकोण की अवधारणा पेश की है, जिसने जल संसाधनों की योजना, विकास और प्रबंधन के लिए एक इकाई के रूप में “नदी घाटी/ उप-घाटी” को लेता है।

- इसने जल विनियामक प्राधिकरण की स्थापना की सिफारिश की है।
- यह भी प्रस्तावित किया है कि नदी के एक हिस्से को पारिस्थितिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अलग रखा जाना चाहिए।
- इस नीति में अपने सभी नागरिकों के लिए आवश्यक स्वास्थ्य और स्वच्छता हेतु पीने योग्य पानी की एक न्यूनतम मात्रा और उनके घरों तक आसान पहुंच के भीतर उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. एच.ए.डी.आर. युद्धाभ्यास, टाइगर ट्राइफ विशाखापत्तनम में शुरू किया जाएगा।

- भारत-अमेरिका संयुक्त त्रि-सेवा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एच.ए.डी.आर.) अभ्यास, जिसका नाम टाइगर ट्राइम्फ है, इसका आयोजन पूर्वी समुद्री तट पर किया जाना निर्धारित किया गया है।

संबंधित जानकारी

टाइगर ट्राइम्फ के संदर्भ में जानकारी

- यह पहला भारत-अमेरिका संयुक्त त्रि-सेवा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एच.ए.डी.आर.) अभ्यास है।
- एकीकृत रक्षा कर्मचारियों के मुख्यालय के तत्वावधान में त्रि-सेवा अभ्यास का आयोजन किया जा रहा है।
- इस अभ्यास का उद्देश्य एच.ए.डी.आर. संचालन हेतु अंतरकार्यकारिता विकसित करना है।
- एच.ए.डी.आर. ऑपरेशन आपदा प्रभावित आबादी को तत्काल सहायता और राहत प्रदान करना चाहता है।

एकीकृत रक्षा कर्मचारियों के संदर्भ में जानकारी

- यह एक संगठन है, जो भारतीय सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं में समन्वय और प्राथमिकता को बढ़ावा देने और सक्षम करने हेतु जिम्मेदार है।

- यह वर्ष 2001 में कारगिल समीक्षा समिति की सिफारिशों के बाद स्थापित किया गया था और यह नई दिल्ली में स्थित है।
- यह भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना, विदेश मंत्रालय, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के प्रतिनिधियों से मिलकर बना है।
- आई.डी.एस. का नेतृत्व प्रमुख एकीकृत रक्षा कर्मचारियों के साथ-साथ एकीकृत रक्षा कर्मचारियों के उप प्रमुखों द्वारा किया जाता है।
- यह निकाय चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष को सलाह देता है और उनकी सहायता करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

4. सुरंगाबावड़ी को विश्व स्मारक निगरानी सूची में शामिल किया गया है।
- हाल ही में, दुनिया भर से वर्ष 2020 के लिए 24 अन्य स्मारकों सहित सुरंगाबावड़ी को विश्व स्मारक निगरानी सूची में शामिल किया गया है।
- इस स्मारक को विश्व स्मारक निधि [एन.जी.ओ.] द्वारा दक्कन पठार की प्राचीन जल प्रणाली के अंतर्गत चुना गया है, जो पूरे विश्व में प्राचीन स्मारकों की बहाली की निगरानी करता है।

संबंधित जानकारी

सुरंगाबावड़ी के संदर्भ में जानकारी

- यह विजयपुरा में आदिल शाही युग के दौरान निर्मित भूमिगत सुरंगों के माध्यम से पानी की आपूर्ति करने की प्राचीन करेज़ प्रणाली का एक अभिन्न अंग है, जिसे अब बहाली के लिए धन प्राप्त करने हेतु निर्धारित किया गया है।
- इतिहासकारों के अनुसार, आदिल शाह ने शहर में पानी की आपूर्ति करने के लिए शानदार भूमिगत प्रणाली का निर्माण कराया था, जिसकी उस समय की आबादी लगभग 12 लाख थी।

करेज़ प्रणाली के संदर्भ में जानकारी

- यह एक जल दोहन तकनीक है जिसकी उत्पत्ति ईरान/ फारस में हुई थी।

- करेज़ तकनीक मूल रूप से भूजल स्रोतों (या प्राकृतिक झरनों) में टैप करती है और इसे भूमिगत सुरंग के माध्यम से निपटान हेतु स्थानांतरित करती है, जो विभिन्न उपयोगों के लिए गाँव में सतह नहर और/ या पूल में गिरती है।
- करेज़, दुनिया भर के 38 देशों में पाया जाता है और इनमें से अधिकांश मध्य पूर्व क्षेत्र में केंद्रित हैं।

विश्व स्मारक निगरानी के संदर्भ में जानकारी

- यह विश्व स्मारक निधि (1965 में स्थापित एक निजी, अंतर्राष्ट्रीय, गैर-लाभकारी संगठन) द्वारा 1995 में शुरू किया गया एक वैश्विक कार्यक्रम है।
- इसका उद्देश्य संकटग्रस्त सांस्कृतिक विरासत स्थलों की पहचान करना और उनके संरक्षण हेतु प्रत्यक्ष वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करना है।
- यह संकटग्रस्त सांस्कृतिक विरासत स्थलों पर द्विवार्षिक चयन कार्यक्रम है जो समकालीन सामाजिक प्रभाव के साथ महान ऐतिहासिक महत्व को जोड़ता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

5. बोलीविया

- बोलीविया के राष्ट्रपति, इवो मोरेल्स ने पिछले महीने अपने विवादित पुनर्निर्वाचन के बाद उथल-पुथल के बीच इस्तीफा दे दिया है।

संबंधित जानकारी

बोलीविया के संदर्भ में जानकारी

- इसका भूगोल पश्चिम में एंडीज की चोटियों से लेकर पूर्वी तराई क्षेत्रों तक भिन्न है, जो अमेज़न घाटी के भीतर स्थित है और देश का एक तिहाई हिस्सा एंडियन पर्वत श्रृंखला के भीतर स्थित है।
- यह उत्तर और पूर्व में ब्राजील से, दक्षिण-पूर्व में पराग्वे से, दक्षिण में अर्जेंटीना से, दक्षिण-पश्चिम

में चिली से और उत्तर-पश्चिम में पेरू से घिरा हुआ है।

- यह दक्षिणी गोलार्द्ध में सबसे बड़ा स्थलसीमा देश है और कजाखस्तान, मंगोलिया, चाड, नाइजर, माली और इथियोपिया के बाद दक्षिणी गोलार्द्ध में दुनिया का सातवां सबसे बड़ा स्थलसीमा देश है।
- इसकी राजधानी सूकर है, जब कि सरकार और वित्तीय केंद्र की सीट ला प्लाज में स्थित है।

नोट:

- पराग्वे के साथ यह अमेरिका में केवल दो स्थलसीमा वाले देशों में से एक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- ए.आई.आर.

6. खाद्य और कृषि के लिए अंतर्राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन संधि

- कृषि मंत्री, रोम में स्थित खाद्य एवं कृषि संगठन में बीज संधि के शासी निकाय के आठवें सत्र में शामिल हुए हैं।
- संधि के शासी सत्र द्विवार्षिक हैं।

संबंधित जानकारी

खाद्य और कृषि हेतु अंतर्राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन संधि के संदर्भ में जानकारी

- यह लोकप्रिय रूप से अंतर्राष्ट्रीय बीज संधि के रूप में जाना जाता है जो जैविक विविधता पर सम्मेलन के साथ एक व्यापक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
- इसका उद्देश्य खाद्य और कृषि (PGRFA) हेतु दुनिया के पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण, विनिमय और सतत उपयोग के माध्यम से खाद्य सुरक्षा की गारंटी देने के साथ ही इसके उपयोग से उत्पन्न होने वाले उचित और समान लाभ साझा करना है।
- यह किसानों के अधिकारों को भी मान्यता देता है, जो राष्ट्रीय कानूनों के अधीन:

1. खाद्य और कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधन लगाने के लिए प्रासंगिक पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण
 2. खाद्य और कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधनों के उपयोग से उत्पन्न होने वाले लाभों को साझा करने में समान रूप से भाग लेने का अधिकार
 3. भोजन और कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण और सतत उपयोग से संबंधित मामलों पर राष्ट्रीय स्तर पर निर्णय लेने में भाग लेने का अधिकार
- कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत में इस संधि की नोडल एजेंसी है जो संधि के उद्देश्य को पूरा करती है।

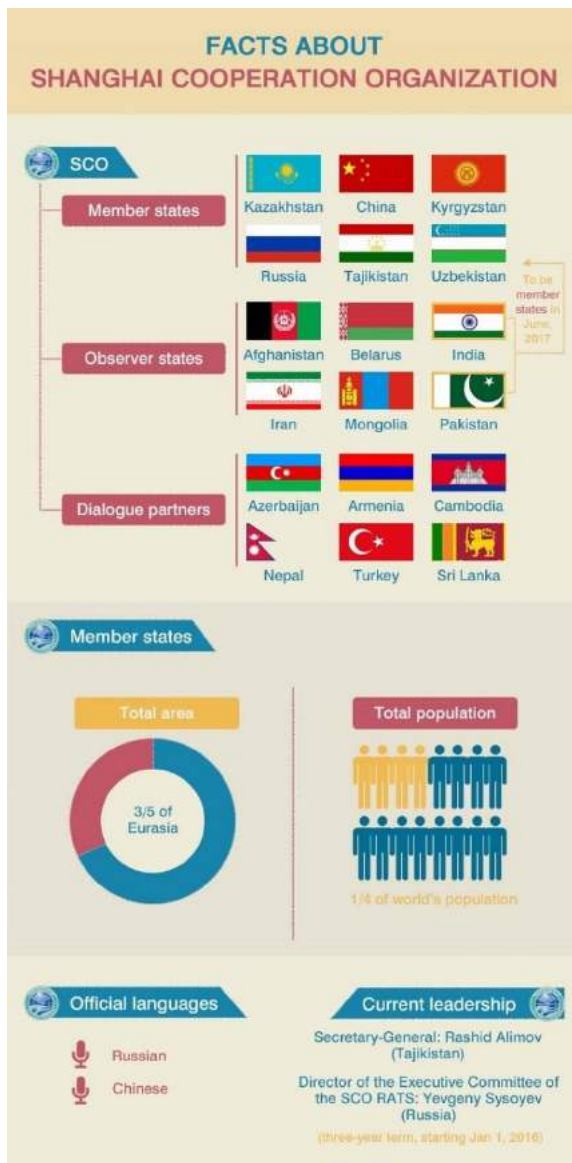
टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –कृषि

स्रोत-लाइवमिंट

7. **भारत, वर्ष 2020 में शंघाई शिखर सम्मेलन के सरकार प्रमुख परिषद बैठक की मेजबानी करेगा।**
- भारत, वर्ष 2020 में शंघाई सहयोग संगठन के सरकार के प्रमुखों की 19वीं परिषद की मेजबानी करेगा।
 - यह 2017 में समूह में प्रवेश के बाद नई दिल्ली द्वारा आयोजित होने वाली आठ सदस्यीय समूह की इस प्रकार की पहली उच्च स्तरीय बैठक होगी।

संबंधित जानकारी

शंघाई सहयोग संगठन के संदर्भ में जानकारी



- यह वर्ष 2001 में चीन के शंघाई में गठित एक स्थायी अंतरसरकारी संगठन है।
- इसके संस्थापक सदस्यों में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, तजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल थे।
- राज्य परिषद का प्रमुख, एस.सी.ओ. में सर्वोच्च निर्णय निर्माण निकाय हैं।
- यह वर्ष में एक बार आयोजित होती है और संगठन के सभी महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णय और दिशानिर्देश का अनुकूलन करती है।
- इसकी आधिकारिक भाषाएँ रूसी और चीनी हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. अंतर्राष्ट्रीय लवी मेला

- हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल ने शिमला जिले के रामपुर में चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय लवी मेले का उद्घाटन किया है।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय लवी मेले के संदर्भ में जानकारी

- प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय लवी व्यापारिक मेला, हिमाचल प्रदेश के गौरवशाली, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक इतिहास और विरासत के अद्वितीय उदाहरणों में से एक है।
- यह ग्रेटर हिमालय का सबसे बड़ा व्यापारिक मेला है, जो रामपुर बुशहर में आयोजित किया जाता है।
- रामपुर बुशहर, जो जनजातीय जिला किन्नौर के प्रवेश द्वार के रूप में लोकप्रिय है, जो सतलुज नदी के बाएं किनारे पर स्थित है और हिंदुस्तान तिब्बत रोड पर सबसे पुराना कस्बा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

9. केंद्रीय एवं राज्य सांख्यिकीय संगठनों का 27वां सम्मेलन

- सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा पश्चिम बंगाल के कोलकाता में केंद्रीय एवं राज्य सांख्यिकीय संगठनों (COCSSO) का 27वां सम्मेलन है।
- सम्मेलन की थीम: सतत विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.) है।

संबंधित जानकारी

केंद्रीय एवं राज्य सांख्यिकीय संगठनों के सम्मेलन के संदर्भ में जानकारी

- यह योजनाकारों और नीति निर्माताओं को विश्वसनीय और समय पर आँकड़े उपलब्ध कराने के लिए समन्वित प्रयासों में लगाने के उद्देश्यों के साथ केंद्रीय एवं राज्य सांख्यिकीय संस्थाओं के मध्य समन्वय के लिए एक प्रमुख राष्ट्रीय मंच है।
- सम्मेलन में विस्तृत विचार-विमर्श राज्य सरकारों को उनके राज्य संकेतक ढांचे को एन.आई.एफ.

के अनुरूप विकसित करने में सक्षम बनाएगा और देश की सांख्यिकीय प्रणाली को मजबूत करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- पी.आई.बी.

14.11.2019

1. भारत के मुख्य न्यायाधीश का कार्यालय आर.टी.आई. अधिनियम के अंतर्गत आता है।

- एक ऐतिहासिक फैसले में, सर्वोच्च न्यायालय ने माना है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश (सी.जे.आई.) का कार्यालय, सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम के अंतर्गत एक सार्वजनिक प्राधिकरण है।
- यह कहा गया है कि निजता का अधिकार, एक महत्वपूर्ण पहलू है और इसका मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय से सूचना देने का निर्णय लेते समय पारदर्शिता के साथ संतुलन स्थापित करना होगा।

पृष्ठभूमि

- 10 जनवरी, 2010 को दिल्ली उच्च न्यायालय ने माना था कि भारत के मुख्य न्यायाधीश का कार्यालय, सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) कानून के दायरे में आता है।

संबंधित जानकारी

सूचना के अधिकार के संदर्भ में जानकारी

- सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश बनाम राज नारायण-1974 के एक मामले में, संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के अंतर्गत गारंटीकृत भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार में निहित 'जानने के अधिकार' को एक अधिकार के रूप में माना था।
- इसके परिणामस्वरूप, सूचना के अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम 2005 को नागरिकों को सशक्त बनाने, सरकार के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने, भ्रष्टाचार को रोकने और हमारे लोकतंत्र को

वास्तविक अर्थों में लोगों के लिए काम करने के लिए पारित किया गया था।

सूचना का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019

- संशोधन अधिनियम में सूचना के अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम, 2005 की धारा 13 और 16 में संशोधन किया गया है।
- मूल अधिनियम की धारा 13 में केंद्रीय मुख्य सूचना आयुक्त (सी.आई.सी.) और सूचना आयुक्तों (आई.सी.) का कार्यकाल 5 वर्ष (या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो) निर्धारित किया गया था।
- जब कि धारा 16 में राज्य-स्तरीय सी.आई.सी. और आई.सी. के लिए 5 वर्ष (या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो) का कार्यकाल निर्धारित किया गया था।
- अब संशोधन में प्रस्तावित किया गया है कि दोनों के लिए नियुक्ति "उतने कार्यकाल के लिए होगी जो केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित किया जा सकता है"।
- धारा 13 के अंतर्गत- वेतन आदि: सी.आई.सी. की सेवा के वेतन, भत्ते और अन्य शर्तें मुख्य चुनाव आयुक्त के समान ही होंगी।
- सूचना आयुक्त की सेवा के वेतन, भत्ते और अन्य शर्तें चुनाव आयुक्त के समान ही होंगी।
- समान प्रकार से, धारा 16 के अंतर्गत, मूल अधिनियम निर्धारित करता है कि राज्य के सी.आई.सी. और राज्य आई.सी. के वेतन, भत्ते और अन्य सेवा की शर्तें क्रमशः एक चुनाव आयुक्त और राज्य के मुख्य सचिव के समान होंगी।
- अधिनियम प्रस्तावित करता है कि केंद्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर सी.आई.सी. और आई.सी. की सेवा के वेतन, भत्ते और अन्य शर्तें ऐसी होंगी जो केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जा सकती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. पेरिस शांति मंच का दूसरा संस्करण

- विदेश मंत्री ने पेरिस में आयोजित हुए दूसरे वार्षिक पेरिस शांति मंच में भाग लिया है।

संबंधित जानकारी

पेरिस शांति मंच के संदर्भ में जानकारी

- पेरिस शांति मंच वैश्विक शासन के मुद्दों और बहुपक्षवाद पर एक अंतर्राष्ट्रीय आयोजन है, जो फ्रांस के पेरिस में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।
- फोरम ने जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद से लेकर प्रवास और साइबर सुरक्षा तक वैश्विक चुनौतियों के समाधान खोजने का लक्ष्य रखा है।
- वे छह प्रमुख विषयों में शासन समाधान पर विशेष ध्यान बनाए रखते हैं:
 1. शांति एवं सुरक्षा
 2. विकास
 3. पर्यावरण
 4. नयी प्रौद्योगिकियां
 5. समावेशी अर्थव्यवस्था
 6. संस्कृति एवं शिक्षा

नोट:

- पेरिस शांति मंच का पहला संस्करण नवंबर, 2018 में आयोजित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- लाइवमिंट

3. सर्वोच्च न्यायालय ने अधिकरणों पर संशोधित वित्त अधिनियम, 2017 में नियमों को खारिज कर दिया है।
- हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय ने अधिकरणों पर संशोधित वित्त अधिनियम, 2017 में नियमों को खारिज कर दिया है। उच्चतम न्यायालय ने सरकार को अधिकरण के सदस्यों की नियुक्ति के संबंध में नए मानदंडों को पुनः तैयार करने का निर्देश दिया है।
- शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया है कि अधिकरणों में नियुक्ति संबंधित कानूनों के अनुसार होनी चाहिए।

संबंधित जानकारी

वित्त (संशोधन) अधिनियम, 2007 के संदर्भ में जानकारी आधार अनिवार्य

- प्रत्येक व्यक्ति के लिए स्थायी खाता संख्या (पैन) के लिए आवेदन करते समय या अपना आयकर रिटर्न दाखिल करते समय अपना आधार नंबर उद्धृत करना अनिवार्य किया गया है।
- यदि किसी व्यक्ति के पास आधार नहीं है तो उसे अपनी आधार नामांकन संख्या को उद्धृत करना अनिवार्य होगा, यह दर्शाता है कि आधार प्राप्त करने के लिए एक आवेदन दायर किया गया है।

अधिकरण

- निश्चित अधिकरणों को प्रतिस्थापित करने का प्रस्ताव है और उनके कार्यों को अन्य अधिनियमों के अंतर्गत मौजूदा अधिकरणों द्वारा लिया जाना प्रस्तावित किया गया है।
- अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, चेयरमैन या अन्य सदस्य जो वर्तमान में अधिकरण में विलय के साथ पदों पर काबिज हैं, वे तीन महीने के वेतन और अपने कार्यकाल से पहले पद समाप्ति के लिए भत्ते प्राप्त करने के पात्र होंगे।
- वर्तमान में, अधिकरणों, अपीलीय न्यायाधिकरणों और अन्य प्राधिकरणों के अध्यक्षों और अन्य सदस्यों की सेवा की शर्तें उनके संबंधित अधिनियमों में निर्दिष्ट हैं।
- संशोधन का प्रस्ताव है कि केंद्र सरकार निम्नलिखित प्रदान करने के लिए नियम बना सकती है:
 - योग्यता
 - नियुक्ति
 - कार्यकाल
 - वेतन और भत्ते
 - इस्तीफा
 - हटाने
 - इन सदस्यों के लिए सेवा की अन्य शर्तें

नकद हस्तांतरण

- विधेयक में शुरू में कहा गया था कि एक दिन में एक व्यक्ति को तीन लाख रुपये से अधिक के नकद लेनदेन, एक हस्तांतरण हेतु और एक घटना से संबंधित किसी भी हस्तांतरण के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी।
- संशोधन में इस सीमा को तीन लाख रुपये से घटाकर दो लाख रुपये करने का प्रस्ताव है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

4. विश्व निमोनिया दिवस

- संक्रमण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2009 से 12 नवंबर को विश्व निमोनिया दिवस मनाया जाता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने दुनिया भर में बच्चों में मृत्यु के एकमात्र सबसे बड़े कारण के रूप में निमोनिया की पहचान की है।
- डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार, इसके कारण प्रत्येक वर्ष पांच वर्ष से कम आयु के 1.4 मिलियन बच्चों की मृत्यु हो जाती है। यह दुनिया भर में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की कुल मौतों के 18% हेतु जिम्मेदार है।

निमोनिया के संदर्भ में जानकारी

- यह तीव्र श्वसन संक्रमण का एक रूप है जो फेफड़ों को प्रभावित करता है।
- निमोनिया विषाणु, जीवाणु और कवक सहित कई संक्रामक एजेंटों के कारण होता है। इनमें से सबसे सामान्य हैं-
- स्ट्रेप्टोकोकस निमोनिया- बच्चों में जीवाणु निमोनिया का सबसे सामान्य कारण है
- हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी (हिब)- जीवाणु निमोनिया का दूसरा सबसे सामान्य कारण है
- रेस्पिरेंटरी सिंकायटियल वायरस भी निमोनिया का सबसे सामान्य विषाणुजनित कारण है।
- खाँसी या छींक या रक्त से वायु-जनित बूंदों के माध्यम से निमोनिया कई तरीकों से फैलाता है, विशेषकर जन्म के समय और उसके तुरंत बाद यह अधिक फैलता है।

- डब्ल्यू.एच.ओ. और निमोनिया एवं डायरिया (GAPD) के लिए यूनीसेफ एकीकृत वैश्विक कार्य योजना का उद्देश्य बच्चों में निमोनिया की रक्षा, रोकथाम और उपचार के लिए हस्तक्षेप के संयोजन के साथ निमोनिया नियंत्रण में तेजी लाना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

5. 11वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

- प्रधानमंत्री ने ब्राज़ील की राजधानी ब्रासीलिया में आयोजित होने वाले 11वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया है और शिखर सम्मेलन की थीम "एक अभिनव भविष्य हेतु आर्थिक प्रगति" थी।
- शिखर सम्मेलन में अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा होगी।
- चीन और रूस दोनों ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ शांति वार्ता समाप्त करने के बाद भी तालिबान के साथ बातचीत को बनाए रखा है।
- शिखर सम्मेलन में इनोवेशन ब्रिक्स नेटवर्क भी शुरू किया जाएगा, जिसमें विज्ञान पार्क, इनक्यूबेटर और एक्सीलेरेटर जैसे अनुसंधान संस्थानों की नेटवर्किंग शामिल होगी।
- मंच में ब्रिक्स बॉन्ड फंड के गठन पर भी चर्चा होगी, जो सदस्य देशों को अमेरिकी डॉलर से बचने के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं में इंटर-ब्रिक्स व्यापार का संचालन करने में मदद करेगा।

ब्रिक्स के संदर्भ में जानकारी

- ब्रिक्स, पांच प्रमुख उभरती हुई राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं के एक संघ के लिए तैयार किया गया संक्षिप्त रूप है जिनका आर्थिक विकास एकसमान है।
- ये पांच देश: ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका हैं।

नोट:

- ब्राज़ील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो, गणतंत्र दिवस 2020 के अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- पी.आई.बी.

6. हरियाणा 'भाव अंतर भरपाई योजना' के अंतर्गत और अधिक फसलों को शामिल करेगा।

- हाल ही में, हरियाणा सरकार ने "भाव अंतर भरपाई योजना (बी.बी.वाई.)" के अंतर्गत और अधिक फसलें शामिल करने का फैसला लिया है।
- अब गाजर, मटर, किनोवा, अमरूद, शिमला मिर्च और बैंगन को भी बी.बी.वाई. के अंतर्गत आलू, प्याज, टमाटर और गोभी के साथ शामिल किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

'भाव अंतर भरपाई योजना' के संदर्भ में जानकारी

- इसे वर्ष 2018 में हरियाणा सरकार द्वारा लॉन्च किया गया था।
- किसानों के निवेश की सुरक्षा के लिए इस योजना को डिजाइन और विकसित किया गया है।
- इस योजना के अंतर्गत, राज्य कृषि विभाग कुछ निश्चित फसलों का न्यूनतम बिक्री मूल्य तय करेगा।
- यदि किसान को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य से कम कीमत मिलती है तो मूल्य के अंतर का भुगतान किसानों को सीधे उनके बैंक खातों में प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रदान किया जाएगा।
- इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए, राज्य के किसानों को "मेरी फसल मेरा ब्योरा (एमएफ)" पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होगा।

मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल

- यह पोर्टल हरियाणा सरकार द्वारा लॉन्च किया गया था।
- यह पोर्टल किसानों को उनकी भूमि और फसल के विवरणों की स्व-रिपोर्ट करने और उनकी प्रत्यक्ष रूप से कई सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद करता है।
- पोर्टल के माध्यम से, सरकार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में खेती की जाने वाली फसल के क्षेत्र और नाम का सही डेटा मिलेगा।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 –गवर्नैस

स्रोत- ए.आई.आर.

7. 7वां आई.यू.सी.एन. एशिया क्षेत्रीय संरक्षण मंच

- अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने पाकिस्तान के इस्लामाबाद में सातवें क्षेत्रीय संरक्षण मंच का आयोजन किया था।
- भारत ने इस मंच में विभिन्न देशों के 500 से अधिक प्रतिनिधियों के साथ शामिल हुआ हुआ था, इस मंच में कॉर्पोरेट क्षेत्र और गैर सरकारी संगठनों ने भाग लिया था।

एशिया क्षेत्रीय संरक्षण मंच (आर.सी.एफ.) के संदर्भ में जानकारी

- यह एशिया की सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संरक्षण घटनाओं में से एक है, जो प्रत्येक 4 वर्ष में आयोजित की जाती है, जो एशिया में जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास से संबंधित वर्तमान स्थिति और आगे के तरीकों पर चर्चा करती है।
- आर.सी.एफ. का उद्देश्य आने वाले चार वर्षों में एशिया की जैव विविधता संरक्षण, सतत विकास और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए संयुक्त कार्यक्रम पर इनपुट प्रस्तुत करने के लिए आई.यू.सी.एन. सदस्यों को एक मंच प्रदान करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. ढाका वैश्विक वार्तालाप

- बांग्लादेश के प्रधानमंत्री ने तीन दिवसीय ढाका वैश्विक वार्ता के पहले संस्करण का उद्घाटन किया था।
- तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली स्थित ऑब्जरवर रिसर्च फाउंडेशन और बांग्लादेश इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।

ढाका वैश्विक वार्तालाप के संदर्भ में जानकारी

- यह पर्यावरणीय रूप से स्थायी शांति और समृद्धि प्राप्त करने के रास्ते पर इस क्षेत्र के देशों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा।
- प्रतिभागियों ने इस बात पर भी सहमति व्यक्त की कि समुद्री क्षेत्र में शांति और स्थिरता एशिया के उदय के लिए महत्वपूर्ण होगी।

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के संदर्भ में जानकारी

- यह मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में तीन केंद्रों के साथ भारत में स्थित एक स्वतंत्र प्रबुद्ध मंडल है।
- यह सरकार के साथ-साथ भारत के राजनीतिक और व्यावसायिक नेतृत्व के लिए नीति और निर्णय निर्माण हेतु सूचित और व्यवहार्य इनपुट प्रदान करता है।
- ओ.आर.एफ. को 1990 के सुधारों के मद्देनजर अर्थव्यवस्था के आंतरिक मुद्दों से निपटने के लिए एक दृष्टिकोण के साथ शुरू किया गया था।
- हालांकि, आज इसका शासनादेश सुरक्षा और रणनीति, शासन, पर्यावरण, ऊर्जा और संसाधन, अर्थव्यवस्था और विकास तक फैला हुआ है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

9. सबरीमाला केस: एस.सी. बड़ी पीठ को समीक्षा दलील संदर्भित कर रहा है।
 - उच्चतम न्यायालय ने आज कहा है कि धार्मिक स्थानों में महिलाओं पर प्रतिबंध केवल सबरीमाला तक सीमित नहीं है और यह अन्य धर्मों में भी प्रचलित है।
 - सर्वोच्च न्यायालय ने समीक्षा याचिका को एक बड़ी सात पीठ को संदर्भित किया है।
 - बड़ी बेंच सबरीमाला से संबंधित सभी धार्मिक मुद्दों, मस्जिदों में महिलाओं के प्रवेश और दाउदी बोहरा समुदाय में महिला जननांग विकृति के अभ्यास का फैसला करेगी।
 - शीर्ष अदालत ने सितंबर 2018 में 4:1 के बहुमत के फैसले से केरल के प्रसिद्ध अयप्पा मंदिर में 10 से 50 वर्ष की उम्र की महिलाओं

और लड़कियों को प्रतिबंधित करने पर रोक लगा दी थी। यह भी माना गया था कि यह सदियों पुरानी हिंदू धार्मिक प्रथा अवैध और असंवैधानिक थी।

15.11.2019

1. सबरीमाला आदेश: धार्मिक प्रथाओं में 'सिद्धांत की अनिवार्यता' क्या है?

- "अनिवार्यता" के सिद्धांत का आविष्कार वर्ष 1954 में 'शिरूर मठ' मामले में उच्चतम न्यायालय की सात-न्यायाधीश पीठ ने किया था।
- अदालत ने कहा था कि "धर्म" शब्द, एक धर्म के लिए "अनिवार्य" सभी रीति-रिवाजों और प्रथाओं को शामिल करेगा और एक धर्म की अनिवार्य और गैर-अनिवार्य प्रथाओं को निर्धारित करने की जिम्मेदारी खुद पर ले ली है।
- पिछले वर्ष, सर्वोच्च न्यायालय की खंडपीठ ने 'डॉ. एम इस्माइल फारुकी और उर्स बनाम भारत संघ और उर्स' (24 अक्टूबर, 1949) में पांच जजों की एक बड़ी सांविधानिक पीठ के निर्णय पर पुनर्विचार की याचिका को संदर्भित करने से 2-1 के बहुमत से इंकार कर दिया है, जिसने उस कानून को बरकरार रखा जिसके अंतर्गत केंद्र ने अयोध्या में विवादित भूमि का अधिग्रहण किया है, जिस पर बाबरी मस्जिद खड़ी थी।
- संविधान पीठ ने 1994 में फैसला सुनाया था कि "एक मस्जिद, इस्लाम के धर्म के अभ्यास का अनिवार्य हिस्सा नहीं है और मुसलमानों द्वारा नमाज़ (प्रार्थना) कहीं भी यहां तक कि खुले में भी पढ़ी जा सकती है।"
- कुछ मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने अनुयायियों के अनुभवजन्य व्यवहार पर आवश्यकता का निर्धारण करने के लिए धार्मिक ग्रंथों पर भरोसा किया है और अन्य में इस बात पर आधारित है कि धर्म की उत्पत्ति के समय क्या प्रथा थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय

- अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के न्यायाधीशों ने हाल ही में अभियोजन पक्ष से म्यांमार के रोहिंग्या मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ किए गए अपराधों की जांच करने के एक अनुरोध को मंजूरी प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के संदर्भ में जानकारी

- अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय, एक अंतरसरकारी संगठन और अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण है, जिसका मुख्यालय नीदरलैंड के हेग में स्थित है।
- यह विश्व का पहला स्थायी अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय है।
- यह नरसंहार, मानवता के खिलाफ अपराध, युद्ध अपराधों और आक्रामकता के अपराध जैसे गंभीर और जघन्य अपराधों में शामिल अपराधियों की जांच और पूछताछ करता है।
- इसे 'रोम कानून' द्वारा बनाया गया था।
- भारत, आई.सी.सी. का सदस्य नहीं है।
- आई.सी.सी. के पास व्यक्तियों पर मुकदमा चलाने का अधिकार क्षेत्र है और यह संयुक्त राष्ट्र (यू.एन.) से स्वतंत्र है।

भारत आई.सी.सी. का सदस्य क्यों नहीं है?

- निम्नलिखित कारणों से भारत ने रोम कानून पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं:
- ❀राष्ट्रीय हित
- ❀राज्य की संप्रभुता
- ❀निष्पक्ष अभियोजकों को खोजने में समस्या
- साक्ष्यों के संग्रह में कठिनाई
- अपराध की परिभाषा

नोट:

- म्यांमार, वैश्विक न्यायालय का सदस्य नहीं है।
- इस पर रोहिंग्या के खिलाफ एक अभियान में व्यापक रूप से दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- लाइवमिंट

3. अल्टिमा थुले, 'सबसे दूर स्थित अंतरिक्ष यान एक चट्टान पर पहुँचा है, जिसका नाम बदलकर 'अर्कोथ' रखा गया है।

- अल्टिमा थुले, जो अब तक किसी अंतरिक्ष यान द्वारा जाने वाला सबसे दूर स्थित ब्रह्मांडीय पिंड है, का नाम बदलकर अर्कोथ या मूल अमेरिकी पोहातन भाषा में "आकाश" रखा गया है, जो पिछले नाम के नाजी सम्मेलनों की प्रतिक्रिया का अनुसरण करता है।
- नया आधिकारिक नाम, जिसे न्यू हॉरिजन टीम द्वारा चुना गया था और अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ द्वारा इसकी पुष्टि की गई थी।

संबंधित जानकारी

अर्कोथ के संदर्भ में जानकारी

- यह बर्फीली चट्टान है, जो प्लूटो से परे एक अरब मील की दूरी पर अंधेरी और ठंडी कुइपर बेल्ट में परिक्रमा करती है।
- यह "ठंडी शास्त्रीय वस्तु" में से एक है, जो लगभग 4.5 बिलियन वर्ष पहले से सौर प्रणाली के गठन के बाद से ही अवितरित बनी हुई है।
- जनवरी, 2019 में नासा के अंतरिक्ष यान न्यू हॉरिजन द्वारा इसका सर्वेक्षण किया गया था, जिसकी छवियों में दर्शाया गया है कि एक हिमानव के आकार में दो गोले एक साथ जुड़े हुए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

4. मधुमेह एटलस का 9वां संस्करण

- हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह संघ ने विश्व मधुमेह दिवस 14 नवंबर को चिह्नित करने के लिए ब्रुसेल्स में मधुमेह एटलस प्रकाशित किया है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- भारत, दुनिया भर का दूसरा सबसे बड़ा देश हैं जहां वयस्कों को मधुमेह है, यहां 20-79 वर्ष के

आयु वर्ग के 77 मिलियन लागो को मधुमेह है, भारत, चीन का अनुसरण कर रहा है।

- चीन, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में मधुमेह से पीड़ित वयस्कों की सबसे बड़ी संख्या थी और 2030 तक ऐसा रहने की उम्मीद है।
- यह अनुमान लगाया गया है कि पाकिस्तान में मधुमेह से पीड़ित वयस्कों की संख्या, संयुक्त राज्य अमेरिका में मधुमेह से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या से अधिक हो जाएगी और वह वर्ष 2045 तक तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।
- हाल ही के वर्षों में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) और संयुक्त राष्ट्र (यू.एन.) ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और मजबूत बनाने के लिए कार्रवाई को प्रोत्साहित करने हेतु वैश्विक लक्ष्य निर्धारित किए हैं।
- इन कार्यों में शामिल हैं
- वर्ष 2030 तक मधुमेह सहित गैर-संचारी रोगों (एन.सी.डी.) से समय से पहले होने वाली मृत्यु को कम करना
- राष्ट्रीय मधुमेह योजनाओं की स्थापना
- वर्ष 2030 तक सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यू.एच.सी.) प्राप्त करना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य मुद्दा

स्रोत- पी.आई.बी.

5. एक्वा एल्टा: एड्रियाटिक सागर में उच्च ज्वार

- इटली के शहर के उच्च जल स्तर से घिर जाने के बाद इटली ने वेनिस में आपातकाल की घोषणा कर दी है, इसका ऐतिहासिका ब्लोसिका बाढ़ की चपेट में हैं और घरों की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई है।
- शहर का 80% से अधिक पानी में डूबा हुआ था जब लहरे अपने उच्चतम स्तर पर थीं, जो एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

संबंधित जानकारी

वेनिस शहर

- वेनिस, उत्तरपूर्वी इटली का एक शहर और वेनेटो क्षेत्र की राजधानी है।

- यह 118 छोटे द्वीपों के समूह पर स्थित है जो नहरों द्वारा अलग किए गए हैं और 400 से अधिक पुलों से जुड़े हुए हैं।
- ये द्वीप उथले वेनिस के लैगून में स्थित हैं, जो एक बंद खाड़ी है जो पो और पियावे नदियों के मुहाने (ब्रेटा और साइल के बीच अधिक सटीक) के बीच स्थित है।

इटली में यूनेस्को का स्थल

- इटली में किसी भी अन्य यूरोपीय देश की तुलना में अधिक यूनेस्को स्थल हैं और विश्व स्तर पर केवल चीन इसके बराबर है।
- कोनग्लियानो और वल्दोबियादीन की पहाड़ियाँ इटली में वेनिस के उत्तर-पूर्व में स्थित हैं।
- यह विश्व प्रसिद्ध स्पाकलिंग वाइन प्रोसेक्को का घर है।
- ये पहाड़ियाँ वेनेटो क्षेत्र में आठवीं यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल, इटली में 55वां स्थल और दुनिया का 10वां स्थल है जिसे "सांस्कृतिक परिदृश्य" की श्रेणी में मानव और पर्यावरण के मध्य अपने अद्वितीय संवाद की मान्यता के अंतर्गत पंजीकृत किया जाना है।

एक्वा एल्टा के संदर्भ में जानकारी

- यह नाम एड्रियाटिक सागर में असाधारण उच्च ज्वार को दिया गया है (वेनिस, उत्तरपूर्वी इटली के तट पर स्थित है, जो एड्रियाटिक सागर से घिरा हुआ है)।
- चोटियाँ वेनिस के लैगून में अपनी अधिकतम सीमा तक पहुँच जाती हैं, जहाँ वे वेनिस और चोजिया की आंशिक बाढ़ का कारण बनती हैं।
- यह परिघटना मुख्य रूप से शरद ऋतु और वसंत के बीच होती है, जब खगोलीय ज्वार प्रचलित मौसमी हवाओं द्वारा प्रबलित होते हैं जो सामान्य भाटा को बाधित करते हैं।
- इसमें शामिल मुख्य हवाएं सिरोको हैं, जो एड्रियाटिक सागर के साथ उत्तर की ओर बहती हैं और बोरा, जो वेनिस लैगून के आकार और स्थान के कारण एक विशिष्ट स्थानीय प्रभाव है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- बी.बी.सी.

6. ग्लोबल क्लिंग पुरस्कार

- केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मिशन इनोवेशन (एम.आई.) कार्यक्रम के अंतर्गत ग्लोबल क्लिंग पुरस्कार (जी.सी.पी.) के प्रतियोगियों की घोषणा करेंगे।

मिशन इनोवेशन (एम.आई.) के संदर्भ में जानकारी

- यह वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा नवाचार में तेजी लाने के लिए 24 देशों और यूरोपीय संघ की एक वैश्विक पहल है।
- एम.आई. ने “एफोरडेबल हीटिंग एंड क्लिंग ऑफ बिल्डिंग इनोवेशन चैलेंज” को सात नवाचार चुनौतियों में से एक के रूप में पहचाना है।
- भारत, मिशन इनोवेशन चैलेंज # 7: एफोरडेबल हीटिंग एंड क्लिंग चैलेंज के लिए एम.आई. सदस्य के रूप में अपनी संलग्नता के लिए सहमत हुआ है।

ग्लोबल क्लिंग पुरस्कार के संदर्भ में जानकारी

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.) ने बी.ई.ई. और एम.ओ.ई.एफ.एंडसी.सी. के साथ साझेदारी में रॉकी माउंटेन संस्थान (आर.एम.आई.) ने जी.सी.पी. लांच किया है, जो एक स्वतंत्र गैर-लाभकारी अनुसंधान संस्थान और प्रबुद्ध मंडल है जिसे 1982 में स्थापित किया गया था।
- इसका उद्देश्य आवासीय क्लिंग समाधान के विकास को प्रोत्साहित करना है जिसमें आज के मानक उत्पादों की तुलना में कम से कम पांच गुना (5x) कम जलवायु प्रभाव होता है।
- इसे नवंबर, 2018 में लॉन्च किया गया था।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- पी.आई.बी.

7. 6वां विश्व ग्रामीण एवं कृषि वित्त सम्मेलन

- हाल ही में, नई दिल्ली में 6वें विश्व ग्रामीण एवं कृषि विकास सम्मेलन का आयोजन किया गया है।
- एशिया-प्रशांत ग्रामीण एवं कृषि ऋण संघ (APRACA), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से इसकी मेजबानी की गई है।
- इस सम्मेलन में दुनिया भर के 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया है, जो ग्रामीण और कृषि वित्त की संभावित भूमिका को प्राप्त करने के लिए संवादात्मक चर्चा में संलग्न हैं।

सम्मेलन के उद्देश्य:

- कृषि में वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ावा देना
- यह सुनिश्चित करना कि कृषि स्थिरता, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण और सामाजिक सद्भाव के अनुरूप है।
- खाद्य सुरक्षा से निपटने में मदद करना
- उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए वित्तीय संस्थानों को ग्रामीण लोगों को स्थायी और निरंतर वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार नवीन रूप से विकसित होना चाहिए।

एशिया-प्रशांत ग्रामीण एवं कृषि ऋण संघ के संदर्भ में जानकारी

- यह एक क्षेत्रीय संघ है जो सहयोग को बढ़ावा देता है और ग्रामीण वित्त के क्षेत्र में सूचना और विशेषज्ञता के पारस्परिक आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाता है।
- यह NENARACA (निकट पूर्व-उत्तर अफ्रीका कृषि ऋण संघ) और AFRICA (अफ्रीकी ग्रामीण एवं कृषि ऋण संघ) के साथ उन तीन क्षेत्रीय कृषि ऋण संघों में से एक है जिन्हें एफ.ए.ओ. की मदद से वर्ष 1975 में विश्व कृषि ऋण सम्मेलन के बाद स्थापित किया गया था।
- यह थाईलैंड के बैंकॉक में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत- पी.आई.बी.

स्रोत- न्यूज 18

8. वशिष्ठ नारायण सिंह

- प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने प्रसिद्ध गणितज्ञ डॉ. वशिष्ठ नारायण सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

डॉ. वशिष्ठ नारायण सिंह के संदर्भ में जानकारी

- वशिष्ठ नारायण सिंह भारत के बिहार राज्य के भोजपुर जिले के बसंतपुर के एक भारतीय गणितज्ञ थे।
- वह 40 वर्षों से स्विज़ेडनिया से पीड़ित थे।
- उन्होंने आइंस्टीन के सापेक्षता के सिद्धांत को चुनौती दी थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति (राज्य पी.सी.एस. हेतु महत्वपूर्ण)

स्रोत- पी.आई.बी.

18.11.2019

1. भारत को 3 तटीय राज्यों में जलवायु लचीलापन बढ़ाने के लिए ग्रीन क्लाइमेट फंड से 43 मिलियन अमरीकी डालर मिले हैं।

- हाल ही में, भारत ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के साथ साझेदारी में तीन तटीय राज्यों में जलवायु लचीलापन बढ़ाने के लिए 43 मिलियन अमरीकी डालर की परियोजना को शुरू किया है।

परियोजना के संदर्भ में जानकारी

- इस परियोजना को ग्रीन क्लाइमेट फंड द्वारा वित्त पोषित किया गया है, जो विकासशील देशों की सहायता करने के लिए संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन ढांचे (UNFCCC) के अंतर्गत स्थापित किया गया है।
- यह छह वर्षीय परियोजना है जो आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में लोगों के लिए जलवायु-लचीली आजीविका का निर्माण करेगी।
- यह परियोजना राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना, राज्य कार्य योजनाओं की प्राथमिकताओं

और पेरिस समझौते के अंतर्गत राष्ट्रीय रूप से निर्धारित योगदान के साथ अच्छी तरह से संरेखित है।

- यू.एन.डी.पी. ने कहा है कि यह भारत को जलवायु कार्रवाई पर एक नेता के रूप में स्थापित करता है और पेरिस समझौते में उल्लिखित अपने लक्ष्यों और सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा को प्राप्त करने में भारत के लिए एक आवश्यक कदम के रूप में चिह्नित करता है।

ग्रीन क्लाइमेट फंड के संदर्भ में जानकारी

- ग्रीन क्लाइमेट फंड (जी.सी.एफ.), यू.एन.एफ.सी.सी.सी. के ढांचे के अंतर्गत स्थापित एक फंड है जो जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए अनुकूलन और शमन प्रथाओं में विकासशील देशों की सहायता करता है।
- जी.सी.एफ., दक्षिण कोरिया के इंचियोन जिले के न्यू सोंगदों जिले में स्थित है।
- ग्रीन क्लाइमेट फंड का उद्देश्य "विकासशील देशों की विषयगत वित्तपोषण खिड़की का उपयोग करके परियोजनाओं, कार्यक्रमों, नीतियों और अन्य गतिविधियों का समर्थन करना है"।
- इसका इरादा यह है कि ग्रीन क्लाइमेट फंड, यू.एन.एफ.सी.सी. के अंतर्गत जलवायु वित्त बढ़ाने के प्रयासों का केंद्र बिंदु बनें।

जी.सी.एफ. की पृष्ठभूमि

- कोपेनहेगन में वर्ष 2009 के संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP-15) के दौरान स्थापित कोपेनहेगन समझौते ने "कोपेनहेगन ग्रीन क्लाइमेट फंड" का उल्लेख किया था।
- फंड को औपचारिक रूप से वर्ष 2010 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान यू.एन.एफ.सी.सी.सी. ढांचे केनकन के अंतर्गत एक फंड के रूप में स्थापित किया गया था।
- इसका संचालन उपकरण दक्षिण अफ्रीका के डरबन में वर्ष 2011 के संयुक्त राष्ट्र जलवायु

परिवर्तन सम्मेलन (सी.ओ.पी. 17) में अपनाया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत-पी.आई.बी.

2. सड़क के किनारे के वायु शोधक वायु (WAYU) और हेपा (HEPA), राजधानी में प्रदूषण पर अंकुश लगाने में विफल रहे हैं।

- दिल्ली में प्रदूषण का मुकाबला करने हेतु सड़क के किनारे और बसों के ऊपर लगाए गए वायु शोधक विफल रहे हैं।

संबंधित जानकारी

वायु (WAYU) के संदर्भ में जानकारी

- WAYU का पूरा नाम विंड ऑगमेंटेशन प्युरीफाइंग यूनिट है।
- वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.) की नागपुर आधारित प्रयोगशाला, राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान ने WAYU को विकसित किया था।
- यह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित प्रौद्योगिकी विकास परियोजना का एक हिस्सा है।
- इस उपकरण में यातायात चौराहों और घने यातायात क्षेत्रों में 500 मीटर वर्ग के क्षेत्र में हवा को शुद्ध करने की क्षमता है।
- यह उपकरण दो सिद्धांतों पर कार्य करता है, मुख्य रूप से वायु प्रदूषकों का तनुकरण करने और सक्रिय प्रदूषकों को हटाने का काम करता है।
- इसमें वाष्पशील कार्बनिक यौगिक और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैसों को हटाने के लिए पराबैंगनी लैंप और सक्रिय कार्बन (चारकोल) और कणिका तत्व हटाने हेतु फिल्टर हैं।

हेपा (HEPA) फिल्टर के संदर्भ में जानकारी

- HEPA का पूरा नाम हाई-एफिसिएंसी पार्टिकुलेट एयर फिल्टर है।

- यह फिल्टर करने योग्य वायुजनित दूषित पदार्थों को चूसता है और स्वच्छ, ताज़ी हवा को बाहर निकालता है।
- यह लगभग 97% कणों को ट्रैप कर सकता है, जो 0.3 माइक्रोन आकार के हैं।

परियायंत्र के संदर्भ में जानकारी

- ये 30 बसों का एक बेड़ा था जिनकी छत पर वायु शोधक यूनिट लगे थे।
- जैसे ही वाहन चलता है, उपकरण के सामने छेद से हवा गुजरती है।
- यूनिट के अंदर के फिल्टर प्रदूषकों को ट्रैप करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत-ए.आई.आर.

3. भीम यू.पी.आई. वैश्विक हो गया है।

- हाल ही में, भीम यू.पी.आई.-क्यू.आर. आधारित भुगतानों का एक परीक्षण डेमो सिंगापुर में फिनेटेक फेस्टिवल 2019 में एक मर्चेंट टर्मिनल पर लाइव हस्तांतरण के साथ शुरू हुआ है।
- ऐसा पहली बार हुआ है कि भीम ऐप का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संचालन किया गया है।
- यह परियोजना संयुक्त रूप से भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एन.पी.सी.आई.) और सिंगापुर के इलेक्ट्रॉनिक हस्तांतरण नेटवर्क (एन.ई.टी.एस.) द्वारा विकसित की जा रही है।
- भारतीय रिज़र्व बैंक की स्वीकृति के बाद इसे फरवरी, 2020 तक पूरी तरह से लाइव करने और सिंगापुर में हजारों टर्मिनलों को कवर करने का लक्ष्य रखा गया है।

भीम ऐप के संदर्भ में जानकारी

- यह एन.पी.सी.आई. के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यू.पी.आई.) पर आधारित एक मोबाइल भुगतान एप्लिकेशन है।
- भीम को भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एन.पी.सी.आई.) द्वारा विकसित किया गया है, यह वर्ष 2016 में भारत में सभी खुदरा भुगतान प्रणाली हेतु छत्रीय संगठन है।

- ऐप में मोबाइल नंबर, डिवाइस आई.डी. और यू.पी.आई. पिन के माध्यम से तीन-बिंदु प्रमाणीकरण है।

भीम 2.0

- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने अक्टूबर, 2019 में भारत इंटरफेस फॉर मनी (BHIM) ऐप का एक नया संस्करण अर्थात् भीम 0 लॉन्च किया है।
- भीम का नया संस्करण मौजूदा 13 से अधिक भाषाओं के अतिरिक्त तीन अतिरिक्त भाषाओं-कोंकणी, भोजपुरी और हरियाणवी का भी समर्थन करता है।
- भीम 2.0 के अंतर्गत, सत्यापित व्यापारियों से 20,000 रुपये की मौजूदा सीमा को बढ़ाकर 1,00,000 रुपये कर दिया गया है।
- अन्य विशेषताओं में डोनेशन गेटवे, कई बैंक खातों को जोड़ना, आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आई.पी.ओ.) में आवेदन करने का विकल्प, पैसे गिफ्ट करना आदि शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत-इंडियन एक्सप्रेस

4. भारत में मैनुअल सफाई कार्य भूमिगत हो गया है: डब्ल्यू.एच.ओ.
- हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वच्छता कार्यकर्ताओं की स्वास्थ्य, सुरक्षा और गरिमा-एक प्रारंभिक मूल्यांकन शीर्षक नामक एक रिपोर्ट जारी की है।
- इस रिपोर्ट को संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, वाटरएड, विश्व बैंक और डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा तैयार किया गया है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- इसमें नौ निचले और मध्यम आय वर्ग वाले देशों- भारत, बांग्लादेश, बोलीविया, बुर्किना फासो, हैती, केन्या, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका और युगांडा में स्वच्छता कर्मचारियों की दुर्दशा और अमानवीय कार्य स्थितियों की विशेषता है।

- सभी विकासशील में स्वच्छता कार्यकर्ता प्रायः कमजोर कानूनी संरक्षण और मौजूदा नियमों के प्रवर्तन की कमी के कारण पीड़ित होते हैं।
- यह रिपोर्ट इस बारे में भी बात करती है कि किस प्रकार वे स्वच्छता कार्यकर्ता चोट, संक्रमण, बीमारी, मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों और मृत्यु का जोखिम उठाते हैं, जो पर्याप्त स्वास्थ्य और सुरक्षा से संरक्षित नहीं हैं।

मैनुअल सफाई कार्य को समाप्त करने के सरकारी प्रयास

a. मैनुअल सफाईकर्मियों का रोजगार एवं ड्राई लैट्रिन (निषेध) अधिनियम

- वर्ष 1993 में, भारत सरकार ने मैनुअल रूप से शुष्क शौचालयों की सफाई के लिए और साथ ही शुष्क शौचालयों के निर्माण (जो फलश से संचालित नहीं होता है) के लिए मैनुअल मैला ढोने वालों के रोजगार पर रोक लगाने के लिए यह अधिनियम अधिनियमित किया था।
- इसमें एक साल तक की कैद और जुर्माने का प्रावधान है।

b. मैनुअल सफाईकर्मियों के रूप में रोजगार का निषेध एवं उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013

- यह मैनुअल सफाईकर्मियों के पुनर्वास की तात्कालिकता को स्वीकार करते हुए इसके दायरे और महत्व व्यापक है।
- यह अधिनियम सभी रूपों में मैनुअल सफाई को प्रतिबंधित करके इस प्रतिबंध को मजबूत करना चाहता है और एक अनिवार्य सर्वेक्षण के माध्यम से मैनुअल मैला ढोने वालों के पुनर्वास को सुनिश्चित करता है।
- यह अस्वास्थ्यकर शौचालयों के निर्माण या रखरखाव पर प्रतिबंध लगाता है।
- इस अधिनियम के अंतर्गत अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती हैं।

c. मैनुअल सफाईकर्मियों के पुनर्वास हेतु स्व-रोजगार योजना

- इस योजना का उद्देश्य समयबद्ध तरीके से मैनुअल सफाईकर्मियों और उनके आश्रितों को वैकल्पिक व्यवसायों में पुनर्वासित करना है।

नोट:

- मार्च, 2014 में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश ने सरकार के लिए इसे अनिवार्य कर दिया था, न्यायालय ने ऐसा 1993 से सीवरेज कार्य में मरने वाले सभी लोगों की पहचान करने और प्रत्येक को और उनके परिवारों को मुआवजे के रूप में 10-10 लाख रुपये प्रदान करनेके लिए किया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस (महत्वपूर्ण रिपोर्ट)

स्रोत-डाउन टू अर्थ

5. इंडिया स्किल्स 2020

- कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने इंडिया स्किल्स 2020 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू करने की घोषणा की है।

इंडिया स्किल्स 2020 के संदर्भ में जानकारी

- यह देश से प्रतिभाओं को स्काउट करने के लिए एक द्विवार्षिक प्रतियोगिता है, जो उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करती है।
- इंडिया स्किल्स के विजेताओं को वर्ष 2021 में चीन में आयोजित होने वाली वर्ल्ड स्किल्स अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा।

नोट:

- पिछली इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता वर्ष 2018 में आयोजित की गई थी, जिसमें 22 राज्यों और 100 से अधिक कॉर्पोरेटों ने भाग लिया था, जिसने 355 प्रतियोगियों को विभिन्न कौशल प्रतियोगिताओं में अपने कौशल को प्रदर्शित करने का मौका दिया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-ए.आई.आर.

6. सिस्सेरी नदी पुल

- रक्षा मंत्री ने अरुणाचल प्रदेश में लोअर दिबांग घाटी में सिस्सेरी नदी पुल का उद्घाटन किया है।

सिस्सेरी नदी पुल के संदर्भ में जानकारी

- यह जोनाई-पासीघाट-राणाघाट-रोइंग सड़कों के बीच 200 मीटर लंबा पुल है जो अरुणाचल प्रदेश के दिबांग घाटी और सियांग के बीच कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।
- इसका निर्माण सीमा सड़क संगठन के प्रोजेक्ट ब्रह्मक के अंतर्गत किया गया था।
- सरकार ने इस पुल का निर्माण सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अंतर्गत किया है।
- यह सरकार अधिनियम पूर्व नीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो पूर्वोत्तर, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश में तेजी से बुनियादी ढांचे के विकास के नए द्वार खोलेगा।

सीमा सड़क संगठन के संदर्भ में जानकारी

- इसका गठन 1960 में भारत की सीमाओं को सुरक्षित करने और देश के उत्तर और उत्तर-पूर्व राज्यों के दूरदराज के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए किया गया था।
- यह 2015 से रक्षा मंत्रालय के नियंत्रण में कार्य करता है।
- यह मुख्य रूप से सेना की सामरिक आवश्यकताओं को पूरा करने और इन सड़कों के रखरखाव में मदद करने के लिए मुख्य रूप से उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं के किनारे सड़क निर्माण और रखरखाव कार्यों का निष्पादन करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- हिंदूस्तान टाइम्स

7. पुष्करम त्योहार

- असम सरकार ब्रह्मपुत्र नदी पर पुष्करम त्योहार मना रही है।

पुष्करम महोत्सव के संदर्भ में जानकारी

- यह एक भारतीय त्योहार है, जो नदियों की पूजा के प्रति समर्पित है।

- इस त्योहार को पुष्करालु (तेलुगु में), पुष्कर (कन्नड़ में) या पुष्कर के नाम से भी जाना जाता है।
- यह 12 प्रमुख पवित्र नदियों के किनारे पर मनाया जाता है जो गंगा, यमुना, ताप्ती, गोदावरी, चिनाब, कृष्णा, नर्मदा, चंबल, कावेरी, ब्यास, सरस्वती और ब्रह्मपुत्र हैं।
- यह त्योहार प्रत्येक नदी के किनारे 12 वर्षों में एक बार होता है।
- इस वर्ष यह ब्रह्मपुत्र नदी में मनाया जा रहा है इसलिए इसे ब्रह्मपुत्र पुष्करम महोत्सव भी कहा जाता है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी.

8. जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय मिशन 'निष्ठा' शुरू किया गया है।
 - राष्ट्रीय स्कूल प्रमुख एवं शिक्षक समग्र उन्नति पहल (NISHTHA) को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में शुरू किया गया था।

राष्ट्रीय स्कूल प्रमुख एवं शिक्षक समग्र उन्नति पहल के संदर्भ में जानकारी

- यह दुनिया में इस प्रकार का सबसे बड़ा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम है।
- यह एक राष्ट्रीय मिशन है, जिसका उद्देश्य एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से प्राथमिक स्तर पर सीखने के परिणामों में सुधार करना है।
- इस विशाल प्रशिक्षण कार्यक्रम 'निष्ठा' का मूल उद्देश्य छात्रों में महत्वपूर्ण सोच को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों को प्रेरित और सुसज्जित करना है।
- यह इस प्रकार की पहली पहल है जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मानकीकृत प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए हैं।

शिक्षण प्रबंधन प्रणाली के संदर्भ में जानकारी

- यह MOODLE (मॉड्यूलर ऑब्जेक्ट-ओरिएंटेड डायनेमिक लर्निंग एनवायरनमेंट) पर आधारित है, इसे एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा विकसित किया गया है।
- इसका उपयोग संसाधन व्यक्तियों और शिक्षकों के पंजीकरण, संसाधनों के प्रसार, प्रशिक्षण अंतराल और प्रभाव विश्लेषण, निगरानी, सलाह और प्रगति को ऑनलाइन मापने के लिए किया जाएगा।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –शिक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

9. केंद्र शासित प्रदेश, लद्दाख के लिए विंटर ग्रेड डीजल
 - हाली ही में, केंद्रीय गृह मंत्री ने लद्दाख क्षेत्र के लिए पहला विंटर-ग्रेड डीजल आउटलेट शुरू किया है।

विंटर ग्रेड डीजल के संदर्भ में जानकारी

- इसे राज्य द्वारा संचालित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आई.ओ.सी.) की पानीपत रिफाइनरी द्वारा निर्मित किया गया है।
- यह एक विशेष विंटर-ग्रेड डीजल है जो शून्य से 33 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान तक जमता नहीं है।
- यह डीजल के सामान्य ग्रेड के विपरीत क्षेत्र की चरम सर्दियों के मौसम में भी अपनी तरलता नहीं खोता है, क्योंकि जमें हुए डीजल का उपयोग करना अत्यधिक कठिन हो जाता है।
- यह लद्दाख में अत्यधिक ठंड में चरम पर्यटन सीजन के दौरान यात्रा और परिवहन को सुचारु करके पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत-पी.आई.बी.

10. 1991 का पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम
 - अयोध्या के अपने हालिया फैसले में, सर्वोच्च न्यायालय ने पूजा स्थल अधिनियम, 1991 को लागू करने की सलाहना की है, जो धर्मनिरपेक्षता

के संवैधानिक मूल्य को संरक्षित करने के लिए पूजा के स्थान को बदलने की अनुमति नहीं देता है।

1991 के पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम के संदर्भ में जानकारी

अधिनियम का उद्देश्य

- इस अधिनियम का उद्देश्य पूजा के किसी भी स्थान के दर्जे को स्थायी करना था क्योंकि यह 15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में था।
- यह उस दिन के पूजा के ऐसे स्थल के धार्मिक चरित्र के रखरखाव के लिए भी प्रावधान रखता था।
- यह किसी भी समूह द्वारा पूजा के किसी भी स्थान की पिछली स्थिति के बारे में नए दावों को स्वीकार करने का इरादा रखता था और संरचनाओं या उस भूमि पर पुनः दावा प्राप्त करने का प्रयास करता है जिस पर वे स्थापित थे।
- यह आशा की गई थी कि कानून लंबे समय तक सांप्रदायिक सद्भाव के संरक्षण में मदद करेगा।

अधिनियम की मुख्य विशेषताएं

- अधिनियम यह घोषणा करता है कि पूजा स्थल का धार्मिक चरित्र वैसा ही रहेगा जैसा कि 15 अगस्त, 1947 को था।
- यह कहता है कि कोई भी व्यक्ति किसी भी धार्मिक संप्रदाय के किसी भी पूजा स्थल को अलग संप्रदाय या वर्ग में परिवर्तित नहीं करेगा।
- यह घोषणा करता है कि 15 अगस्त, 1947 को किसी भी अदालत या प्राधिकरण के समक्ष पूजा स्थल के चरित्र को परिवर्तित करने के संबंध में लंबित सभी मुकदमे, अपील या कोई अन्य कार्यवाही, कानून के लागू होते ही समाप्त हो जाएगी।
- इसके बाद कोई कानूनी कार्यवाही नहीं की जा सकती है।
- हालांकि, इसमें 15 अगस्त 1947 के बाद हुई स्थिति के रूपांतरण से संबंधित मुकदमों के

संबंध में नए सिरे से कार्यवाही शुरू करने पर रोक लगाने का एक अपवाद है।

- यह कट-ऑफ तारीख के बाद होने वाली स्थिति की संभावना के संबंध में कानूनी कार्यवाही, मुकदमे और अपील से बचाता है।
- ये प्रावधान प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों और अवशेषों पर लागू नहीं होंगे, जो प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 में शामिल किए गए हैं।
- यह अधिनियम अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद के रूप में वर्णित पूजा स्थल पर लागू नहीं होता है।

अधिनियम में दंड का प्रावधान

- अधिनियम में निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वाले किसी व्यक्ति को तीन वर्ष तक की कैद और जुर्माने का प्रावधान है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-द हिंदू

11. चुनाव आयोग, पूर्व सी.ई.सी. टी.एन. शेषन की स्मृति में विजिटिंग चेयर स्थापित करेगा।

- चुनाव आयोग, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन की स्मृति में निर्वाचन संबंधी अध्ययनों के प्रति अंतःविषयक दृष्टिकोण पर एक विजिटिंग चेयर स्थापित करेगा।
- विजिटिंग चेयर को 2020-2025 तक नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान में पाठ्यक्रम विकास केंद्र में स्थापित किया जाएगा।
- इस कुर्सी की अध्यक्षता पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एन. गोपालस्वामी द्वारा की जाएगी।
- विजिटिंग चेयर कार्यक्रम, चुनावी अध्ययन से संबंधित क्षेत्रों में एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड के साथ को युवा शिक्षाविदों को लक्षित करेगा।

भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान के संदर्भ में जानकारी

- जून, 2011 में भारतीय चुनाव आयोग (ई.सी.आई.) ने भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र संस्थान एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (IIIDEM) की स्थापना की थी।

उद्देश्य:

- a. चुनाव प्रबंधन में अपनी व्यवसायिक क्षमता को उन्नत करना
- b. लोगों की भागीदारी को बढ़ावा देना
- c. मजबूत लोकतांत्रिक संस्थानों के विकास में योगदान देना
- d. अपने शासनादेश और कार्यों को पूरा करने में ई.सी.आई. के प्रयासों का समर्थन करना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-ए.आई.आर.

12. पहली रात्रि परीक्षण अग्नि-II का सफलतापूर्वक संचालन किया गया है।

- भारत ने ओडिशा तट से दूर डॉ. अब्दुल कलाम द्वीप से अपनी बहुमुखी सतह से सतह पर मार करने वाली मध्यम दूरी की परमाणु क्षमता वाली मिसाइल अग्नि-II का पहला रात्रि परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है।

संबंधित जानकारी

अग्नि-II के संदर्भ में जानकारी

- इस मिसाइल को डी.आर.डी.ओ. (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) द्वारा विकसित किया गया था।
- यह एक मध्यवर्ती श्रेणी की बैलिस्टिक मिसाइल (IRBM) है, जिसे पहले ही सशस्त्र बलों में शामिल किया जा चुका है।
- यह मिसाइल 2,0000 कि.मी. की दूरी तक मार करने में सक्षम है।
- यह 1,000 किलोग्राम का पेलोड ले जा सकती है और 17 टन वजन लांच कर सकती है।
- यह 20 मीटर लंबी है और दो चरणों वाली मिसाइल है।

- अग्नि मिसाइल, अग्नि II मिसाइल 2,000 कि.मी. की मारक क्षमता के साथ अग्नि मिसाइल की श्रृंखला का एक भाग है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत-द हिंदू

13. बाल यौन शोषण एवं उत्पीड़न (ओ.सी.एस.ए.ई.)

रोकथाम/ जांच इकाई

- केंद्रीय जांच ब्यूरो ने अपने विशेष अपराध क्षेत्र के अंतर्गत नई दिल्ली में एक ऑन-लाइन बाल यौन शोषण एवं उत्पीड़न (ओ.सी.एस.ए.ई.) रोकथाम/ जांच इकाई की स्थापना की है।
- नई विशेष इकाई ऑन-लाइन बाल यौन शोषण एवं उत्पीड़न से संबंधित सूचना के प्रकाशन, प्रसारण, निर्माण, संग्रहण, मांग, ब्राउजिंग, डाउनलोडिंग, विज्ञापन, प्रचार, आदान-प्रदान, वितरण के संबंध में जानकारी एकत्र, इकठ्ठा और प्रसारित करेगी।
- निम्न के प्रावधानों के अंतर्गत शामिल किए गए ऐसे अपराधों की जांच होगी
 - a. भारतीय दंड संहिता (आई.पी.सी.) 1860
 - b. यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम 2012 (2012 का 32)
 - c. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 (2000 का 21)
- सी.बी.आई. की ऑनलाइन बाल यौन शोषण एवं उत्पीड़न (ओ.सी.एस.ए.ई.) रोकथाम/ जांच इकाई का क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र पूरे भारत में होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-राज्य सभा टी.वी.

19.11.2019

1. राज्यसभा का 250वां सत्र

- राज्यसभा के 250वें सत्र के अवसर पर सभापति श्री एम. वेंकैया नायडू ने एक प्रकाशन जारी किया है, जिसका शीर्षक "राज्य सभा" है।

संबंधित जानकारी

राज्यसभा की संरचना

- राज्यसभा में सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 है, जिसमें से 238 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि (अप्रत्यक्ष रूप से चुने गए) और 12 राष्ट्रपति द्वारा नामित सदस्य हैं।
- वर्तमान में, राज्यसभा में 245 सदस्य हैं। इनमें से 225 सदस्य राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं, 8 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामित किए गए हैं। (31 अक्टूबर के बाद से)
- संविधान की चौथी अनुसूची में राज्य सभा में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सीटों के आवंटन से संबंधित प्रावधान हैं।
- महेंद्र प्रसाद, सातवें कार्यकाल तक सेवारत रहकर सबसे अधिक सेवा प्रदान कर चुके हैं, इनके बाद डॉ. मनमोहन सिंह 6वें कार्यकाल तक सेवारत रहे थे।
- राज्यसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व वर्ष 1952 में 15 (6.94%) से बढ़कर वर्ष 2014 में 31 (12.76%) हो गया था और अब वर्ष 2019 में यह 26 (10.83%) हो गया है।

राज्यसभा से संबंधित कुछ अनोखी घटनाएं:

अध्यक्ष द्वारा वोट डालना:

- अब तक पहली और एकमात्र बार राज्यसभा के एक पीठासीन अधिकारी, पैनल अध्यक्ष श्री एम.ए. बेबी ने 5.8.1991 को वोट डाला था।

राष्ट्रपति शासन को केवल राज्यसभा द्वारा अनुमोदित किया जाना:

- ऐसा केवल दो बार तमिलनाडु और नागालैंड में वर्ष 1977 में राष्ट्रपति शासन के विस्तार के संबंध में और 1991 में हरियाणा में लोकसभा भंग होने पर हुआ है।

एक न्यायाधीश को हटाना:

- राज्यसभा ने पहली बार 18.8.2011 को कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौमित्र सेन के संबंध में एक न्यायाधीश को हटाने का प्रस्ताव अपनाया था, लेकिन उन्होंने लोकसभा में प्रस्ताव पेश होने से पहले इस्तीफा दे दिया था।

राज्य सभा से संबंधित कुछ प्रथम तथ्य:

- सदन की पहली बैठक 13.5.1952 को आयोजित की गई थी।
- पहला विधेयक पारित: भारतीय शुल्क (दूसरा संशोधन) विधेयक, 1952
- सामाजिक परिवर्तन से संबंधित पहला विधेयक: विशेष विवाह विधेयक, 1952
- राज्यसभा द्वारा पारित पहला संविधान संशोधन विधेयक:
- संविधान (दूसरा संशोधन) विधेयक, 1953 प्रति निर्वाचन क्षेत्र की जनसंख्या का आकार बढ़ाकर लोकसभा में प्रतिनिधित्व के पुनर्निर्माण के लिए पारित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. ज़ाएर-अल-बहर (समुद्र गर्जन) युद्धाभ्यास

- भारत और कतर के नौसैनिकों ने दोहा में पांच-दिवसीय द्विपक्षीय समुद्री युद्धाभ्यास ज़ाएर-अल-बहर (समुद्र गर्जन) शुरू किया है।

संबंधित जानकारी

युद्धाभ्यास के संदर्भ में जानकारी

- यह द्विपक्षीय समुद्री युद्धाभ्यास दोनों देशों के बीच मजबूत रक्षा सहयोग को मजबूत करने में मदद करेगा, विशेष रूप से आतंकवाद, समुद्री डकैती और सुरक्षा के खिलाफ लड़ाई में मदद करेगा।
- इस युद्धाभ्यास में तीन दिन का बंदरगाह चरण और दो दिन का समुद्री चरण शामिल होगा।
- बंदरगाह चरण के दौरान गतिविधियों में एक संगोष्ठी, व्यवसायिक संवाद, आधिकारिक दौरे, खेल के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होंगे।
- समुद्री चरण में एक सामरिक समुद्री युद्धाभ्यास शामिल होगा जिसमें सतही कार्रवाई, वायु रक्षा, समुद्री निगरानी और अंतर्विरोधी संचालन और आतंकवाद-विरोधी डोमेन शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

3. एक नए भारत के लिए स्वास्थ्य प्रणाली: बिल्डिंग ब्लॉक- सुधार हेतु संभावित मार्ग

- सरकारी प्रबुद्ध मंडल नीति आयोग ने एक रिपोर्ट एक नए भारत के लिए स्वास्थ्य प्रणाली: बिल्डिंग ब्लॉक- सुधार हेतु संभावित मार्ग जारी की है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- रिपोर्ट ने भविष्य की स्वास्थ्य प्रणाली के पांच फोकस क्षेत्रों की पहचान की है-
 - a. अधूरे सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंडा को पूरा करना
 - b. स्वास्थ्य वित्त पोषण को पॉकेट से अधिकन करना जिससे कि बड़े बीमा कंपनियों में खर्च करें
 - c. सेवा वितरण को लंबवत और क्षैतिज रूप से एकीकृत करें
 - d. नागरिकों को स्वास्थ्य के बेहतर खरीदार बनने के लिए सशक्त बनाएं
 - e. डिजिटल स्वास्थ्य की शक्ति का दोहन करें
- रिपोर्ट में एक डिजिटल बैकबोन की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया है- जिसमें रोगी के रिकॉर्ड और स्वास्थ्य रिकॉर्ड शामिल हैं, इसके साथ ही भारत में स्वास्थ्य सेवा में एक प्रणालीगत सुधार लाने के लिए जोखिम पूलिंग भी शामिल है।
- यह रिपोर्ट, सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के लिए प्राइस वाटर हाउस कूपर्स के लिए एक्सेस हेल्थ इंटरनेशनल द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों पर आधारित है।
- भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय (केंद्र और राज्य सरकारों का कुल मिलाकर) कई वर्षों से निरंतर एकसमान बना हुआ है, जिस पर नीती आयोग ने सेवाओं के 'रणनीतिक खरीद' का प्रस्ताव रखा है, जिससे स्वास्थ्य व्यय जी.डी.पी. में लगभग 1.4% की कमी होती है।
- वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) के अंतर्गत लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में भारत के रोड मैप को पूरा करने के लिए एक जनादेश के साथ विशेष रूप से स्वास्थ्य

और शिक्षा जैसे सामाजिक क्षेत्रों में आयोग पहले से ही तीन वर्ष के एक्शन एजेंडे और सात वर्षीय रणनीति के साथ आया है।

- वर्तमान में, यह देश के विकास के लिए 15 वर्ष के विज़न डॉक्यूमेंट पर काम कर रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- बिजनेस लाइन

4. इसरो, कार्टोसैट-3, 13 वाणिज्यिक नैनोसैटलाइट लॉन्च करेगा।
- भारत का ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान, पी.एस.एल.वी.-सी.47 कार्टोसैट-3 और 13 वाणिज्यिक नैनोसैटलाइट को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) एस.एच.ए.आर., श्रीहरिकोटा से सूर्य तुल्यकालिक कक्षा में लॉन्च करेगा।
- मौसम की स्थिति के अनुसार प्रक्षेपण को 25 नवंबर को अस्थायी रूप से निर्धारित किया गया है।
- पी.एस.एल.वी.-सी.47 'एक्स.एल.' कॉन्फिगरेशन में पी.एस.एल.वी. की 21वीं उड़ान है, जो 6 सॉलिड स्ट्रैप-ऑन मोटर्स के साथ है।

कार्टोसैट-3

- यह एक उन्नत पृथ्वी इमेजिंग और मानचित्रण उपग्रह है।
- इसे पी.एस.एल.वी.-सी.47 वाहन पर उड़ाया जाएगा।
- कार्टोसैट-3, 25 से.मी. के इसरो-बेस्ट रिजॉल्यूशन के साथ, उच्च रिजॉल्यूशन की पहली श्रृंखला होगी, तीसरी पीढ़ी के उपग्रह पृथ्वी के अवलोकन के लिए योजनाबद्ध होंगे।
- उपग्रह लगभग 509 कि.मी. दूर अपने कक्षीय अड्डे से उस आकार (25 सेमी) की वस्तुओं को उठाने में सक्षम होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- ए.आई.आर.

5. के.ए.-226 हेलिकॉप्टर

- भारत कामोव-226 टी. हल्के उपयोगिता हेलिकॉप्टरों में उच्च स्वदेशी सामग्री चाहता है जो संयुक्त रूप से रूस के साथ देश में बनाए जाने हैं।
- कामोव सेना के पुराने चीता और चेतक हेलीकाप्टरों के प्रतिस्थापन के रूप में काम करेंगे।

संबंधित जानकारी

कामोव-226

- यह एक छोटा, जुड़वां इंजन वाला रूसी उपयोगिता हेलीकॉप्टर है।
- यह रूसी हेलिकॉप्टरों द्वारा निर्मित है जो पुराने चीता और चेतक हेलिकॉप्टरों को प्रतिस्थापित करेगा।
- यह एक टन पेलोड तक ले जा सकता है और इसकी अधिकतम गति 220 कि.मी./घंटा है।
- यह चरम और कठिन मौसम परिस्थितियों में काम करने में सक्षम है जिसमें गर्म जलवायु, समुद्री क्षेत्र और ऊंचे पहाड़ शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

6. दार्जिलिंग ग्रीन, व्हाइट चाय को जी.आई. टैग प्रदान किया गया है।
- दार्जिलिंग चाय संघ ने कहा है कि पहाड़ियों की ग्रीन और व्हाइट चाय को देश में भौगोलिक संकेत (जी.आई.) उत्पादों के रूप में पंजीकृत किया गया है।
- दार्जिलिंग चाय की इन दो किस्मों को अक्टूबर, 2019 से प्रभावी रूप से भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण एवं संरक्षण) अधिनियम 1999 के अंतर्गत पंजीकृत किया गया है।
- दार्जिलिंग चाय के 8.5 मिलियन किलोग्राम के कुल वार्षिक उत्पादन में से ग्रीन टी का एक मिलियन किलोग्राम और व्हाइट चाय का एक लाख किलोग्राम का उत्पादन शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

भौगोलिक संकेत

- यह एक बौद्धिक संपदा अधिकार है जो एक उत्पाद को प्रदान किया जाने वाला दर्जा है जो एक विशेष क्षेत्र या क्षेत्र के लिए अद्वितीय है और वहां से उत्पन्न होता है।
- भारत में, उत्पादों का भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 के साथ उत्पादों का भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण और संरक्षण) नियम, 2002 जी.आई. पंजीकरण और उत्पादों पर शासन करता है।
- इन कानूनों को बौद्धिक संपदा अधिकारों (ट्रिप्स) के व्यापार-संबंधित पहलुओं पर समझौते के अनुसमर्थन के बाद पेश किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- एन.डी.टी.वी.

7. कंपनी कानून समिति 2019

- सितंबर, 2019 में इंजेती श्रीनिवास की अध्यक्षता में गठित 11 सदस्यीय कंपनी कानून समिति (सी.एल.सी.) ने अपनी रिपोर्ट वित्त मंत्री को सौंपी है।

समिति की सिफारिशें

- रिपोर्ट में आंतरिक न्यायिक निर्णय ढांचे के अंतर्गत निपटने हेतु कंपनी अधिनियम के अंतर्गत 66 शेष संयोजनीय अपराधों में से 23 अपराधों को फिर से वर्गीकृत करने की सिफारिश की गई है, जिसमें इन चूकों को एक निर्णयन अधिकारी द्वारा लगाए गए जुर्माना के अधीन रखा जाएगा।
- अनुशंसित दंड की मात्रा, अधिनियम में वर्तमान में दिए गए जुर्माने की मात्रा से कम है।
- इसमें गैर-संयोजनीय अपराधों के मामले में यथास्थिति अवधारण का सुझाव दिया गया है।
- यह रिपोर्ट कंपनी कानून में बदलावों को प्रयास के रूप में लाने पर केंद्रित है, जिससे कि प्रावधानों को और कमजोर किया जा सके और देश में कॉर्पोरेट्स के लिए और अधिक आसानी प्रदान करने हेतु अधिक उपाय किए जा सकें।

- इस समिति ने राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण की पीठ को प्रस्तावित किया था।
- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व प्रावधानों की प्रयोज्यता को उत्तेजित करने वाले वाली देहली आवृत्ति को बढ़ाने के लिए शक्ति प्रदान की जाए।
- सेबी के साथ उचित परामर्श के बाद अर्हताप्राप्त संस्थागत प्लेसमेंट (क्यू.आई.पी.) के लिए कुछ निजी प्लेसमेंट आवश्यकताओं की छूट प्रदान की जाए।
- इस रिपोर्ट के लिए, पैनल ने भविष्य में अपराधिता को रोकने के लिए एक सिद्धांत आधारित दृष्टिकोण को अपनाया है, जिसे गलती होने के मामले में निष्पक्ष रूप से निर्धारित किया जा सकता है और जो अन्यथा धोखाधड़ी के तत्व का अभाव है या बड़े सार्वजनिक हित को शामिल नहीं करता है, के मामले में सिद्धांत-आधारित दृष्टिकोण अपनाया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र महत्वपूर्ण समिति

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

8. सांस (SAANS), बाल मृत्यु दर को कम करने हेतु अभियान
 - केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने सांस लॉन्च किया है, यह एक अभियान है जिसका उद्देश्य निमोनिया के कारण बाल मृत्यु दर को कम करना है, जो पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की सालाना लगभग 15% मौतों में योगदान देता है।
 - केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बच्चों को निमोनिया से बचाने के लिए लोगों को जुटाने और स्वास्थ्य कर्मियों और अन्य हितधारकों को बीमारी को नियंत्रित करने के लिए प्राथमिकता से उपचार प्रदान करने हेतु प्रशिक्षित करने के लिए SAANS, को लांच किया गया है, जिसका पूरा नाम 'सोशल अवेयरनेस एंड एक्शन टू न्यूट्रिटाइज निमोनिया सक्सेसफुली' है।
 - एच.एम.आई.एस. (स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली डेटा) के अनुसार, देश में पांच वर्ष से

कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर 37 प्रति 1000 जीवित जन्म है, जिनमें से 5.3 मौतें निमोनिया के कारण होती हैं।

- सरकार का लक्ष्य वर्ष 2025 तक प्रति 1,000 जीवित जन्मों में से निमोनिया से होने वाली बच्चों की मौतों को 3 से कम करना है।
- वर्ष 2018-19 के लिए एच.एम.आई.एस. के आंकड़ों में मध्य प्रदेश के बाद निमोनिया के कारण होने वाली बच्चों की मौतों की संख्या में गुजरात दूसरे स्थान पर रहा है।
- राज्य निमोनिया के कारण शिशु मृत्यु दर में पांचवें स्थान पर है।
- अभियान के अंतर्गत, आशा कार्यकर्ताओं द्वारा निमोनिया से पीड़ित बच्चे का एंटी-बायोटिक एमोक्सिसिलिन की पूर्व-संदर्भित खुराक के साथ इलाज किया जा सकता है और स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में एक बच्चे के रक्त में ऑक्सीजन के स्तर की पहचान करने के लिए पल्स ऑक्सीमीटर (ऑक्सीजन संतृप्ति की निगरानी के लिए डिवाइस) का उपयोग कर सकते हैं और यदि आवश्यक हो तो ऑक्सीजन सिलेंडर का उपयोग करके उसका इलाज करें।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी नीतियां

स्रोत- द हिंदू

9. भारतीय पोषण कृषि कोष

- केंद्र सरकार ने भारतीय पोषण कृषि कोष की घोषणा की है जो बेहतर पोषण परिणामों के लिए 128 कृषि जलवायु क्षेत्रों में विविध फसलों का भंडार है।
- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इस परियोजना के लिए बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के साथ समझौता किया है।
- कोष का उद्देश्य देश भर में महिलाओं और बच्चों के मध्य कृषि सहित बहु-क्षेत्रीय परिणाम आधारित ढांचे के माध्यम से कुपोषण को कम करना है।

भारतीय पोषण कृषि कोष का पांच सूत्री कार्रवाई कार्यक्रम

- महिलाओं, खासकर गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए कैलोरी युक्त आहार सुनिश्चित करें।
- महिलाओं और बच्चों में प्रोटीन की भूख को मिटाने के लिए दालों के रूप में प्रोटीन का सेवन सुनिश्चित करें।
- सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी जैसे विटामिन ए, विटामिन बी, आयरन और जस्ता के कारण छिपी हुई भूख को मिटाएं।
- स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें।
- प्रत्येक गाँव में पोषण साक्षरता का प्रसार करना, विशेष रूप से 100 दिनों से कम उम्र के बच्चों के मध्य प्रसार करना।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य मुद्दा

स्रोत- द हिंदू

20.11.2019

1. कार्बन डाइऑक्साइड का विखंडन

- अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ कनेक्टिकट के वैज्ञानिकों ने एक उपन्यास निकेल-आयरन उत्प्रेरक पाया है जो कार्बन डाइऑक्साइड को उपयोगी रसायनों में तेजी से, किफायती और मानक विधि से अधिक कुशलता से विभाजित करता है।
- यह निकेल-आयरन उत्प्रेरक, प्लेटिनम से बने एक उत्प्रेरक के उपयोग को प्रतिस्थापित करता है, जो एक दुर्लभ और महंगी धातु है।

निकेल-आयरन उत्प्रेरक

- ये निकेल और लोहे से बने छिद्रदार, झागदार उत्प्रेरक से भरे हुए विद्युत रसायन सेल हैं, ये धातुएँ सस्ती और प्रचुर मात्रा उपलब्ध में होती हैं।
- जब कार्बन डाइऑक्साइड गैस विद्युतरसायन सेल में प्रवेश करती है और एक वोल्टेज लगाया जाता है तो उत्प्रेरक CO₂- दो ऑक्सीजन के साथ एक कार्बन अणु- की ऑक्सीजन को निकालने में मदद करता है जिससे कि कार्बन

मोनोऑक्साइड बन सके, जिसमें एक कार्बन के साथ एक ऑक्सीजन अणु होता है।

- शोधकर्ताओं के अनुसार, निकेल-आयरन उत्प्रेरक का उपयोग करने वाले विद्युतरसायन सेल में लगभग 100 प्रतिशत दक्षता होती है।
- शोधकर्ताओं ने कहा है कि यह एक निकेल आयरन हाइड्रॉक्साइड कार्बोनेट है, जो छिद्रपूर्ण संरचना के साथ कार्बन डाइऑक्साइड गैस को प्रवाहित होने की अनुमति देता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- ए.आई.आर. + बिजनेस स्टैंडर्ड

2. विश्व चिकित्सा उत्पाद पहुँच सम्मेलन 2019: एस.डी.जी. 2030 को प्राप्त करना

- विश्व चिकित्सा उत्पाद पहुँच सम्मेलन 2019: एस.डी.जी. 2030 को प्राप्त करना, की शुरुआत नई दिल्ली में होगी।
- यह भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.), जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (BIRAC) और परिवर्तनीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (THSTI) के सहयोग से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।
- सम्मेलन के विशिष्ट उद्देश्य निम्नलिखित हैं:
- सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और एस.डी.जी. 2030 लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए चिकित्सा उत्पादों में नवाचार परिदृश्य में नए दृष्टिकोणों का अन्वेषण करना
- गुणवत्ता और सुरक्षित चिकित्सा उत्पादों तक बेहतर पहुँच हेतु विनियामक तंत्र की पहचान करना
- चिकित्सा उत्पादों तक पहुँच को बढ़ावा देने के लिए बौद्धिक संपदा और वर्तमान व्यापार समझौतों की भूमिका पर चर्चा करना

सतत विकास लक्ष्यों के संदर्भ में जानकारी

- सतत विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.) को वैश्विक लक्ष्य के रूप में भी जाना जाता है, इन्हें वर्ष

2015 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों द्वारा गरीबी को समाप्त करने, ग्रह की रक्षा करने और सभी लोगों को 2030 तक शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई करने हेतु एक सार्वभौमिक आह्वान के रूप में अपनाया गया था।

- 17 एस.डी.जी. को एकीकृत किया गया है अर्थात् वे मानते हैं कि एक क्षेत्र में की गई कार्रवाई दूसरे क्षेत्र में परिणामों को प्रभावित करेगी और उस विकास को सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिरता को संतुलित करना होगा।
- 2030 का एजेंडा वैश्विक समुदाय को "अपने तीन आयामों- आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण में एक संतुलित और एकीकृत तरीके से" सतत विकास प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध करता है।



टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. जनसंख्या स्थिरता कोष

- राज्य मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) ने राज्यसभा में जनसंख्या स्थिरता कोष के संदर्भ में एक लिखित में निर्दिष्ट किया है।

जनसंख्या स्थिरता कोष के संदर्भ में जानकारी

- यह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है, जिसने निम्नलिखित योजनाएं लागू की हैं:
- प्रेरणा योजना (विवाह, प्रसव और अंतर में देरी के लिए),
- संस्तुष्टि योजना (नसबंदी सेवाओं के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी) और
- राष्ट्रीय हेल्पलाइन (परिवार नियोजन की जानकारी के लिए)

जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदम:

-मिशन परिवार विकास

- सरकार ने 3 की उच्च प्रजनन दर (टी.एफ.आर.) के साथ 146 उच्च प्रजनन क्षमता वाले जिलों और उससे अधिक सात उच्च फोकस राज्यों में गर्भ निरोधकों और परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए मिशन परिवार विकास लांच किया है।
- ये जिले उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और असम राज्यों से हैं, जहां देश की आबादी का 44% हिस्सा निवास करता है।

-नसबंदी स्वीकार करने वालों के लिए मुआवजा योजना-

- योजना के अंतर्गत एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू. लाभार्थी को मजदूरी के नुकसान के लिए और साथ ही सेवा प्रदाता (और टीम) को नसबंदी कराने के लिए मुआवजा प्रदान करता है।

-नैदानिक आउटरीच टीम (सी.ओ.टी.) योजना -

- मान्यता प्राप्त संगठनों के दूर-दराज, रेखांकित और भौगोलिक रूप से कठिन क्षेत्रों से मोबाइल टीमों के माध्यम से परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करने के लिए 146 मिशन परिवार जिलों में योजना शुरू की गई है।

-परिवार नियोजन रसद प्रबंधन एवं सूचना प्रणाली (FP-LMIS):

- यह स्वास्थ्य सुविधाओं के सभी स्तरों पर परिवार नियोजन वस्तुओं के सुचारु पूर्वानुमान, खरीद और वितरण को सुनिश्चित करने के लिए समर्पित सॉफ्टवेयर है।

-राष्ट्रीय परिवार नियोजन क्षतिपूर्ति योजना (एन.एफ.पी.आई.एस.) कार्यान्वयन के अंतर्गत है जिसके अंतर्गत ग्राहकों का नसबंदी के बाद मृत्यु, जटिलता और विफलता की घटनाओं में बीमा किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य मुद्दा

स्रोत- पी.आई.बी.

4. दक्षिण एशिया सुरक्षा शिखर सम्मेलन

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और फेसबुक ने एक पहल की घोषणा की है जहां वे महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए सामग्री साझा करेंगे और नई दिल्ली में द्वितीय दक्षिण एशिया सुरक्षा शिखर सम्मेलन के दौरान डिजिटल साक्षरता का निर्माण करेंगे।
- दक्षिण एशिया सुरक्षा शिखर सम्मेलन का दूसरा संस्करण, डब्ल्यू.सी.डी. मंत्रालय और फेसबुक द्वारा आयोजित किया गया है।
- दक्षिण एशिया सुरक्षा शिखर सम्मेलन का आयोजन सुरक्षा के मुद्दे को उजागर करने के लिए किया जा रहा है जब कि व्यक्ति और समुदाय डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जुड़े हुए हैं।
- डब्ल्यू.सी.डी. के केंद्रीय मंत्री ने वी थिंक डिजिटल वेबसाइट भी लॉन्च की है।

वी थिंक डिजिटल के संदर्भ में जानकारी

- यह वेबसाइट एक इंटरएक्टिव ट्यूटोरियल के साथ ऑनलाइन शिक्षा पोर्टल है, जिसका उद्देश्य उन लोगों की मदद करना है जो महत्वपूर्ण सोच रखते हैं और विचारों को ऑनलाइन शेयर करते हैं।
- "वी थिंक डिजिटल" एक चार-चरणीय पाठ्यक्रम है, जो छात्रों को डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने, समझने, मूल्यांकन करने, संवाद करने और बनाने के लिए ज्ञान प्रदान करने हेतु डिज़ाइन किया गया है।
- यह कार्यक्रम ऑनलाइन सुरक्षा, गोपनीयता और गलत सूचना पर केंद्रित होगा।
- यह एक वैश्विक डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम भी है, जिसके माध्यम से यह सरकार और नागरिक समाज दोनों की संस्थाओं के साथ वर्ष 2021 तक 5 मिलियन से अधिक लोगों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महिला सशक्तीकरण

स्रोत- पी.आई.बी.

5. राष्ट्रीय एकता पुरस्कार-2020

- सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए ऑनलाइन नामांकन/ सिफारिशों की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और नामांकन/ सिफारिश करने की अंतिम तिथि **30 नवंबर, 2019** है।

राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के संदर्भ में जानकारी

- भारत सरकार ने सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर भारत की एकता और अखंडता के क्षेत्र में योगदान हेतु सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार की स्थापना की है।
- यह पुरस्कार राष्ट्रीय एकता और अखंडता के कारण को बढ़ावा देने के लिए उल्लेखनीय और प्रेरक योगदान को पहचानने और एक सशक्त और एकजुट भारत के मूल्य को सुदृढ़ करने का प्रयास करता है।
- इस पुरस्कार की घोषणा राष्ट्रीय एकता दिवस अर्थात् **31 अक्टूबर** को सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर की जाएगी।
- प्रधानमंत्री द्वारा एक पुरस्कार समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें कैबिनेट सचिव, प्रधानमंत्री के मुख्य सचिव, राष्ट्रपति के सचिव, गृह सचिव सदस्य के रूप में और प्रधानमंत्री द्वारा चुने गए तीन-चार प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल होंगे।

पुरस्कार की मुख्य विशेषताएं हैं

- इस पुरस्कार में एक पदक और एक प्रशस्ति पत्र शामिल होगा।
- कोई भी मौद्रिक अनुदान या नकद पुरस्कार इस पुरस्कार से संबंध नहीं होगा। एक वर्ष में तीन से अधिक पुरस्कार नहीं दिए जाएंगे।
- यह बहुत ही दुर्लभ और उच्च योग्य मामलों को छोड़कर यह पुरस्कार मरणोपरांत प्रदान नहीं किया जाएगा।

पात्रता

- धर्म, जाति, लिंग, जन्म स्थान, उम्र या व्यवसाय के भेदभाव के बिना सभी नागरिक और कोई भी संस्थान/ संगठन इस पुरस्कार के लिए पात्र होगा।

- भारत में स्थित कोई भी भारतीय राष्ट्रीय या संस्था या संगठन इस पुरस्कार के लिए किसी व्यक्ति को विचार के लिए नामांकित कर सकेगा।
- व्यक्ति स्वयं को भी नामांकित कर सकता है।
- राज्य सरकारें, केन्द्र शासित प्रदेश प्रशासन और भारत सरकार के मंत्रालय भी नामांकन भेज सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

6. आई.एम.डी. विश्व प्रतिभा रैंकिंग रिपोर्ट

- अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन विकास संस्थान विश्व प्रतिभा रैंकिंग के नवीनतम संस्करण के अनुसार, **63** देशों की वैश्विक वार्षिक सूची में भारत **6** स्थान फिसलकर **59**वें स्थान पर पहुँच गया है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन विकास संस्थान के संदर्भ में जानकारी

- अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन विकास संस्थान (आई.एम.डी.), एक व्यावसायिक शिक्षा स्कूल है जो स्विट्जरलैंड के लुसाने में स्थित है।
- आई.एम.डी. विश्व प्रतिभा रैंकिंग तीन मुख्य श्रेणियों- निवेश और विकास, अपील और तत्परता में देशों के प्रदर्शन पर आधारित है।

रिपोर्ट के निष्कर्ष

- स्विट्जरलैंड ने दुनिया के शीर्ष प्रतिभा केंद्र के रूप में अपना खिताब बरकरार रखा है, जब कि यूरोप एक कौशल-दुर्लभ वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा के लिए सर्वोत्तम परिस्थितियों को बढ़ावा देने का मार्ग प्रशस्त करता है।
- रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहने वाले देश, शिक्षा में निवेश के मजबूत स्तर और जीवन की उच्च गुणवत्ता को साझा करते हैं।
- डेनमार्क, दूसरे स्थान पर और स्वीडन, तीसरे स्थान पर है।
- शीर्ष **10** में ऑस्ट्रिया (चौथे), लक्जमबर्ग (पांचवें), नॉर्वे (छठवें), आइसलैंड (सातवें), फिनलैंड (आठवें), नीदरलैंड (नौवें) और सिंगापुर (दसवें) हैं।
- एशिया में सिंगापुर, हांगकांग एस.ए.आर. (**15**वें) और ताइवान (**20**वें) के साथ प्रतिभा पूल की

तत्परता के कारण प्रतिभा प्रतिस्पर्धा के मामले में आगे हैं।

भारत और रिपोर्ट

- **63** देशों की वैश्विक वार्षिक सूची में भारत **6** स्थान फिसलकर **59**वें स्थान पर पहुँच गया है।
- भारत भी ब्रिक्स देशों में पीछे है, चीन सूची में **42**वें स्थान पर है, रूस (**47**वें) और दक्षिण अफ्रीका (**50**वें) स्थान पर है।
- जीवन की निम्न गुणवत्ता, मस्तिष्क के नकारात्मक प्रभाव और प्रतिभाओं को आकर्षित करने और बनाए रखने में अपनी अर्थव्यवस्था की कम प्राथमिकता के कारण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में भारत में सबसे तेजी से गिरावट आई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- द हिंदू

7. राष्ट्रीय इंटेलिजेंस ग्रिड

- लोकसभा ने सूचित किया है कि राष्ट्रीय इंटेलिजेंस ग्रिड (**नैटग्रिड**) परियोजना **31** दिसंबर, **2020** तक चालू हो जाएगी।

नैटग्रिड के संदर्भ में जानकारी

- यह एक खुफिया-साझाकरण नेटवर्क है जो भारत सरकार की विभिन्न संस्थाओं और मंत्रालयों के स्टैंडअलोन डेटाबेस से डेटा की तुलना करता है।
- यह एक आतंकवाद विरोधी उपाय है जो कर और बैंक खाता विवरण, क्रेडिट कार्ड लेनदेन, वीजा और आव्रजन रिकॉर्ड और रेल और हवाई यात्रा के रिकॉर्डों सहित सरकारी डेटाबेस से सूचनाओं का एक संग्रह एकत्र करता है।
- इंटेलिजेंस ब्यूरो, अनुसंधान और विश्लेषण विंग, केंद्रीय जांच ब्यूरो, वित्तीय खुफिया इकाई, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, राजस्व खुफिया निदेशालय, प्रवर्तन निदेशालय, नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड और सीमा शुल्क और जी.एस.टी. खुफिया महानिदेशालय जैसी कम से कम 10 केंद्र सरकार की एजेंसियां शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आंतरिक सुरक्षा

स्रोत- द हिंदू

21.11.2019

1. औद्योगिक संबंध संहिता विधेयक

- केंद्र ने औद्योगिक संबंध संहिता विधेयक को मंजूरी प्रदान की है, जो श्रम सुधारों के अंतर्गत तीसरी संहिता है।
 - सरकार, 44 केंद्रीय श्रम कानूनों को चार व्यापक संहिताओं में विभाजित करना चाहती है।
 - तीन केंद्रीय श्रम अधिनियमों के प्रासंगिक प्रावधानों को सरल और तर्कसंगत बनाने के बाद औद्योगिक संबंधों पर मसौदा संहिता तैयार की गई है।
- i. व्यापार संघ अधिनियम, 1926
 - ii. औद्योगिक रोजगार (स्थायी आदेश) अधिनियम, 1946
 - iii. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

विधेयक की मुख्य विशेषताएं

- विधेयक में दो-सदस्यीय न्यायाधिकरण (एक सदस्य के स्थान पर) की स्थापना का प्रावधान है, इस प्रकार एक अवधारणा पेश की गई है कि कुछ महत्वपूर्ण मामलों पर संयुक्त रूप से निर्णय लिया जाएगा और शेष मामलों को एकल-सदस्यीय द्वारा देखा जाएगा, जिससे मामलों का तेजी से निपटारा किया जाएगा।
- यह छंटनी और अन्य से संबंधित निकासी प्रावधानों को लचीलापन प्रदान करने के लिए भी प्रावधान प्रदान करता है, जिसके लिए उपयुक्त सरकार की पूर्व स्वीकृति के लिए कर्मचारियों की सीमा 100 पर अपरिवर्तित रखी गई है लेकिन अधिसूचना (कार्यकारी आदेश) के माध्यम से 'ऐसे कर्मचारियों की संख्या' बदलने का प्रावधान जोड़ा गया है।
- इसका मतलब है कि संसद की मंजूरी की कोई आवश्यकता नहीं होगी। सीमा को कार्यकारी आदेश द्वारा बदला जा सकता है।

- विधेयक में फिक्स्ड टर्म रोजगार की परिभाषा भी दी गई है और इसमें कोई भी नोटिस अवधि नहीं होगी और छंटनी पर मुआवजे के भुगतान को बाहर रखा गया है।
- इसमें विवादों के न्यायिक निर्णय हेतु सरकारी अधिकारियों को निहित शक्तियों प्रदान करने का भी प्रावधान है, जिसमें जुर्माने के रूप में लगाया दंड शामिल है, जिससे कि न्यायाधिकरण पर बोझ कम होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- पी.आई.बी.

2. जमा बीमा क्या है?

- हाल ही में, पंजाब एवं महाराष्ट्र सहकारी (पी.एम.सी.) बैंक की विफलता के बाद, भारत में बैंकों में ग्राहकों द्वारा जमा की गई धनराशि पर बीमा के निम्न स्तर पर बहस को खारिज करते हुए केंद्र सरकार अब कवर बढ़ाने की योजना बना रही है।

वर्तमान में प्रदान किया जा रहा बीमा कवर

- वर्तमान में, बैंक डूब जाने के मामले में एक जमाकर्ता के पास बीमा कवर के रूप में प्रति खाता अधिकतम 1 लाख रुपये का दावा है, भले ही उसके खाते में जमा राशि 1 लाख रुपये से अधिक क्यों न हो और इस राशि को जमा बीमा राशि कहा जाता है।
- भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम (डी.आई.सी.जी.सी.) द्वारा प्रत्येक जमाकर्ता को 1 लाख रुपये का कवर प्रदान किया जाता है।
- 1 लाख रुपये का कवर वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आर.आर.बी.), स्थानीय क्षेत्र के बैंकों (एल.ए.बी.) और सहकारी बैंकों में जमा के लिए है।

जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम के संदर्भ में जानकारी

- यह भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

- यह 15 जुलाई, 1978 को जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम अधिनियम, 1961 के अंतर्गत जमा राशि का बीमा प्रदान करने और क्रेडिट सुविधाओं की गारंटी देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।
- डी.आई.सी.जी.सी. बचत, सावधि जमा, आवर्ती जमा जैसे सभी बैंक जमा जमा को इश्योर करता है, यह बैंक में प्रत्येक जमा पर 100000 रूपए तक का कवर प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अर्थशास्त्र (बैंकिंग प्रणाली)

स्रोत- द हिंदू

3. किम्बरली प्रक्रिया प्रमाणन योजना

- किम्बरली प्रक्रिया प्रमाणन योजना (के.पी.सी.एस.) की समग्र बैठक की मेजबानी भारत द्वारा नई दिल्ली में की जा रही है।

किम्बरली प्रक्रिया के संदर्भ में जानकारी

- यह एक संयुक्त पहल है जिसमें संघर्ष हीरे के प्रवाह को रोकने के लिए सरकार, अंतर्राष्ट्रीय हीरा उद्योग और नागरिक समाज को शामिल किया गया है।
- संघर्ष हीरे का अर्थ विद्रोही आंदोलनों या उनके सहयोगियों द्वारा वैध सरकारों को कमजोर करने के उद्देश्य से संघर्ष के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले अपरिष्कृत हीरे हैं।
- यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यू.एन.एस.सी.) के प्रस्तावों में भी वर्णित है।
- वर्तमान में, के.पी.सी.एस. में 55 सदस्य हैं, जो 82 देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें 28 देशों के साथ यूरोप भी शामिल है।
- किम्बरली प्रक्रिया प्रतिभागियों ने संघर्ष हीरे के दुनिया भर में 99.8% व्यापार को सक्रिय रूप से रोका है।

भारत और के.पी.सी.एस.

- भारत, किम्बरली प्रक्रिया प्रमाणन योजना के संस्थापक सदस्यों में से एक है और वह के.पी. गतिविधियों में सक्रिय रूप से संलग्न रहता है जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि

दुनिया में लगभग 99% हीरा व्यापार संघर्ष-मुक्त है।

- भारत ने इससे पहले वर्ष 2008 में के.पी.एस.सी. की अध्यक्षता की थी।
- प्राकृतिक हीरे और प्रयोगशाला में बनाए गए हीरे के बीच भेदभाव के मुद्दे को संबोधित करने में भारत सबसे आगे है और इस क्षेत्र में जिम्मेदार व्यवसाय सुनिश्चित करता है।
- वर्तमान में, भारत लगभग 24 बिलियन अमरीकी डालर के कटे हुए और पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात करता है।
- वाणिज्य विभाग, नोडल विभाग है और रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जी.जे.ई.पी.सी.) को भारत में के.पी.सी.एस. आयात एवं निर्यात प्राधिकरण के रूप में नामित किया गया है।
- जी.जे.ई.पी.सी. के.पी. प्रमाणपत्र जारी करने हेतु जिम्मेदार है और देश में प्राप्त के.पी. प्रमाणपत्रों का संरक्षक भी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- पी.आई.बी.

4. राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा संस्थान

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आयुष मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन के रूप में लेह में राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा संस्थान की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है।
- यह संस्थान भारतीय उप-महाद्वीप में सोवा-रिग्पा के पुनरुद्धार को गति प्रदान करेगा।
- यह सोवा-रिग्पा के छात्रों के लिए न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों से भी अवसर प्रदान करेगा।

सोवा-रिग्पा के संदर्भ में जानकारी

- यह भारत में हिमालय बेल्ट की एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली है।
- यह सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल), हिमाचल प्रदेश, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और अब पूरे भारत में प्रचलित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य मुद्दा

स्रोत- पी.आई.बी.

5. स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण पुरस्कार 2019

- हाल ही में, रासायन एवं उर्वरक मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री और जल शक्ति मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2019 के पुरस्कारों से सम्मानित किया है।
- उन्होंने विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और जिलों को यह पुरस्कार दिया था।

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2019 के संदर्भ में जानकारी

- पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने मात्रात्मक और गुणात्मक स्वच्छता (स्वच्छता) मापदंडों के आधार पर भारत के सभी जिलों की रैंकिंग विकसित करने के लिए एक स्वतंत्र सर्वेक्षण एजेंसी के माध्यम से "स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2019" (एस.एस.जी. 2019) शुरू किया था।
- यह रैंकिंग मापदंडों के व्यापक सेट के आधार पर की गई थी जिसमें स्कूलों, आंगनवाड़ियों, पी.एच.सी., हाट/ बाजारों, पंचायत जैसे सार्वजनिक स्थानों के सर्वेक्षण शामिल थे।
- पुरस्कार प्राप्त करने वाले शीर्ष स्थान वाले राज्य और जिले:

समग्र रैंकिंग:

- शीर्ष 3 राज्य - 1) तमिलनाडु 2) हरियाणा 3) गुजरात
- शीर्ष 3 जिले - 1) पेद्दापल्ली, तेलंगाना 2) फरीदाबाद, हरियाणा 3) रेवाड़ी, हरियाणा
- अधिकतम नागरिक भागीदारी वाला राज्य- 1) उत्तर प्रदेश

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 -गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

6. वेस्ट बैंक

- हाल ही में, ट्रम्प प्रशासन ने घोषित किया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका, वेस्ट बैंक में इजरायल की बस्तियों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं मानता है।
- इस मुद्दे पर अमेरिका का नया दृष्टिकोण अधिकांश देशों से अलग है।



वेस्ट बैंक की बस्तियों के संदर्भ में जानकारी

- वेस्ट बैंक, गोवा के आकार की लगभग डेढ़ गुना भूमि है, जिस पर वर्ष 1948 के अरब-इजरायल युद्ध के बाद जॉर्डन द्वारा कब्जा कर लिया गया था।

- वर्ष 1967 के छह-दिवसीय युद्ध के दौरान इजरायल ने इसे वापस छीन लिया था और तब से इस पर कब्जा किए हुए हैं।
- इसने वेस्ट बैंक में कुछ 130 औपचारिक बस्तियों का निर्माण किया है और पिछले 20-25 वर्षों में इसी तरह की छोटी अनौपचारिक बस्तियों का विकास हुआ है।
- 4 लाख से अधिक इजरायलवासी, उनमें से कई धार्मिक ज़ायोनी लोग हैं, जो इस भूमि पर बाइबिल के जन्मसिद्ध अधिकार का दावा करते हैं, वे अब यहाँ लगभग 26 लाख फिलिस्तीनियों के साथ रहते हैं।

इजरायल की बस्तियों की वैधता

- संयुक्त राष्ट्र महासभा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने कहा है कि वेस्ट बैंक की बस्तियाँ चौथे जेनेवा सम्मेलन का उल्लंघन करती हैं।
- चौथे जेनेवा सम्मेलन (1949) के अंतर्गत, एक अधिभोग शक्ति "उस क्षेत्र में अपनी नागरिक आबादी के कुछ हिस्सों को निर्वासित या स्थानांतरित नहीं करेगी"।
- 1998 में अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय की स्थापना करने वाले रोम कानून के अंतर्गत, इस तरह के स्थानांतरण युद्ध अपराधों का गठन करते हैं, जैसा कि "व्यापक विनाश और संपत्ति का विनियोग, सैन्य आवश्यकता द्वारा उचित नहीं है और गैरकानूनी और अवैध रूप से किया जाता है"।
- वर्ष 1990 के ओस्लो समझौते के अंतर्गत, इजरायल और फिलिस्तीन दोनों ने इस बात पर सहमति जताई थी कि समझौता के बाद बस्तियों की स्थिति तय की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. आगरा का नामकरण 'अग्रवन' के रूप में किया जाएगा।

- उत्तर प्रदेश की सरकार आगरा का नाम बदलकर अग्रवन करने की योजना बना रही है।
- आगरा में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग को यह जांचने के लिए कहा गया है कि क्या शहर प्राचीन काल में किसी अन्य नाम से जाना जाता था।

पृष्ठभूमि:

- यूनानी खगोलशास्त्री, गणितज्ञ और भूगोलवेत्ता क्लॉडियस टॉलेमी, जो दूसरी शताब्दी ईस्वी में मिस्र के रोमन प्रांत के अलेक्जेंड्रिया शहर में रहते थे, उन्हें "आगरा" शहर का उल्लेख करने वाले पहले व्यक्ति के रूप में माना जाता है।
- 1885 में जे.डब्ल्यू. मैक्रिंडल द्वारा टॉलेमी के द्वारा वर्णित के रूप में प्राचीन भारत नामक शीर्ष के अनुवाद के अनुसार, उन्होंने अपनी प्रसिद्ध रचना जियोग्राफिया (भूगोल) में लिखा था।
- 1526-1707 तक मुगलों के अंतर्गत आगरा शहर, शीर्षक एक थीसिस के अनुसार, जिसे 2006 में जेबा सिद्दीकी द्वारा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग को प्रस्तुत किया गया था, आगरा का सबसे पुराना संदर्भ महाभारत में दिखाई देता है, जहाँ इसे "अग्रवन" के रूप में संदर्भित किया गया है।
- थीसिस में तर्क दिया गया है कि महाभारत से पहले के स्रोतों में शहर को आर्य गृह या आर्यों के घर के रूप में संदर्भित किया गया है।
- आगरा को मुगल काल के दौरान अकबराबाद के रूप में भी जाना जाता था।
- आगरा, 16वीं शताब्दी की शुरुआत में दिल्ली सल्तनत की राजधानी रही है।

क्लॉडियस टॉलेमी के संदर्भ में जानकारी

- वह अलेक्जेंड्रिया के एक ग्रीको-मिस्र लेखक थे जो एक गणितज्ञ, खगोलविद, भूगोलवेत्ता, ज्योतिषी और ग्रीक संकलन में एक एकल सूक्ति के कवि के रूप में जाने जाते थे।
- टॉलेमी, कई वैज्ञानिक ग्रंथों के लेखक थे।

1. अल्मागेस्ट
2. द जियोग्राफी, जो ग्रीको-रोमन दुनिया के भौगोलिक ज्ञान की गहन चर्चा है।
3. ज्योतिषीय ग्रंथ ट्रेट्राबिबलोस

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. श्रीलंका: महिंदा राजपक्षे ने नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है।
 - श्रीलंका में, रानिल विक्रमसिंघे के एक कार्यवाहक सरकार के लिए अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला करने के बाद महिंदा राजपक्षे को नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाएगी।
 - श्री राजपक्षे ने 2005 से 2015 के दौरान दो-कार्यकाल के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया है और वे, वर्तमान राष्ट्रपति गोतबया राजपक्षे के बड़े भाई हैं। उन्हें दो-कार्यकाल की सीमा के कारण राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था और प्रधानमंत्री के रूप में उनकी राजनीतिक वापसी होगी।
 - 15 मंत्रियों की एक कार्यवाहक कैबिनेट के भी शपथ ग्रहण की उम्मीद है। कार्यवाहक सरकार अगले साल की शुरुआत में संसदीय चुनाव होने तक नियमित कार्य करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय मामले

22.11.2019

1. स्मार्ट, सुरक्षा, निगरानी या 3एस. कार्यक्रम
 - केंद्र सरकार प्राथमिकता वाली दवाओं और टीकों के विपणन के बाद की निगरानी का अनुकूलन करने के लिए स्मार्ट, सुरक्षा, निगरानी अथवा 3एस. कार्यक्रम तक पहुँच का विस्तार करेगी।
 - यह सुनिश्चित करेगा कि सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत वितरित किए गए टीके सुरक्षित हैं।

3एस. परियोजना के संदर्भ में जानकारी

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) द्वारा भारत में पेश किए गए टीकों पर सीमित सुरक्षा आंकड़ों को देखते हुए इसकी सिफारिश की गई थी।
- डब्ल्यू.एच.ओ. विकासशील देशों में फार्माकोविजिलेंस प्रणाली को मजबूत करने के लिए बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के समर्थन के साथ 3एस कार्यक्रम को अपनाने के लिए जोर दे रहा है।

भारत और 3एस परियोजना

- 3एस परियोजना के हिस्से के रूप में, भारत हाल ही में शुरू किए गए रोटावायरस टीकों का मूल्यांकन कर रहा है।
- यह उच्च स्तर की सतर्कता सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) जैसे प्रमुख हितधारकों के बीच सहयोग को मजबूत करने की भी कोशिश कर रहा है।
- भारत में कार्यान्वित 3एस परियोजना ने कई डेटा सेटों के संश्लेषण की अनुमति दी है, जो कि प्रहरी निगरानी प्रणालियों से उच्च डेटा गुणवत्ता के साथ हैं, जो रोटावैक वैक्सीन की सुरक्षा के बारे में आश्वासन प्रदान करते हैं।
- भारत में 3एस प्राथमिकताओं में डेटा शेयरिंग, सिग्नल डिटेक्शन, जोखिम मूल्यांकन, जोखिम प्रबंधन, जोखिम संचार और विनियामक निर्णय निर्माण हेतु लाभ हानि मूल्यांकन के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच फार्माकोविजिलेंस गतिविधियों को जोड़ना था।
- सरकारें न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पी.सी.वी.) बढ़ाने और मानव पापिलोमावायरस (एच.पी.वी.) वैक्सीन और टाइफाइड के टीके लाने की योजना बना रही हैं।
- सरकार वर्ष 2022 तक सभी राज्यों में बच्चों के मध्य निमोनिया को रोकने वाली पी.सी.वी. के कवरेज का विस्तार करने की भी योजना बना रही है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य मुद्दा

स्रोत- लाइवमिंट

2. लोकसभा ने चिट फंड (संशोधन) विधेयक 2019 पारित किया है।

- लोकसभा ने चिट फंड (संशोधन) विधेयक, 2019 पारित किया है जो भारत में चिट फंड के संचालन को कारगर बनाने और निवेशकों के हितों की, मुख्य रूप से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की रक्षा करना चाहता है।
- यह विधेयक, चिट फंड अधिनियम, 1982 में संशोधन करना चाहता है, जो चिट फंड को विनियमित करता है और एक फंड को राज्य सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना बनाए जाने से रोकता है।
- कानून के अंतर्गत, व्यक्तियों द्वारा संचालित चिट फंड योजनाएं मौजूदा 1 लाख रुपये से अधिकतम 3 लाख रुपये तक बढ़ाई जा सकती हैं।
- फर्मों के लिए, चार या अधिक भागीदारों के साथ केंद्र ने राशि को 6 लाख से बढ़ाकर 18 लाख करने का प्रस्ताव किया था।
- बिल में प्रस्तावित बदलावों में उस व्यक्ति का अधिकतम कमीशन शामिल है जो चिट राशि के 5% से 7% तक फंड का प्रबंधन करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. मंत्रिमंडल ने जहाजों के पुनर्नवीनीकरण के अधिनियमन विधेयक, 2019 के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जहाजों के पुनर्नवीनीकरण के अधिनियमन विधेयक, 2019 और जहाजों के सुरक्षित और पर्यावरणीय रूप से अनुकूल पुनर्नवीनीकरण हेतु हांगकांग अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के परिग्रहण को मंजूरी प्रदान की है।

लाभ:

- प्रस्तावित विधेयक खतरनाक सामग्री के उपयोग या स्थापना को निषेध और प्रतिबंधित करता है, जो इस बात पर ध्यान दिए बिना लागू होता है

कि कोई जहाज पुनर्चक्रण के योग्य है या नहीं है।

- नए जहाजों के लिए, खतरनाक सामग्री के उपयोग पर इस तरह का प्रतिबंध या निषेध तत्काल होगा अर्थात् जिस तारीख से यह कानून लागू होता है, जब कि मौजूदा जहाजों के अनुपालन के लिए पांच वर्ष की अवधि होगी।
- खतरनाक सामग्री के उपयोग पर प्रतिबंध या निषेध, सरकार द्वारा संचालित युद्धपोतों और गैर-वाणिज्यिक जहाजों पर लागू नहीं होगा।
- जहाजों में प्रयुक्त खतरनाक सामग्री की सूची पर जहाजों का सर्वेक्षण और प्रमाणन किया जाएगा।
- विधेयक यह भी प्रावधान प्रदान करता है कि जहाजों को एक जहाज-विशिष्ट पुनर्नवीनीकरण योजना के अनुसार पुनर्नवीनीकृत किया जाएगा।
- भारत में पुनर्नवीनीकृत किए जाने वाले जहाजों को एच.के.सी. के अनुसार एक तैयार पुनर्नवीनीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त करने की आवश्यकता होगी।
- यह विधेयक कुछ अंतरराष्ट्रीय मानकों को निर्धारित करके और ऐसे मानकों को लागू करने के लिए वैधानिक तंत्र स्थापित करके जहाजों के पुनर्चक्रण के विनियमन हेतु प्रावधान प्रदान करने में मदद करता है।
- जब जहाजों के सुरक्षित और पर्यावरणीय रूप से अनुकूल पुनर्नवीनीकरण हेतु हांगकांग अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2009 लागू हो गया तो इसके प्रावधानों को जहाजों के पुनर्नवीनीकरण विधेयक, 2019 के प्रावधानों में लागू कर दिया जाएगा और इस आधार पर नियमों और विनियमों को लागू किया जाएगा।

पृष्ठभूमि:

- बाजार की 30% से अधिक की हिस्सेदारी के साथ भारत, वैश्विक जहाज पुनर्नवीनीकरण उद्योग में अग्रणी है।
- समुद्री परिवहन, 2018 की समीक्षा पर संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन रिपोर्ट के

अनुसार, वर्ष 2017 में भारत ने दुनिया भर में ज्ञात जहाज स्क्रेपिंग के 6323 टन को ध्वस्त कर दिया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- पी.आई.बी.

4. हिमायत मिशन

- जम्मू और कश्मीर प्रशासन ने हिमायत मिशन के अंतर्गत 42 परियोजनाओं को शामिल किया है।
- इस परियोजना के अंतर्गत, उन्हें 3 से 12 महीने की अवधि के लिए निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

हिमायत मिशन

- यह वर्ष 2011 से राज्य में लागू जम्मू और कश्मीर के बेरोजगार युवाओं के लिए एक प्लेसमेंट लिंकड कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम है।
- इस मिशन का उद्देश्य व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से रोजगार के अवसर प्रदान करके जम्मू-कश्मीर के युवाओं को सशक्त बनाना है।
- इसे हिमायत मिशन प्रबंधन इकाई, जम्मू और कश्मीर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (JKSRIM), राज्य में जम्मू और कश्मीर सरकार के द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
- यह योजना प्रधानमंत्री कार्यालय (पी.एम.ओ.) की कौशल सशक्तिकरण एवं रोजगार योजना का हिस्सा है।

पृष्ठभूमि

- यह कार्यक्रम वर्ष 2011 में प्रस्तुत डॉ. सी. रंगराजन समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों का एक परिणाम है जिसमें स्कूल/ कॉलेज छोड़ने वालों के लिए कौशल विकास की एक योजना का सुझाव दिया गया है।
- रिपोर्ट में युवाओं के कौशल-सेट में सुधार करके और प्लेसमेंट और स्व-रोजगार के लिए सहायता प्रदान करके रोजगार बढ़ाने का सुझाव दिया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- पी.आई.बी.

5. पेटेंट अभियोजन राजमार्ग कार्यक्रम

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय पेटेंट कार्यालय (आई.पी.एच.) द्वारा पेटेंट अभियोजन राजमार्ग (पी.पी.एच.) कार्यक्रम को अपनाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।
- पी.पी.एच. कार्यक्रम शुरू में केवल तीन वर्ष की अवधि के लिए जापान पेटेंट ऑफिस (जे.पी.ओ.) और भारतीय पेटेंट कार्यालय के बीच परीक्षण आधार पर शुरू होगा।
- इस परीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत, भारतीय पेटेंट कार्यालय को कुछ विशिष्ट तकनीकी क्षेत्रों में ही पेटेंट आवेदन प्राप्त हो सकते हैं।

भारतीय आई.पी. कार्यालय के लिए लाभ:

- पेटेंट आवेदनों के निपटान और लंबित पड़े रहने को कम करने के लिए समय में कमी
- एम.एस.एम.ई. और भारत के स्टार्टअप्स सहित भारतीय आविष्कारकों के लिए जापान में अपने पेटेंट आवेदनों की त्वरित परीक्षा प्राप्त करने हेतु एक अवसर
- पेटेंट कार्यालय कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु अपने स्वयं के दिशानिर्देशों को लागू करेंगे।

भारतीय पेटेंट कार्यालय

- भारतीय पेटेंट कार्यालय को पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क (CGPDTM) के महानिदेशक कार्यालय द्वारा प्रशासित किया जाता है।
- यह भारत सरकार का एक अधीनस्थ कार्यालय है और पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क्स के भारतीय कानून का प्रशासन करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. मंत्रिमंडल फार्मास्यूटिकल्स खरीद नीति के विस्तार को मंजूरी प्रदान की है।

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फार्मास्यूटिकल केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (CPSUs) के लिए फार्मास्यूटिकल खरीद नीति (पी.पी.पी.) के

विस्तार को उनके बंद होने या रणनीतिक विनिवेश तक मंजूरी प्रदान की है।

- नीति के विस्तार या नवीनीकरण से फार्मा सी.पी.एस.यू. को उनकी मौजूदा सुविधाओं के इष्टतम उपयोग में मदद मिलेगी।

फार्मास्यूटिकल्स खरीद नीति

- फार्मा सी.पी.एस.यू. और उनकी सहायक कंपनियों द्वारा निर्मित 103 दवाओं के संबंध में वर्ष 2013 में इसे पांच वर्ष के लिए मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- यह नीति केंद्र/ राज्य सरकार के विभागों और उनके सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा खरीद के लिए लागू है।
- उत्पादों का मूल्य निर्धारण राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एन.पी.पी.ए.) द्वारा किया जाता है।
- वर्ष 2018 में पॉलिसी की अवधि समाप्त हो गई थी।

राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के संदर्भ में जानकारी

- यह केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अंतर्गत फार्मास्यूटिकल्स विभाग के अंतर्गत एक स्वतंत्र निकाय है।
- इसके कार्य निम्न हैं:
- नियंत्रित थोक दवाओं की कीमतों और फार्मूलेशन को ठीक/ संशोधित करना
- औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 1995/2013 के अंतर्गत दवाओं के मूल्यों और उपलब्धता को लागू करना
- उपभोक्ताओं से नियंत्रित दवाओं के लिए निर्माताओं द्वारा ओवरचार्ज की गई राशि की वसूली करना
- उचित मात्रा में रखने के लिए अनियंत्रित दवाओं की कीमतों की निगरानी करना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य मुद्दा

स्रोत- पी.आई.बी.

7. भारतीय प्रदर्शन अधिकार सोसाइटी

- मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ई.ओ.डब्ल्यू.) ने भारतीय प्रदर्शन अधिकार सोसाइटी (आई.पी.आर.एस.) की एक शिकायत पर यशराज फिल्म्स (वाई.आर.एफ.) प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की है।
- वर्ष 2017 में कॉपीराइट सोसायटी के रूप में पुनः पंजीकृत होने के बाद आई.पी.आर.एस. द्वारा शुरू किया गया यह पहला आपराधिक मामला है।

भारतीय प्रदर्शन अधिकार सोसाइटी के संदर्भ में जानकारी

- यह संगीत मालिकों, संगीतकारों, गीतकारों और संगीत के प्रकाशकों सहित कलाकारों का एक प्रतिनिधि निकाय है, जो कलाकारों से रॉयल्टी जमा करता है यदि उनके काम का उपयोग शादी से लेकर नए साल के समारोह या रेडियो या टीवी पर कहीं भी किया जाता है।
- यह निकाय 1969 में स्थापित किया गया था और 2017 में कॉपीराइट सोसायटी के रूप में पुनः पंजीकृत किया गया था, जिसके बाद इसने सक्रिय रूप से काम करना शुरू कर दिया है।

पृष्ठभूमि

- द कॉपीराइट अधिनियम, 1957 में 2012 संशोधन किया गया था, जिससे कि कलाकारों को हर बार उनके काम में 50% रॉयल्टी मिलेगी भले ही कॉपीराइट प्रोडक्शन हाउस या म्यूजिक ब्रांड के पास रहे।
- आई.पी.आर.एस. "संगीत के साथ साहित्यिक कार्य"- जिसका अर्थ गीतकार, संगीत संगीतकार और संगीत के प्रकाशक हैं, में शामिल कलाकारों के कारण 50% रॉयल्टी इकट्ठा करने हेतु जिम्मेदार है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण संगठन

स्रोत- द हिंदू

8. इंदरिस एल्बा

- वैज्ञानिकों ने वास्प की प्रजाति को इंदरिस एल्बा नाम दिया है जो पुनः फसलों एक रक्षक है, जो हाल ही में मैक्सिको में खोजा गया है।

- वास्प को एक अन्य कीट के अंडों में परजीवी के रूप में जीवित पाया जाता था, जिसे बाग्याड बग के नाम से जाना जाता है, जो कि सलीबदारी सब्जियों का एक प्रमुख कीट है।
- इदरीस की प्रजातियां पहले केवल मकड़ी के अंडे परजीवी करने के लिए जानी जाती थीं।
- अन्य संबंधित वास्प को मकड़ी के अंडों को मारने के लिए जाना जाता है लेकिन ऐसा पहली बार है जब वैज्ञानिकों ने बदबूदार कीड़े के अंडों के प्रति वास्प का परजीवी कार्य देखा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- साइंस डेली

9. एवियन बोटुलिज्म ने सांभर में 18,000 पक्षियों को मार डाला है: सरकार की रिपोर्ट
- एक रिपोर्ट में बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आई.वी.आर.आई.) ने कहा है कि एवियन बोटुलिज्म ने राजस्थान की सांभर झील में और उसके आसपास 18,000 से अधिक पक्षी मार दिए हैं।

बोटुलिज्म के संदर्भ में जानकारी

- यह एक प्राकृतिक विष है जो क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिन नामक जीवाणु द्वारा उत्पन्न किया जाता है।
- जब यह प्रजनन शुरू करता है तो यह विष का उत्पादन करता है।
- यह जीवाणु सामान्यतः मिट्टी, नदी और समुद्री जल में पाया जाता है।
- बोटुलिज्म विष के लगभग आठ प्रकार-A, B, C1, C2, D, E, F और G हैं और निदान होने पर इनमें अंतर किया जाता है।
- एक अध्ययन में कहा गया है कि सभी प्रकार के विषाक्त पदार्थ न्यूरोन्स पर हमला करते हैं जो मांसपेशियों के पक्षाघात की ओर जाता है।
- बोटुलिज्म मनुष्यों और जानवरों दोनों को प्रभावित करता है लेकिन विष का प्रकार भिन्न होता है, पक्षियों में बोटुलिज्म C और मनुष्यों में A, B और E पाए जाते हैं।

- विष को 1900 के दशक से जंगली पक्षियों में मृत्यु का एक प्रमुख कारण माना गया है।

जीवाणु के विकास हेतु पर्यावरण अनुकूल परिस्थितियां

- अवायवीय (ऑक्सीजन की अनुपस्थिति) स्थिति, बुनियादी स्थिति (पी.एच. 7.4-9.84 के बीच होती है), पानी का तापमान लगभग 25 डिग्री सेल्सियस होता है
- इसमें पोषक तत्वों से भरपूर सब्सट्रेट की भी आवश्यकता होती है, जैसे कि बड़ी मात्रा में क्षय करने वाले पौधे या पशु सामग्री का क्षेत्र है।
- रिपोर्टों के अनुसार, यह जीवाणु स्वस्थ मछली के गलफड़े और पाचन तंत्र में भी पाए जाते हैं।
- वे तापमान परिवर्तन और सुखाने के लिए प्रतिरोधी हैं लेकिन अनुकूल परिस्थितियों में बीजाणु सक्रिय हो जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

10. इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर तीन अलग-अलग मामलों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं।
- इजराइल के अटॉर्नी जनरल ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर तीन अलग-अलग मामलों के संबंध में रिश्वत, धोखाधड़ी और विश्वास के उल्लंघन का आरोप लगाया है।
- श्री नेतन्याहू पर आरोप है कि उन्होंने धनी व्यापारियों से उपहार स्वीकार किए हैं और अधिक सकारात्मक प्रेस कवरेज प्राप्त करने की कोशिश में उनका समर्थन किया है।
- प्रधानमंत्री ने भ्रष्ट प्रक्रिया पर विरोधियों पर आरोप लगाते हुए आरोपों को एक एक तख्तापलट का प्रयास बताया है। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा है कि वह इस्तीफा नहीं देंगे और ऐसा करने के लिए वह कानूनी रूप से बाध्य नहीं हैं।
- अप्रैल और सितंबर में दो अनिश्चित आम चुनावों के बाद इजरायल में राजनीतिक गतिरोध के बीच यह घोषणा की गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

25.11.2019

1. भारत में शिक्षा पर घरेलू सामाजिक उपभोग पर सर्वेक्षण एन.एस.एस. 75वां राउंड (जुलाई 2017-जून 2018)

- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एन.एस.ओ.), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने घरेलू सामाजिक उपभोग: शिक्षा पर राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के 75वें राउंड के हिस्से के रूप में एक सर्वेक्षण किया है।
- घरेलू सामाजिक उपभोग: शिक्षा पर एन.एस.एस. के 75वें राउंड के सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में 3 से 35 वर्ष की आयु के व्यक्तियों की भागीदारी पर संकेतकों का निर्माण करना है।

सर्वेक्षण की मुख्य निष्कर्ष

भारत में साक्षरता दर और शिक्षा का स्तर

- 7 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में साक्षरता दर 77.7% थी।
- यह दर ग्रामीण इलाकों में 73.5% और शहरी क्षेत्रों में 87.7% थी।

3 से 35 वर्ष की आयु के व्यक्तियों का नामांकन और उपस्थिति

- 3 से 35 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में 13.6% ने कभी नामांकन नहीं किया है, 5% ने कभी नामांकन किया है लेकिन वर्तमान में भाग नहीं ले रहे हैं जब कि 43.9% वर्तमान में भाग ले रहे हैं।
- ग्रामीण क्षेत्रों में, 7% ने कभी नामांकन नहीं किया है, 40.15% ने कभी नामांकन नहीं किया है लेकिन वर्तमान में भाग नहीं ले रहे हैं जब कि 43.5% वर्तमान में भाग ले रहे हैं।
- शहरी क्षेत्रों में, 3% ने कभी नामांकन नहीं किया है, 46.9% ने कभी नामांकन नहीं किया है लेकिन वर्तमान में भाग नहीं ले रहे हैं जब कि 44.8% वर्तमान में भाग ले रहे हैं।

प्राथमिक स्तर पर कुल उपस्थिति अनुपात (एन.ए.आर.)

86.1% था। यह आंकड़ा उच्च प्राथमिक/ माध्यमिक स्तर

पर 72.2% और प्राथमिक और उच्च प्राथमिक/ माध्यमिक स्तर पर 89.0% था।

- i. वर्तमान में पूर्व-प्राथमिक और उच्च स्तर के बुनियादी पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले 3 से 35 वर्ष की आयु के छात्रों की शिक्षा पर व्यय है।
- ii. ग्रामीण क्षेत्रों में, वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में सामान्य पाठ्यक्रम के लिए प्रति छात्र औसत खर्च 5,240 रु जब कि शहरी क्षेत्रों में यह खर्च 16,308 रु है।
- iii. ग्रामीण क्षेत्रों में, वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में तकनीकी/ व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए प्रति छात्र औसत व्यय 32,137 रुपये था जब कि शहरी क्षेत्रों में यह खर्च 64,763 रुपए था।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.)

- लगभग 4.4% ग्रामीण परिवारों और 23.4% शहरी परिवारों के पास कंप्यूटर था।
- लगभग 14.9% ग्रामीण परिवारों और 42.0% शहरी घरों में इंटरनेट की सुविधा थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 -गवर्नंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. दल्लोल भूतापीय क्षेत्र: पृथ्वी का सबसे निर्जन स्थान

- नेचर इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन नामक पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि इथियोपिया के दल्लोल भूतापीय क्षेत्र के गर्म, खारे, अत्यधिक अम्लीय तालाबों में सूक्ष्म जीवों का कोई भी रूप अनुपस्थित था।
- वैज्ञानिकों ने सत्यापित किया है कि इन नमकीन, गर्म और अत्यधिक अम्लीय तालाबों में या आस-पास मैग्नीशियम युक्त नमकीन झीलों में कोई भी सूक्ष्मजीव नहीं है।

दल्लोल भूतापीय क्षेत्र

- यह इथियोपिया में एक अद्वितीय, स्थलीय हाइड्रोथर्मल प्रणाली है।
- दानाकली के इथियोपियाई अवसाद में स्थित दल्लोल का नारकीय क्षेत्र नमक से भरे एक

ज्वालामुखी गढ़े पर फैला हुआ है, जहां जहरीली गैसों निकलती हैं और तीव्र हाइड्रोथर्मल गतिविधि के मध्य पानी उबलता है।

- सर्दियों में दैनिक तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो सकता है और नकरात्मक पी.एच. मान के साथ प्रचुर मात्रा में अत्यधिक खारे और अत्यधिक अम्लीय तालाब मौजूद हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- न्यूज18

3. भारत में पेयजल, स्वच्छता, सफाई और आवास स्थिति पर एन.एस.एस. रिपोर्ट

- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एन.एस.ओ.), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के 76वें राउंड के हिस्से के रूप में पेयजल, स्वच्छता, सफाई और आवास स्थिति पर एक सर्वेक्षण किया है।
- इससे पहले, 65वें राउंड (जुलाई 2008-जून 2009) और 69वें राउंड (जुलाई-दिसंबर 2012) के दौरान एन.एस.ओ. द्वारा समान विषय पर सर्वेक्षण किए गए थे।
- सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य थे:
 - i. पेयजल की सुविधाओं के बारे में जानकारी एकत्र करना
 - ii. घरों के लिए उपलब्ध आवास सुविधाओं के साथ स्वच्छता
 - iii. घरों के आसपास के सूक्ष्म पर्यावरण जो लोगों के जीवन स्तर की समग्र गुणवत्ता के महत्वपूर्ण निर्धारक हैं।

सर्वेक्षण के महत्वपूर्ण निष्कर्ष:

पेयजल की सुविधा

- ग्रामीण क्षेत्रों में घरों के लिए पेयजल का प्रमुख स्रोत हैंडपंप थे और शहरी इलाकों में घरों के लिए पाइप द्वारा जल आपूर्ति थी।
- ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 42.9% घरों में पेयजल के मुख्य स्रोत के रूप में हैंड पंप का उपयोग किया

जाता है और शहरी क्षेत्रों में लगभग 40.9% घरों में पेयजल के मुख्य स्रोत के रूप में पाइप द्वारा जल आपूर्ति उपयोग किया जाता है।

बाथरूम और स्वच्छता की सुविधा:

- ग्रामीण इलाकों में लगभग 50.3% और शहरी क्षेत्रों में लगभग 75% घरों में बाथरूम की विशेष पहुंच थी।
- ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 56.6% और शहरी क्षेत्रों में लगभग 91.2% घरों में बाथरूम तक पहुंच थी।
- जिन घरों में बाथरूम की सुविधा थी, उनमें से ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 48.4% और शहरी क्षेत्रों में लगभग 74.8% में आवास इकाई से जुड़े बाथरूम थे।

टेनुरियल स्थिति और घरेलू विशेषताएं:

- ग्रामीण इलाकों में लगभग 96.0% और शहरी क्षेत्रों में लगभग 63.8% परिवारों के पास अपनी स्वयं की आवास इकाई थी।
- घरों में रहने वाले परिवारों (अर्थात आवास इकाइयों वाले घर) में, ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 96.7% और शहरी क्षेत्रों में लगभग 91.5% घरों में केवल आवासीय उद्देश्य के लिए घर का उपयोग किया जाता है।

सूक्ष्म पर्यावरण:

- घरों में रहने वाले परिवारों में, गांवों में लगभग 48.3% और शहरी क्षेत्रों में लगभग 86.6% घरों में खाना पकाने के लिए रसोई गैस का उपयोग किया जाता है।
- घरों में रहने वाले परिवारों में, ग्रामीण इलाकों में लगभग 61.1% और शहरी क्षेत्रों में लगभग 92.0% घरों में अपशिष्ट जल/ तरल अपशिष्ट के निपटान हेतु जल निकासी की व्यवस्था थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

4. सैन्य सूचना सामान्य सुरक्षा समझौता (GSOMIA)

- एक प्रमुख नीति उलटफेर को दक्षिण कोरिया ने कम से कम अस्थायी रूप से जारी रखने का फैसला

किया है, वर्ष 2016 में जापान के साथ एक सैन्य खुफिया-साझाकरण समझौता GSOMIA हुआ था, जिसमें पहले कहा गया था कि यह युद्धकालीन इतिहास और व्यापार पर चल रहे तनाव के बीच समाप्त हो जाएगा।

GSOMIA संधि के संदर्भ में जानकारी

- जापान और दक्षिण कोरिया के बीच खुफिया विनिमय करने का विचार पहली बार 1980 के दशक के उत्तरार्ध में दिया गया था।
- वर्ष 2012 में, दोनों देशों के GSOMIA पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद थी लेकिन समझौते के खिलाफ दक्षिण कोरिया में सार्वजनिक नाराजगी के कारण ऐसा नहीं हो सका था।
- उत्तर कोरिया के बढ़ते खतरे के बीच GSOMIA की आवश्यकता महसूस की गई थी, विशेषकर जब उसने परमाणु परीक्षण करना और बैलिस्टिक मिसाइलों का विकास शुरू किया था।

जापान और दक्षिण कोरिया संबंध

- कोरिया, जापान का एक पूर्व उपनिवेश है, जो एक औपनिवेशिक शासन है जो 1910-1945 के बीच 35 वर्षों तक चला था।
- कोरिया में "जापान विरोधी" भावना के पीछे जापानी शासन आज भी है।
- दक्षिण कोरिया और जापान दोनों अमेरिकी सहयोगी हैं लेकिन हाल के वर्षों में, डोकडो द्वीपों पर क्षेत्रीय विवाद को देखते हुए दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए हैं, जिसे जापान में ताकेशिमा के रूप में जाना जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **सीक्रेटागोगिन: एक प्रोटीन जो रक्त शर्करा के स्तर को विनियमित करने में मदद करता है।**
- हैदराबाद में सी.एस.आई.आर.-कोशिकीय एवं आणुविक जीव विज्ञान केंद्र (सी.सी.एम.बी.) के वैज्ञानिकों ने मोटापे से होने वाली मधुमेह में इंसुलिन कार्रवाई बढ़ाने में एक प्रोटीन

सीक्रेटागोगिन (एस.सी.जी.एन.) की भूमिका का प्रदर्शन किया है।

सीक्रेटागोगिन के संदर्भ में जानकारी

- सेक्रेटागोगिन, मधुमेह के खिलाफ चिकित्सीय क्षमता वाला एक कार्यात्मक इंसुलिन-बाध्यकारी प्रोटीन है।
- यह इंसुलिन को बांधता है और इसे विभिन्न तनावों से बचाता है, इसकी स्थिरता बढ़ाता है और इसकी कार्रवाई को बढ़ाता है।
- यह कहा गया कि विभिन्न प्रकार के कोशिकीय तनावों से इंसुलिन की संरचना और कार्य में हानि हो सकती है, जो अंततः मधुमेह का कारण बन सकता है।
- वैज्ञानिकों ने मोटे मधुमेह के चूहों में एस.सी.जी.एन. (मधुमेह के रोगियों में निचले स्तर पर पाया गया) का एक इंजेक्शन देकर दिखाया है कि यह परिसंचरण से अतिरिक्त इंसुलिन को साफ करता है और वसा द्रव्यमान को कम करता है।

नोटः

- वर्तमान में, मधुमेह में इंसुलिन संश्लेषण, परिपक्वता, स्राव और संकेतन को विनियमित करने वाली प्रक्रियाओं को पूरी तरह से समझा नहीं गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- ए.आई.आर.

6. बुडापेस्ट सम्मेलन

- हाल ही में, भारत ने यूरोप के नेतृत्व वाले बुडापेस्ट सम्मेलन के एक गैर-सदस्य के रूप में अपना दर्जा बनाए रखा है, यहां तक कि भारत ने एक अलग सम्मेलन की स्थापना के लिए रूस के नेतृत्व वाले संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है।

बुडापेस्ट सम्मेलन के संदर्भ में जानकारी

- यूरोपीय परिषद साइबर क्राइम सम्मेलन (सी.ई.टी.एस. सं. 185) को बुडापेस्ट सम्मेलन के रूप में भी जाना जाता है।

- यह एक बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है।
- बुडापेस्ट सम्मेलन को कंप्यूटर द्वारा फैलाई गई विदेशियों के प्रति घृणा और जातिवाद पर एक प्रोटोकॉल द्वारा पूरक किया गया है।
- यह सम्मेलन इंटरनेट और अन्य कंप्यूटर नेटवर्कों के माध्यम से होने वाले अपराधों पर पहली अंतर्राष्ट्रीय संधि है, जो विशेष रूप से कॉपीराइट के उल्लंघन, कंप्यूटर-संबंधित धोखाधड़ी, बाल पोर्नोग्राफी, घृणा अपराधों और नेटवर्क सुरक्षा के उल्लंघन से निपटती है।
- इसका मुख्य उद्देश्य प्रस्तावना में निर्धारित किया गया है जो साइबर अपराध के खिलाफ समाज की सुरक्षा के उद्देश्य से विशेष रूप से उपयुक्त कानून को अपनाकर और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देकर एक सामान्य आपराधिक नीति को आगे बढ़ाना है।
- सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है:
 - i. साइबर अपराध के क्षेत्र में संबंधित प्रावधानों और अपराधों के घरेलू आपराधिक मूल कानून तत्वों का सामंजस्य स्थापित करना
 - ii. ऐसे अपराधों की जांच और अभियोजन के लिए आवश्यक घरेलू आपराधिक प्रक्रियात्मक कानूनी शक्तियां प्रदान करने के साथ-साथ कंप्यूटर सिस्टम के माध्यम से किए गए अन्य अपराधों या जिनके संबंध में साक्ष्य इलेक्ट्रॉनिक रूप में है, के लिए भी प्रावधान प्रदान करना
 - iii. अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक तेज और प्रभावी शासन स्थापित करना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण सम्मेलन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. नोमुरा का खाद्य भेद्यता सूचकांक

- नोमुरा ग्लोबल मार्केट रिसर्च की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत को नोमुरा के खाद्य भेद्यता सूचकांक में 110 देशों में से 44वां स्थान प्रदान किया गया है।

- नोमुरा एक वित्तीय सेवा समूह है, जिसका 30 देशों में एक एकीकृत वैश्विक नेटवर्क है, इसका मुख्यालय एशिया में स्थित है।

नोमुरा के खाद्य भेद्यता सूचकांक के संदर्भ में जानकारी

- एन.एफ.वी.आई. खाद्य कीमतों में बड़े अंतरों के खुलासे के आधार पर देशों को स्थान प्रदान करता है।
- इस अनुमान पर पहुंचने के लिए नोमुरा निम्नलिखित तीन घटकों को देखता है:
 - i. देश की प्रति व्यक्ति जी.डी.पी.
 - ii. घरेलू खपत में भोजन का हिस्सा
 - iii. शुद्ध खाद्य आयात

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले महीनों में खाद्य मूल्य में सबसे अधिक गिरावट वाले 50 देश बड़े पैमाने पर उभरते बाजार समूह से संबंधित हैं।
- शीर्ष 50 देश एक साथ वैश्विक आबादी का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो भारी संख्या में असुरक्षित व्यक्तियों और परिवारों को दर्शाते हैं।

भारत और रिपोर्ट

- 110 देशों में से भारत को 44 वां स्थान दिया गया है, अधिक स्थान खराब होता है।
- यह सत्य है कि, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति 4.6% पर है, जो कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित है, यह अक्टूबर में 16 महीने के उच्चतम स्तर को छू गई थी।
- अधिकांश अनुमानों का सुझाव है कि खुदरा मुद्रास्फीति वर्तमान वित्तीय वर्ष के अंत तक आर.बी.आई. के लक्ष्य स्तर 4% से ऊपर रहेगी।

भारत में खाद्य मुद्रास्फीति क्यों बढ़ी है?

- खाद्य मुद्रास्फीति लगभग 8% बढ़ी है, जो समय खुदरा मुद्रास्फीति की दर की लगभग दोगुनी है।
- इस वृद्धि में योगदान देने वाली प्रमुख वस्तुएँ दालें (मुद्रास्फीति दर 12%) और सब्जियाँ (मुद्रास्फीति दर 26%) और मछली और मांस (मुद्रास्फीति दर 10%) थीं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वपूर्ण सूचकांक

स्रोत- द हिंदू

8. आल्मी तब्लीघी इज्तिमा, दुनिया का सबसे बड़ा इस्लामिक सम्मेलन भोपाल में शुरू हुआ है।

- मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में दुनिया का सबसे बड़ा इस्लामिक सम्मेलन आल्मी तब्लीघी इज्तिमा शुरू हुआ है।
- 54 देशों के दस लाख से अधिक लोगों के सम्मेलन में शामिल होने की उम्मीद है, जो 25 नवंबर तक जारी रहेगी।

आल्मी तब्लीघी इज्तिमा के संदर्भ में जानकारी

- यह दुनिया भर के मुसलमानों को कुछ महत्वपूर्ण धार्मिक-आध्यात्मिक संदेश देने हेतु एक मंच है।
- आल्मी तब्लीघी इज्तिमा की सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि इसका कोई राजनीतिक संबंध नहीं है।

पृष्ठभूमि

- इज्तिमा की शुरुआत भोपाल में नवाबों के दौर में हुई थी और अब यह दुनिया भर में भोपाल की पहचान बन गई है। पहली आल्मी तब्लीघी इज्तिमा 1944 में भोपाल में हुई थी और तब केवल 14 लोग इसमें शामिल हुए थे।
- इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रूस, फ्रांस, इंडोनेशिया, मलेशिया, इराक और सऊदी अरब सहित दुनिया भर के हजारों लोग भोपाल पहुंचते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

9. सरकार ने छह प्लास्टिक पार्क स्थापित करने को मंजूरी प्रदान की है।

- रसायन एवं उर्वरक मंत्री ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा है कि सरकार ने देश के विभिन्न हिस्सों में छह प्लास्टिक पार्क स्थापित करने को मंजूरी प्रदान की है।

प्लास्टिक पार्क के संदर्भ में जानकारी

- ये पार्क असम, मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड और तमिलनाडु में स्थित हैं।
- इन पार्कों में अत्याधुनिक अवसंरचना निर्माण के साथ पारिस्थितिकी तंत्र होगा और यह घरेलू

डाउनस्ट्रीम प्लास्टिक प्रसंस्करण उद्योग की क्षमताओं को समेकित और समन्वित करने के लिए सामान्य सुविधा को सक्षम करेगा।

- सरकार, परियोजना लागत का 50 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान कर रही है।
- शेष परियोजना लागत को राज्य सरकार के लाभार्थी उद्योगों और वित्तीय संस्थानों से ऋण द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- पी.आई.बी.

10. के-12 एजुकेशन ट्रांसफॉर्मेशन फ्रेमवर्क

- हाल ही में, माइक्रोसॉफ्ट ने भारत में स्कूलों के व्यापक डिजिटल परिवर्तन को सुविधाजनक बनाने के लिए अपना 'के-12 एजुकेशन ट्रांसफॉर्मेशन फ्रेमवर्क' शुरू किया है।

के-12 एजुकेशन ट्रांसफॉर्मेशन फ्रेमवर्क के संदर्भ में जानकारी

- इस फ्रेमवर्क का उद्देश्य भारत में स्कूलों के व्यापक डिजिटल परिवर्तन को सुविधाजनक बनाना है।
- यह कई स्कूलों की तलाश और महत्वाकांक्षी परिवर्तन लाने के लिए शक्तिशाली और उत्पादक तरीके से प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए कुशल उपकरण प्रदान करेगा।
- यह फ्रेमवर्क एक लचीला मंच है जो सैकड़ों शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के नवीनतम अनुसंधान और इनपुट पर आधारित है।
- इसमें चार स्तंभ शामिल हैं:
- नेतृत्व और नीति
- आधुनिक शिक्षण और अधिगम
- बुद्धिमान वातावरण
- प्रौद्योगिकी ब्लूप्रिंट

नोट:

- यह ढांचा मॉडल, पहले से ही 50 से अधिक देशों में शिक्षा के नेताओं द्वारा अपनाया गया है जिससे कि उनकी सीखने की रणनीतियों की योजना बनाई जा सके।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत- पी.आई.बी.

26.11.2019

1. व्याख्या: नियम 12 क्या है, जिसका प्रयोग महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन को रद्द करने के लिए केंद्र द्वारा किया गया है।

- हाल ही में, केंद्र सरकार ने नियम 12 का उपयोग करके महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन को रद्द कर दिया है, जो केंद्र सरकार के व्यापार नियमों के लेन-देन में एक विशेष खंड है।

'नियम 12' के संदर्भ में जानकारी

- भारत सरकार का नियम 12 (व्यवसाय का लेन-देन) नियम, 1961, प्रधानमंत्री को अपने विवेक पर निर्धारित मानदंडों से हटने की अनुमति देता है।
- नियम 12 में कहा गया है, "प्रधानमंत्री इस मामले में या मामलों के समूह में इन नियमों से छूट या अनुज्ञा दे सकते हैं, जिस हद तक वह आवश्यक समझें।"
- मंत्रिमंडल बाद में नियम 12 के अंतर्गत लिए गए किसी भी निर्णय के लिए कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान कर सकता है।

नियम 12 का उपयोग किन परिस्थितियों में किया जाता है?

- नियम 12 सामान्यतः सरकार द्वारा प्रमुख निर्णय लेने के लिए उपयोग नहीं किया जाता है।
- हालांकि, अभी तक इसका उपयोग एक कार्यालय जापन को वापस लेने या समझौता जापन पर हस्ताक्षर करने जैसे मामलों में किया गया है।
- नियम 12 के आह्वान के माध्यम से लिया गया आखिरी बड़ा निर्णय 31 अक्टूबर को जम्मू और कश्मीर राज्य का केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख में पुनर्गठन करना था।
- उस दिन राष्ट्रपति द्वारा जारी की गई उद्घोषणा ने कई जिलों को दो केंद्र शासित प्रदेशों के मध्य विभाजित किया था, यह उद्घोषणा नियम 12 के अंतर्गत जारी की गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **संगाई महोत्सव**

- मणिपुर में बर्मा के राजदूत मोए क्यॉ आंग के साथ संग्गाई महोत्सव की शुरुआत हो गई है, उन्होंने कहा है कि भारत का पूर्वोत्तर, अधिनियम पूर्व नीति के हृदय का प्रतिनिधित्व करता है।

संगाई महोत्सव के संदर्भ में जानकारी

- इस महोत्सव का नाम राज्य पशु, संग्गाई के नाम पर रखा गया है, शाखादार सींग वाला हिरण केवल मणिपुर में पाया जाता है।
- यह वर्ष 2010 में शुरू हुआ था और वर्षों से मणिपुर के लिए एक बड़ा मंच बन गया है जिसके माध्यम से इसकी समृद्ध परंपरा और संस्कृति को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया जा सके।
- यह राज्य के सबसे भव्य महोत्सव के रूप में अंकित किया जाता है और यह मणिपुर को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **गोल्डन चावल**

- बांग्लादेश गोल्डन चावल की खेती करने वाला पहला देश हो सकता है, जिसे अंधेपन से लड़ने के लिए आनुवंशिक रूप से परिवर्तित किया गया है।
- गोल्डन चावल को बांग्लादेश में फिलिपींस आधारित अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित किया गया है।

गोल्डन चावल के संदर्भ में जानकारी

- यह चावल की एक किस्म (ओरिजा सैतिवा) है, जिसे विटामिन A के अग्रदूत, बीटा कैरोटीन का जैव संश्लेषण करने हेतु आनुवंशिक इंजीनियरिंग के माध्यम से उगाया जाता है।
- यह आहार में विटामिन A की कमी वाले क्षेत्रों में उगाए जाने वाले और खपत होने वाले पोषणयुक्त खाद्य का उत्पादन करने का इरादा रखता है।

- इस चावल में प्राकृतिक रूप से वर्णक बीटा-कैरोटीन कम मात्रा में है, जिसका उपयोग शरीर विटामिन A बनाने के लिए करता है।
- गोल्डन चावल में वर्णक बीटा-कैरोटीन उपस्थित होता है, जिसके कारण इसका रंग सुनहरा होता है।

विटामिन A के संदर्भ में जानकारी

- विटामिन A, एक वसा में घुलनशील विटामिन है, जिसे रेटिनोइड्स के रूप में भी जाना जाता है जो शरीर में स्वस्थ दृष्टि, त्वचा, हड्डियों और अन्य ऊतकों के लिए अच्छा होता है।
- विटामिन A की कमी (वी.ए.डी.) या हाइपोविटामिनोसिस A, रक्त और ऊतकों में विटामिन A की कमी है।
- विटामिन A की कमी से कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं जिनमें शामिल हैं
 - i. रतौंधी
 - ii. कूपिक हाइपरकेराटोसिस, जिसके कारण त्वचा रूखी हो सकती है
 - iii. बच्चों में वृद्धि में देरी आदि

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- लाइवमिंट

4. गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम
 - गृह मंत्रालय ने राज्यसभा में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यू.ए.पी.ए.) पर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एन.सी.आर.बी.) डेटा प्रदान किया है।
 - एन.सी.आर.बी. से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मणिपुर में सख्त गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यू.ए.पी.ए.) के अंतर्गत 35% से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं।
 - आंकड़ों से ज्ञात होता है कि उत्तर प्रदेश में केवल 12% मामले दर्ज किए गए हैं, फिर भी अधिनियम के अंतर्गत की गई गिरफ्तारियों की संख्या के मामले में राज्य शीर्ष पर है।
 - मणिपुर, जम्मू और कश्मीर में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के अंतर्गत अधिकतम मामले दर्ज किए गए हैं।

यू.ए.पी.ए. के संदर्भ में जानकारी

- यू.ए.पी.ए. के अंतर्गत, जांच एजेंसी गिरफ्तारी के बाद अधिकतम 180 दिनों में चार्जशीट दायर कर सकती है और अदालत को सूचित करने के बाद अवधि को और अधिक बढ़ाया जा सकता है।
- आतंकवाद-रोधी अधिनियम में अधिकतम सजा के रूप में मृत्युदंड और आजीवन कारावास है।
- अगस्त में, संसद ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम), संशोधन विधेयक, 2019 को व्यक्तियों को आतंकवादियों के रूप में नामित करने हेतु मंजूरी प्रदान की है।
- वर्ष 1967 में अधिनियमित किए गए यू.ए.पी.ए. को पहली बार 2004, फिर 2008 और 2013 में संशोधित किया गया था।
- 2004 के संशोधन में आतंकवादी गतिविधियों के लिए संगठनों पर प्रतिबंध लगाना था, जिसके अंतर्गत 34 संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और यह संख्या धीरे-धीरे बढ़कर 42 हो गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. एक सरकारी सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ है कि 2.2% भारतीय विकलांग हैं।
 - राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एन.एस.ओ.), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एन.एस.एस.) के 76वें राउंड के एक भाग के रूप में जुलाई, 2018 से दिसंबर, 2018 के दौरान विकलांग व्यक्तियों का एक सर्वेक्षण किया था।
 - विकलांगों के वर्गीकरण के लिए एन.एस.एस. के 76वें राउंड के सर्वेक्षण में, विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 में निर्दिष्ट सभी विशिष्ट विकलांगताओं पर विचार किया गया है।

सर्वेक्षण के कुछ महत्वपूर्ण निष्कर्ष

विकलांगता की व्यापकता और घटनाएं

- भारत में विकलांगता का प्रसार (जनसंख्या में विकलांगता वाले व्यक्तियों का प्रतिशत) 2.3%

ग्रामीण क्षेत्रों में और 2.3% शहरी क्षेत्रों के साथ 2.2% था।

- महिलाओं की तुलना में पुरुषों में विकलांगता की व्यापकता अधिक थी।
- पुरुषों में, विकलांगता का प्रसार 2.4% था जब कि महिलाओं में 1.9% था।

विकलांग व्यक्तियों के मध्य शिक्षा का स्तर

- 7 वर्ष और उससे अधिक आयु के विकलांग व्यक्तियों में 52.2% साक्षर थे।
- 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के विकलांग व्यक्तियों के 19.3 प्रतिशत में माध्यमिक और उससे ऊपर के रूप में उच्चतम शैक्षिक स्तर था।
- कभी एक साधारण स्कूल में नामांकित होने वाले 3 से 35 वर्ष की आयु के विकलांग व्यक्तियों का प्रतिशत 62.9% था।

विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के संदर्भ में जानकारी

- विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 ने पी.डब्ल्यू.डी. अधिनियम, 1995 को प्रतिस्थापित किया है।
- इस अधिनियम में, विकलांगता के प्रकारों को 7 (पी.डब्ल्यू.डी. अधिनियम, 1995 के अनुसार) से बढ़ाकर 21 कर दिया गया है और केंद्र सरकार को और अधिक प्रकार की विकलांगताओं को जोड़ने का अधिकार प्रदान किया गया है।

ये हैं

1. भाषण और भाषा विकलांगता और विशिष्ट अधिगम विकलांगता को पहली बार जोड़ा गया है।
2. एसिड हमले के पीड़ितों को शामिल किया गया है।
3. बौनापन, पेशी अपविकास को निर्दिष्ट विकलांगता के एक अलग वर्ग के रूप में इंगित किया गया है।
4. तीन रक्त विकार- थैलेसीमिया, हेमोफिलिया और सिकल सेल रोग को भी विकलांगता के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

5. 6 से 18 वर्ष की आयु के बीच बेंचमार्क विकलांगता वाले प्रत्येक बच्चे को मुफ्त शिक्षा का अधिकार दिया गया है।

6. यह अधिनियम निर्धारित समय-सीमा में सार्वजनिक भवनों (सरकारी और निजी दोनों) में पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भी कहता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण रिपोर्ट (स्वास्थ्य मुद्दा)

स्रोत- पी.आई.बी.

6. स्मॉग टावरस

- सर्वोच्च न्यायालय ने प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली-एन.सी.आर. में स्मॉग टावर स्थापित करने पर केंद्र को 10 दिनों के भीतर एक ठोस निर्णय लेने को कहा है, प्रदूषण ने लाखों नागरिकों के जीवन काल को छोटा कर दिया है।

स्मॉग टावरस के संदर्भ में जानकारी

- ये संरचनाएं हैं जो वायु प्रदूषण कणों को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर वायु शोधक के रूप में डिज़ाइन की गई हैं।
- दिल्ली में, कुरिन सिस्टम एक 12-मीटर लंबा स्मॉग टॉवर विकसित कर रहा है, जिसे कुरिन सिटी क्लीनर कहा जाता है।
- यह दावा किया गया है कि यह टॉवर 3 किलोमीटर के दायरे में 75,000 लोगों के लिए हवा को फिल्टर करेगा।
- अत्यधिक प्रभावी एच.14 ग्रेड अत्यधिक प्रभावी पार्टिकुलेट अरेस्टर्स (HEPA) फिल्टर का उपयोग करके हवा को शुद्ध किया जाएगा जो कि पूर्व फिल्टर और सक्रिय कार्बन के साथ मिलकर हवा में मौजूद कणिका तत्व के 99.99 प्रतिशत तक को साफ कर सकता है।

नोट:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) के अनुसार, भारत में दुनिया के शीर्ष 10 प्रदूषित शहरों में से छह हैं, जिसमें दिल्ली सूची में सबसे ऊपर है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- ए.आई.आर.

7. क्रेडिट-लिंकड सब्सिडी सर्विसेज अवास पोर्टल

- आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री ने नई दिल्ली में क्रेडिट-लिंकड सब्सिडी सर्विसेज अवास पोर्टल, सी.एल.ए.पी. लॉन्च किया है।

पोर्टल के संदर्भ में जानकारी

- यह पोर्टल, क्रेडिट-लिंकड सब्सिडी सर्विसेज, सी.एल.एस.एस., लाभार्थियों के लिए एक पारदर्शी और मजबूत रीयल-टाइम वेब-आधारित निगरानी प्रणाली प्रदान करता है।
- पोर्टल का उपयोग करके, एक लाभार्थी वास्तविक समय में अपने आवेदन की स्थिति को ट्रैक कर सकता है।
- सी.एल.ए.पी., बहुत व्यापक और संगठित तरीके से लाभार्थियों की शिकायतों के समाधान में काफी सहायक होगा।
- क्रेडिट लिंकड सब्सिडी योजना को भारत में दो केंद्रीय नोडल एजेंसियों अर्थात शहरी आवास विकास निगम और राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा लागू किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- डी.डी. न्यूज

8. कोल बेड मेथेन

- हाल ही में, कोयला मंत्रालय ने अगले 2 से 3 वर्षों में कोयला आधारित मेथेन (सी.बी.एम.) गैस का प्रति दिन 2 एम.एम.एस.सी.बी. (मिलियन मीट्रिक मानक क्यूबिक मीटर) का उत्पादन करने के लिए राज्य-संचालित कोयला खान कोल इंडिया लिमिटेड (सी.आई.एल.) को कहा है।

संबंधित जानकारी

- भारत में दुनिया का पांचवा सबसे बड़ा कोयला भंडार है और सी.बी.एम. को महत्वपूर्ण संभावनाओं के साथ स्वच्छ वैकल्पिक ईंधन के रूप में देखा गया है।

कोलबेड मेथेन (सी.बी.एम.) क्या है?

- यह शेल गैस के समान है, जिसे अपरंपरागत गैस जलाशयों से निकाला जाता है, जहां से गैस सीधे

उस चट्टान से निकाली जाती है जो गैस का स्रोत (शेल गैस के मामले में शेल और सी.बी.एम. के मामलों में कोयला) है।

- मेथेन को कोयले के भीतर भूमिगत रखा जाता है और कोयला सीम में छेद करके और भूजल निकालकर निकाला जाता है।
- इसके परिणामस्वरूप दबाव में कमी होने से कोयले से मेथेन निकलती है।
- देश के कोयला और सी.बी.एम. भंडार, भारत के 12 राज्यों में पाए जाते हैं, पूर्वी भारत के गोंडवाना तलछट में अत्यधिक मात्रा में पाई जाती है।

सी.बी.एम. का उपयोग

केंद्रीय खदान योजना एवं डिजाइन संस्थान (सी.एम.पी.डी.आई.) के अनुसार, निम्न में सी.बी.एम. का उपयोग किया जा सकता है:

1. बिजली उत्पादन, संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सी.एन.जी.) ऑटो ईंधन के रूप में
2. उर्वरकों के लिए फीडस्टॉक के रूप में
3. औद्योगिक उपयोग जैसे सीमेंट उत्पादन, रोलिंग मिल, इस्पात संयंत्र
4. मेथनॉल उत्पादन में

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- डाउन टू अर्थ

27.11.2019

1. पार्टियों के सम्मेलन का 25वां संस्करण

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यू.एन.ई.पी.) ने पार्टियों के सम्मेलन के 25वें संस्करण में भविष्य की चेतावनी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए देशों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई अपर्याप्त है।
- चिली सरकार द्वारा देश में जारी विरोध प्रदर्शनों के कारण एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (ए.पी.ई.सी.) शिखर सम्मेलन और सी.ओ.पी.25 सम्मेलन को रद्द करने के बाद पार्टियों के

सम्मेलन का 25वां संस्करण स्पेन के मैड्रिड में आयोजित किया जाएगा।

- यू.एन.ई.पी. की रिपोर्ट के अनुसार, जब तक वर्ष 2020 से 2030 तक प्रतिवर्ष वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 7.6% तक कम नहीं होगा तब तक विश्व, पेरिस समझौते के 1.5 ° C तापमान लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में असफल रहेगा।
- प्रत्येक वर्ष, यू.एन.ई.पी. 2030 में प्रत्याशित उत्सर्जन के बीच अंतर का मूल्यांकन करता है और पेरिस समझौते के 1.5 ° C और 2 ° C लक्ष्यों के अनुरूप स्तरों का आकलन करता है।
- सी.ओ.पी. का उद्देश्य तापमान को एक डिग्री से अधिक बढ़ने से रोकना है।
- वर्तमान में देशों द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं में पूर्व-औद्योगिक स्तरों पर तापमान में 3.2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि देखी जाएगी।

पार्टियों का सम्मेलन

- यह यू.एन.एफ.सी.सी.सी. - संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन का सर्वोच्च निकाय है।
- पहला सी.ओ.पी., वर्ष 1995 में जर्मनी के बर्लिन में आयोजित किया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन के फैसले और समाधान सी.ओ.पी. समझौतों के इर्द-गिर्द घूमते हैं।
- पिछले सी.ओ.पी. 24 का आयोजन मई, 2019 में पोलैंड के काटोविस में किया गया था।

नोटः

- भारत क्रमशः संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है।
- हालांकि भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और कई अन्य देशों से काफी कम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- लाइवमिंट

2. **किन्नर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) विधेयक, 2019**
- संसद ने किन्नर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) विधेयक, 2019 पारित किया है।

विधेयक की मुख्य विशेषताएं

एक किन्नर व्यक्ति की परिभाषा:

- इस विधेयक एक किन्नर व्यक्ति को उस व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसका लिंग जन्म के समय निर्धारित लिंग से मेल नहीं खाता है। इसमें ट्रांस-पुरुष और ट्रांस-महिलाएं, इंटरसेक्स परिवर्तन वाले व्यक्ति, लिंग बिगाड़ना और सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान वाले व्यक्ति जैसे किन्नर और हिजड़ा शामिल हैं।
- इंटरसेक्स परिवर्तनों की परिभाषा का मतलब उस व्यक्ति से है जिसकी जन्म के समय प्राथमिक लैंगिक विशेषताएं, बाहरी जननांग, गुणसूत्र अथवा हार्मोन, एक पुरुष या एक महिला के शरीर के आदर्श मानकों से भिन्नता दर्शाते हैं।

भेदभाव के खिलाफ प्रतिबंधः

- विधेयक में किन्नर व्यक्ति के खिलाफ भेदभाव को प्रतिबंधित किया गया है जिसमें नौकरी से निकालना, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा में अनुचित व्यवहार, माल, सुविधाओं का उपभोग करने से रोकना, उपलब्ध सार्वजनिक अवसरों में पक्षपात, आंदोलन के अधिकार और निवास करने के अधिकार शामिल हैं।

निवास का अधिकारः

- प्रत्येक किन्नर व्यक्ति को अपने घर में निवास करने और परिवार में शामिल होने का अधिकार होगा।

रोजगारः

- कोई भी सरकारी या निजी संस्था रोजगार के मामलों में किन्नर व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं कर सकती है, जिसमें भर्ती और पदोन्नति शामिल हैं।

शिक्षाः

- संबंधित सरकार द्वारा वित्त पोषित या मान्यता प्राप्त शैक्षिक संस्थान बिना भेदभाव के किन्नर व्यक्तियों के लिए समावेशी शिक्षा, खेल और मनोरंजक सुविधाएं प्रदान करेंगे।

स्वास्थ्य देखभालः

- सरकार को किन्नर व्यक्तियों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए कदम उठाने चाहिए, जिसमें पृथक एच.आई.वी. निगरानी केंद्र और सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी शामिल हैं।
- सरकार किन्नर व्यक्तियों के स्वास्थ्य के मुद्दों को हल करने के लिए चिकित्सा पाठ्यक्रम की समीक्षा करेगी और उनके लिए व्यापक चिकित्सा बीमा योजनाएं प्रदान करेगी।

किन्नर व्यक्ति के लिए पहचान प्रमाण पत्र:

- किन्नर व्यक्ति पहचान प्रमाण पत्र के लिए जिला मजिस्ट्रेट को एक आवेदन कर सकता है, जिसमें लिंग को 'ट्रांसजेंडर' के रूप में दर्शाया गया हो।
- एक संशोधित प्रमाण पत्र केवल तभी प्राप्त किया जा सकता है जब व्यक्ति अपने लिंग को या तो पुरुष या महिला के रूप में बदलने हेतु सर्जरी कराता है।

अपराध और दंड:

- विधेयक में किन्नर व्यक्तियों के खिलाफ निम्नलिखित अपराधों को मान्यता प्रदान की गई है: (i) जबरन या बंधुआ मजदूरी (सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए अनिवार्य सरकारी सेवाओं को छोड़कर) (ii) सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करने देने से इनकार करना (iii) परिवार और गाँव से बाहर निकालना (iv) शारीरिक, यौन, मौखिक, भावनात्मक या आर्थिक दुरुपयोग करना

राष्ट्रीय किन्नर व्यक्ति परिषद के संदर्भ में जानकारी

इसमें शामिल होंगे:

- केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री (अध्यक्ष)
- सामाजिक न्याय राज्य मंत्री (उपाध्यक्ष)
- सामाजिक न्याय मंत्रालय के सचिव
- स्वास्थ्य, गृह मामलों और मानव संसाधन विकास मंत्रालयों के एक प्रतिनिधि
- अन्य सदस्यों में नीति आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के प्रतिनिधि शामिल हैं। राज्य सरकारों का भी प्रतिनिधित्व किया जाएगा।
- परिषद में किन्नर समुदाय के पांच सदस्य और गैर-सरकारी संगठनों से पांच विशेषज्ञ भी शामिल होंगे।

- यह परिषद, केंद्र सरकार को सलाह देने के साथ ही किन्नर व्यक्तियों के संबंध में नीतियों, कानूनों और परियोजनाओं के प्रभाव की निगरानी करेगी। यह किन्नर व्यक्तियों की शिकायतों का निवारण भी करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण विधेयक

स्रोत- पी.आई.बी.

3. उत्तर प्रदेश सरकार, राज्य का पहला गिद्ध संरक्षण स्थापित करेगी।
- उत्तर प्रदेश सरकार, महाराजगंज जिले के फरेंद्र क्षेत्र में राज्य का पहला गिद्ध संरक्षण और प्रजनन केंद्र स्थापित करेगी।
- नए केंद्र की स्थापना एक वन्यजीव अनुसंधान संगठन, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के साथ मिलकर की जाएगी।
- राज्य में इस तरह का पहला गिद्ध संरक्षण और प्रजनन केंद्र, हरियाणा के पिंजौर में जटायु संरक्षण प्रजनन केंद्र की तर्ज पर स्थापित किया जाएगा, जो देश में भी पहला है।

गिद्ध के संदर्भ में जानकारी

- भारत में गिद्ध की नौ प्रजातियाँ पाई जा सकती हैं।
- ये डाइक्लोफिनैक नामक एक पशु चिकित्सा दवा के कारण विलुप्त होने के खतरे पर हैं (गिद्धों के पास डाइक्लोफिनैक को विखंडित करने हेतु एक विशेष एंजाइम नहीं होता है)।

डाइक्लोफिनैक

- डाइक्लोफिनैक, पशुधन के लिए प्रशासित एक सामान्य सूजन-रोधी दवा है और इसका उपयोग सूजन, बुखार और/ या दर्द से संबंधित बीमारियों या घावों के लक्षणों के उपचार के लिए किया जाता है।
- डाइक्लोफिनैक गिद्धों में गुर्दे को फेल कर देती है जो उनकी उत्सर्जन प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है (गिद्धों में यूरिक एसिड साव का प्रत्यक्ष अवरोध)।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –जैवविविधता एवं पर्यावरण

स्रोत- ए.आई.आर.

4. उम्मीद मिशन का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में गरीबी कम करना है।

- जम्मू एवं कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन को लोकप्रिय रूप से उम्मीद के नाम से जाना जाता है, जिसका उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश में गरीबी कम करना है।
- मिशन का लक्ष्य है कि प्रत्येक गरीब परिवार स्वयं में आत्मविश्वास और भरोसे के साथ गरीबी से बाहर आए और केंद्र सरकार के लाभों को प्राप्त करे।

उम्मीद के संदर्भ में जानकारी

- यह वर्ष 2011 में लॉन्च किया गया था, जम्मू और कश्मीर में विस्तार मोड में जारी है।
- उम्मीद का उद्देश्य खुले और पारदर्शी तरीके से गरीबों के लिए जगह, आवाज और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए एक जन-नेतृत्व और जन केंद्रित करने वाली पहल करना है।
- यह सार्वभौमिक जुटाव को सुनिश्चित करेगा, प्रत्येक ग्रामीण गरीब और कमजोर घर से कम से कम एक सदस्य, अधिमानतः एक महिला, स्वयं सहायता समूह (एस.एच.जी.) का हिस्सा बनी रहेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. लोकपाल का प्रतीक चिन्ह (लोगो)



- लोकपाल के अध्यक्ष, न्यायमूर्ति श्री पिनाकी चंद्र घोष ने लोकपाल का प्रतीक चिन्ह लांच किया है।
- लोकपाल का आदर्श वाक्य "मागृधःकस्यस्विद्धनम् भी अपनाया गया है।
- इसका अंग्रेजी में अर्थ "किसी के धन का लालची मत बनो" है।
- लोकपाल का प्रतीक चिन्ह लोकपाल के शाब्दिक अर्थ पर आधारित है, लोक- जिसका अर्थ है लोग

और पाल - जिसका अर्थ कार्यवाहक अर्थात "लोगों की देखभाल करने वाला" है।

- यह प्रतीक चिन्ह आकार में सचित्र रूप से लोकपाल के विभिन्न तत्वों को प्रतीकत्व करता है:
 - लोकपाल (न्यायाधीशों की पीठ)
 - व्यक्ति (तीन मानव चित्र)
 - सतर्कता (अशोक चक्र, आंख की पुतली बनाता हुआ)
 - कानून (नारंगी में पुस्तक का आकार)
 - न्यायिक (तिरंगा दो हाथों को एक अद्वितीय संतुलन बनाने से नीचे रखा गया है)।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

6. "राष्ट्रीय युवा संसद योजना" का वेब पोर्टल

- भारत के संविधान को अपनाने की 70वीं वर्षगांठ मनाने के अवसर पर राष्ट्रपति ने "राष्ट्रीय युवा संसद योजना" का वेब-पोर्टल लॉन्च किया है।
- पोर्टल का मुख्य उद्देश्य देश के अब तक के अछूते वर्गों और कोनों तक मंत्रालय के युवा संसद कार्यक्रम की आउटरीच को बढ़ाना है।

पोर्टल की मुख्य विशेषताएं हैं:-

- देश के सभी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पात्र हैं।
- राष्ट्रीय युवा संसद योजना पोर्टल, ऑनलाइन स्व-शिक्षा के लिए तस्वीरें, वीडियो, स्क्रिप्ट और ई-प्रशिक्षण मॉड्यूल प्रदान करेगा।
- सफल पंजीकरण के बाद, शिक्षण संस्थान अपने संबंधित संस्थानों में युवा संसद बैठक आयोजित करने में सक्षम होंगे।
- बैठक में भाग लेने वाले प्रत्येक छात्र को एक डिजिटल भागीदारी प्रमाणपत्र और प्रत्येक शिक्षक-प्रभारी और संस्थान प्रमुख को वेब पोर्टल के माध्यम से प्रशंसा प्रमाणपत्र मिलेगा।
- यह पोर्टल प्रधानमंत्री के देश के सभी हिस्सों में युवा संसदों के आयोजन के दृष्टिकोण को आकार देगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

7. व्याख्या: बहुअंगुलिक क्या है?

- हाल ही में, ओडिशा के एक गाँव में एक 63 वर्षीय महिला बहुअंगुलिक से पीड़ित थी, जिसे एक समुदाय द्वारा एक "चुड़ैल" के रूप में बहिष्कृत किया गया था क्योंकि कि जन्म के समय उसके 12 उंगलियां और पैर की 20 उंगलियां थीं।

बहुअंगुलिक के संदर्भ में जानकारी

- इसे पॉलीडेक्टिल/ पॉलीडेक्टिलिज्म या हाइपरडेक्टिल के रूप में भी जाना जाता है, जो कि एक जन्मजात दोष है जिसमें मनुष्यों और जानवरों में अतिरिक्त उंगलियां या पैर की उंगलियां होती हैं।
- पॉलीडेक्टिलिज्म प्रति 1,000 जीवित जन्मों में से शायद एक या दो बच्चों में पाया जाता है और यह दुनिया भर में नवजात शिशुओं में देखी जाने वाली विकास की सबसे सामान्य असामान्यता हो सकती है।
- यह दोष गर्भावस्था के छठे या सातवें सप्ताह के दौरान विकसित होता है, जब हाथ या पैर से उंगलियों के विभाजन में अनियमितता होती है, जिससे अतिरिक्त उंगलिया बनती हैं।
- इसके कारणों को आनुवंशिक माना जाता है, कुछ मामलों में वंशानुगत माना जाता है।

उपचार:

- ज्यादातर मामलों में, अतिरिक्त उंगलियों को शल्य चिकित्सा द्वारा हटाया जा सकता है, तब प्रक्रिया अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती है यदि त्वचा और ऊतक के साथ हड्डी होती है और सबसे कठिन तब होता है जब वहां पर हड्डी का जोड़ होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. व्याख्या: सर्वोच्च न्यायालय ने फ्लोर टेस्ट के लिए महाराष्ट्र को आदेश दिया है।

- सर्वोच्च न्यायालय ने पार्टियों द्वारा दायर की गई याचिका के बाद महाराष्ट्र विधानसभा में फ्लोर टेस्ट का आदेश दिया है।

"फ्लोर टेस्ट" के संदर्भ में जानकारी

- फ्लोर टेस्ट सदन के फर्श पर एक निर्धारण है (इस मामले में, महाराष्ट्र विधानसभा) कि मुख्यमंत्री को विधायकों के बहुमत का समर्थन प्राप्त हैं या नहीं है।
- यह एक वॉइस वोट के माध्यम से या सदन में प्रत्येक विधायक के वोट को रिकॉर्ड करके किया जा सकता है।

विधानसभा को बुलाने का आदेश कौन देगा?

- संविधान के अंतर्गत, राज्यपाल विधानसभा का सत्र बुलाता है।
- लेकिन अतीत में कई मौकों पर सर्वोच्च न्यायालय ने फ्लोर टेस्ट आयोजित करने के लिए विधानसभा बुलाने का आदेश दिया है।

विधानसभा में फ्लोर टेस्ट कौन करेगा?

- विधानसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता स्पीकर द्वारा की जाती है।
- अध्यक्ष का चुनाव सामान्यतः व्यापार का पहला आदेश होता है जो नव-निर्वाचित विधायक अपने पद की शपथ लेने के बाद करते हैं।
- प्रायः, ऐसे मामलों में जहां तत्काल फ्लोर टेस्ट का आदेश दिया जाता है, वहां अध्यक्ष का चुनाव फ्लोर टेस्ट के समापन के बाद किया जाता है। स्पीकर की अनुपस्थिति में, राज्यपाल एक विधायक को स्पीकर के कर्तव्यों का पालन करने के लिए नियुक्त करता है।
- इस विधायक को प्रोटेम स्पीकर के रूप में जाना जाता है।
- वह अन्य विधायकों को पद की शपथ दिलाता है और उसके बाद विधानसभा में फ्लोर टेस्ट की देखरेख करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

9. अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना

- केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (I/C) ने लोकसभा को अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना के बारे में सूचित किया है।

संबंधित जानकारी

- यह योजना कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ई.एस.आई.सी.) द्वारा लागू की गई है।
- इसका उद्देश्य अपने ग्राहकों को लाभान्वित करना है, जो मुख्य रूप से औपचारिक क्षेत्र के श्रमिक हैं जो बेरोजगार हो गए हैं।
- यह योजना शुरू में दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षण आधार पर लागू की गई है।
- योजना की पात्रता शर्तें:
 1. बीमित व्यक्ति को राहत का दावा किए जाने की अवधि के दौरान बेरोजगार होना चाहिए।
 2. अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना के अंतर्गत अंशदायी और अन्य शर्तों को पूरा करने वाले सभी बीमित व्यक्ति (आई.पी.), इस योजना के अंतर्गत राहत पाने के लिए पात्र हैं।
 3. बीमित व्यक्ति को दो वर्षों की न्यूनतम अवधि के लिए बीमा योग्य रोजगार में होना चाहिए।
 4. बीमित व्यक्ति को पूर्ववर्ती चार योगदान अवधियों में से प्रत्येक के दौरान 78 दिनों से कम का योगदान नहीं देना चाहिए।
 5. बेरोजगारी की आकस्मिकता दुराचार या अधिवास या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए किसी भी सजा के परिणामस्वरूप नहीं होनी चाहिए।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- पी.आई.बी.

10. अतापका अभयारण्य

- कोल्लेरु झील में कैकलुरु में पश्चिम गोदावरी-कृष्णा जिला सीमा पर अतापका पक्षी अभयारण्य दो प्रवासी पक्षी प्रजातियों के लिए एक सुरक्षित प्रजनन स्थल बन गया है।

कोल्लेरु झील के संदर्भ में जानकारी

- यह भारत की सबसे बड़ी ताजे पानी की झीलों में से एक है जो आंध्र प्रदेश राज्य में स्थित है और एशिया की सबसे बड़ी उथली मीठे पानी की झील बनाती है।
- यह कृष्णा और गोदावरी डेल्टा के बीच स्थित है।

संरक्षण दर्जा

- भारत के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के अंतर्गत नवंबर, 1999 में झील को वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय रामसर सम्मेलन के अंतर्गत नवंबर, 2002 में अंतरराष्ट्रीय महत्व की एक आर्द्रभूमि के रूप में भी नामित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

28.11.2019

1. **भारतीय रिजर्व बैंक, सार्क राष्ट्रों के लिए मुद्रा स्वैप व्यवस्था फ्रेमवर्क को संशोधित करता है।**
 - हाल ही में, भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय स्थिरता और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से वर्ष 2022 तक सार्क राष्ट्रों के लिए मुद्रा विनिमय व्यवस्था फ्रेमवर्क को संशोधित किया है।

प्रमुख विशेषताएं

- वर्ष 2019-22 के लिए फ्रेमवर्क के अंतर्गत, केंद्रीय बैंक \$ 2 बिलियन के समग्र कोष के भीतर स्वैप की व्यवस्था प्रदान करना जारी रखेगा।
- यह फ्रेमवर्क भारतीय रुपये में स्वैप निकासी के लिए कुछ रियायतें प्रदान करता है।

मुद्रा स्वैप समझौते के संदर्भ में जानकारी

- दो देशों के बीच मुद्रा स्वैप, पूर्वनिर्धारित नियमों और शर्तों के साथ मुद्राओं (दोनों देशों या किसी भी कठिन मुद्रा) का विनिमय करने हेतु एक समझौता या अनुबंध है।
- प्रायः मुद्रा स्वैप का लोकप्रिय रूप दो केंद्रीय बैंकों के बीच होता है।

मुद्रा स्वैप का उद्देश्य

- आर.बी.आई. जैसे केंद्रीय बैंक द्वारा मुद्रा स्वैप का मुख्य उद्देश्य स्वैप के लिए पूर्व निर्धारित शर्तों (जैसे विनिमय दर और मुद्रा की मात्रा) पर जारीकर्ता विदेशी केंद्रीय बैंक से विदेशी मुद्रा प्राप्त करना है।

- मुद्रा स्वैप का दूसरा मुख्य उद्देश्य केंद्रीय बैंक के पास रखे गए विदेशी मुद्रा भंडार का मूल्य बनाए रखना है।
- सामान्यतः मुद्रा स्वैप समझौते पांच प्रकार के होते हैं, यह स्वैप की जाने वाली मुद्रा की प्रकृति और स्थिति के आधार पर होता है:
 - i. प्रतिभूतियों के लिए नकद बनाम नकद के लिए विनिमय नकद
 - ii. सशर्त विनिमय बनाम बिना शर्त स्वैप
 - iii. दोनों तरफ विनिमय आरक्षित मुद्राएँ
 - iv. गैर-आरक्षित मुद्रा के लिए विनिमय आरक्षित मुद्रा
 - v. दोनों तरफ की गैर-आरक्षित मुद्राएँ

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के संदर्भ में जानकारी

- यह दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय अंतर सरकारी संगठन और राज्यों का भू-राजनीतिक संघ है।
- इसके सदस्य देश अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका हैं।
- इसका सचिवालय नेपाल के काठमांडू में स्थित है।
- यह संगठन आर्थिक और क्षेत्रीय एकीकरण के विकास को बढ़ावा देता है।
- सार्क, संयुक्त राष्ट्र में एक पर्यवेक्षक के रूप में स्थायी राजनयिक संबंध रखता है और यूरोपीय संघ सहित बहुपक्षीय संस्थाओं के साथ संबंध विकसित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3-अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

2. मित्र शक्ति युद्धाभ्यास का सातवां संस्करण

- भारत-श्रीलंका संयुक्त प्रशिक्षण युद्धाभ्यास "मित्र शक्ति" 2019 का सातवां संस्करण महाराष्ट्र के औंध सैन्य स्टेशन में आयोजित किया जाएगा।
- संयुक्त प्रशिक्षण युद्धाभ्यास का उद्देश्य भारत और श्रीलंका की सेनाओं के बीच सकारात्मक संबंधों का निर्माण करना और बढ़ावा देना है।
- यह संयुक्त राष्ट्र (यू.एन.) जनादेश के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण परिवेश में आतंकवाद रोधी और

आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए उप-इकाई-स्तरीय प्रशिक्षण पर केंद्रित है।

- यह संयुक्त युद्धाभ्यास, चर्चा और सामरिक अभ्यास के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों की वर्तमान गतिशीलता को शामिल करने के लिए है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 -रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

3. लोकसभा ने विशेष सुरक्षा समूह (संशोधन) विधेयक, 2019 पारित किया है।

- लोकसभा ने विशेष सुरक्षा समूह अधिनियम, 1988 में संशोधन करने के लिए विशेष सुरक्षा समूह (संशोधन) विधेयक, 2019 पारित किया है।

एस.पी.जी. अधिनियम 1988 की प्रमुख विशेषताएं

- एस.पी.जी. अधिनियम 1988, बीरबल नाथ समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों पर आधारित है।
- 1985 से 1988 तक, एस.पी.जी. एक कार्यकारी आदेश द्वारा शासित था और केवल 1988 में, एस.पी.जी. अधिनियम प्रधानमंत्री और उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान करने के लिए अस्तित्व में आया था।
- यह अधिनियम प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री और उनके नजदीकी पारिवारिक सदस्यों को कार्यालय में पद ग्रहण करने से लेकर अगले एक वर्ष तक की अवधि हेतु सुरक्षा प्रदान करने के लिए विशेष सुरक्षा समूह (एस.पी.जी.) के संविधान और विनियमन के लिए प्रावधान प्रदान करता है।
- अधिनियम के अंतर्गत, एस.पी.जी. प्रधानमंत्री और उनके नजदीकी पारिवारिक सदस्यों को सुरक्षा प्रदान करता है।
- इस अवधि के अतिरिक्त, केंद्र सरकार द्वारा तय किए गए जोखिम के स्तर के आधार पर एस.पी.जी. सुरक्षा प्रदान की जाती है।
- जोखिम अवश्य ही: (i) एक सैन्य या आतंकवादी संगठन से होना चाहिए और (ii) गंभीर और निरंतर प्रकृति का होना चाहिए।

विशेष सुरक्षा समूह (संशोधन) विधेयक 2019 की प्रमुख विशेषताएं

- विधेयक में यह कहते हुए प्रावधान में संशोधन किया गया है कि एस.पी.जी. प्रधानमंत्री को सुरक्षा प्रदान करेगी और उनके परिवार के सदस्य उनके आधिकारिक निवास पर उनके साथ रहेंगे।
- यह किसी भी पूर्व प्रधानमंत्री को सुरक्षा प्रदान करेगा और आवंटित किए गए उनके आवास पर उनके साथ रहने वाले उनके परिवार के सदस्यों को सुरक्षा प्रदान करेंगे।
- प्रधानमंत्री का पदभार ग्रहण करने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

यह अधिनियम प्रावधान प्रदान करता है कि यदि एस.पी.जी. सुरक्षा किसी पूर्व प्रधानमंत्री से वापस ले ली जाती है तो यह उनके नजदीकी परिवारिक सदस्यों से भी वापस ले ली जाएगी, जब तक कि नजदीकी पारिवारिक सदस्यों द्वारा सामना किए जाने वाले खतरे के लिए एकसी सुरक्षा की मांग न की गई हो।

- विधेयक ने यह कहते हुए इस शर्त को हटा दिया है कि यदि पूर्व प्रधानमंत्री से एस.पी.जी. सुरक्षा वापस ले ली जाती है तो उनके नजदीकी परिवारिक सदस्यों से भी सुरक्षा वापस ले ली जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –आंतरिक सुरक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

4. स्पाइक मिसाइल

- भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सीमा पर सुरक्षा को मजबूत करने हेतु इजरायल निर्मित एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल को जम्मू और कश्मीर में एल.ओ.सी. के किनारे उत्तरी कमान में शामिल किया है।

स्पाइक मिसाइल

- यह एक इजराइली एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है और इसके साथ ही "फॉयर एंड फॉरगेट" मिसाइल भी है।
- स्पाइक, पुरुषों द्वारा पोर्टेबल हैं और चार किलोमीटर की सीमा के भीतर टैंक और बंकर को नष्ट करने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली हैं।

- इसे पहाड़ों और मैदानों दोनों स्थानों पर तैनात किया जा सकता है।
- इसे विभिन्न प्लेटफार्मों जैसे- वाहन, हेलीकॉप्टर, जहाज और ग्राउंड लॉन्चर से दागा जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

5. रिजर्व बैंक ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से खराब संपत्ति के लिए झंडी दिखाई है।

- भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से बढ़ते खराब ऋणों पर चिंता व्यक्त की है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के संदर्भ में जानकारी

- यह योजना वर्ष 2015 में पात्र संस्थाओं को कम दर पर ऋण प्रदान करने हेतु सूक्ष्म वित्त संस्थानों (एम.एफ.आई.), गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों/ कंपनियों (एन.बी.एफ.सी.), लघु वित्त बैंकों, आर.बी.आर., वाणिज्यिक बैंकों, सहकारी बैंकों आदि को सक्षम बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

पात्रता

- कोई भी भारतीय नागरिक जिसके पास गैर-कृषि क्षेत्र की आय सृजन गतिविधि हेतु एक व्यवसाय योजना है जैसे कि
- विनिर्माण
- प्रसंस्करण
- ट्रेडिंग
- सेवा क्षेत्र
- या कोई अन्य क्षेत्र जिसकी क्रेडिट की जरूरत 10 लाख रुपये से कम हो
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पी.एम.एम.वाई.) के अंतर्गत योग्य उम्मीदवार माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रीफाइनेंस एजेंसी लिमिटेड (मुद्रा) ऋण का लाभ उठाने के लिए बैंक, एम.एफ.आई. या एन.बी.एफ.सी. से संपर्क कर सकते हैं।

इसके अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले ऋण के प्रकार

- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तत्वावधान में, मुद्रा ने पहले से ही निम्नलिखित उत्पाद/ योजनाएं बनाई हैं:
- शिशु: 50,000/- तक के ऋण शामिल हैं
- किशोर: 50,000/- से अधिक और 5 लाख रूपए तक के ऋण शामिल हैं
- तरुण: 5 लाख रूपए से अधिक और 10 लाख रूपए तक के ऋण शामिल हैं

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- लाइवमिंट

6. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (संशोधन) विधेयक 2019

- संसद ने राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (संशोधन) विधेयक, 2019 पारित किया है।
- इस विधेयक में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अधिनियम, 2014 में संशोधन करने का प्रयास किया गया है, जिसने अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान को राष्ट्रीय महत्ता के संस्थान के रूप में घोषित किया है।
- यह चार राष्ट्रीय डिजाइन संस्थानों को राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के रूप में घोषित करने की भी मांग करता है।
 - i. आंध्र प्रदेश में अमरावती
 - ii. मध्य प्रदेश में भोपाल
 - iii. असम में जोरहाट
 - iv. हरियाणा में कुरुक्षेत्र
- वर्तमान में, इन संस्थानों को सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत सोसाइटी के रूप में पंजीकृत किया गया है और इन्हें डिग्री या डिप्लोमा देने की शक्ति नहीं प्राप्त है।
- राष्ट्रीय महत्व के संस्थान घोषित किए जाने पर चार संस्थानों को डिग्री और डिप्लोमा प्रदान करने की शक्ति प्रदान की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

7. बुयांत रोवर

- हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय वैमानिक एवं अंतरिक्ष प्रशासन (नासा) ने बुयांत

रोवर फॉर अंडर-आइस एक्सप्लोरेशन (BRUIE) नामक एक नया पानी के नीचे रोबोट प्रदर्शित किया है।

- यह एक मिशन है जो एक दिन पृथ्वी से परे समुद्र की दुनिया में जीवन की खोज कर सकता है।
- पानी के नीचे का रोवर, बृहस्पति के चंद्रमा यूरोपा और शनि के चंद्रमा एनसेलाडस जैसी दूरस्थ समुद्री दुनिया की खोज के लिए नासा की उम्मीद है।
- माना जाता है कि इन चंद्रमाओं पर बर्फ के मोटी परत के नीचे तरल पानी के महासागर हैं, वे हमारे सौर मंडल में सबसे लोकप्रिय स्थान हो सकते हैं जो अलौकिक जीवन के प्रमाणों की खोज करते हैं।
- BRUIE, इस महीने अंटार्कटिका में एक जिम्नास्टिक करतब करने के लिए रोलिंग करेगा, समुद्री बर्फ के नीचे उल्टा ड्राइविंग करेगा।
- यह विभिन्न मापदंडों जैसे घुलित ऑक्सीजन, पानी की लवणता, दाब और ताप को मापेगा, जो जीवन की उपस्थिति के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- नासा पहले से ही यूरोपा क्लिपर ऑर्बिटर का निर्माण कर रहा है, जो बृहस्पति के चंद्रमा यूरोपा का अध्ययन करने के लिए 2025 में लॉन्च करने के लिए निर्धारित किया गया है, जो भविष्य के मिशन के लिए जमीनी स्तर पर तैयारी कर रहा है जो बर्फ के नीचे जीवन की खोज कर सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- एन.डी.टी.वी. गैजट

8. बोडोलैंड विवाद

- गृह मंत्रालय ने असम आधारित विद्रोही समूह नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एन.डी.एफ.बी.) पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के अंतर्गत पांच और वर्षों का प्रतिबंध बढ़ा दिया।

बोडोलैंड विवाद के संदर्भ में जानकारी

- असम में बोडो, सबसे बड़ा आदिवासी समुदाय है, जो राज्य की आबादी का 5-6 प्रतिशत से अधिक है।

- उन्होंने अतीत में असम के बड़े हिस्से को नियंत्रित किया है।
- इस मांग के कारण 2003 में बोडो समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे।
- यह समझौता भारत के संविधान की छठी अनुसूची के अंतर्गत बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद की स्थापना के लिए प्रावधान प्रदान करता है।
- असम में चार जिले- कोकराझर, बक्सा, उदलगुरी और चिरांग- जो बोडो प्रादेशिक क्षेत्र जिला (बी.टी.ए.डी.) का गठन करते हैं, यह कई जातीय समूहों का घर है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –आंतरिक सुरक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

9. अमेरिकी राष्ट्रपति ने हांगकांग के प्रदर्शनकारियों के समर्थन में कानून पर हस्ताक्षर किए हैं।
 - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हांगकांग के प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए कानून में दो विधेयकों पर हस्ताक्षर किए हैं।
 - पहले विधेयक को वर्ष में एक बार प्रमाणित करने के लिए राज्य विभाग की आवश्यकता होगी कि हांगकांग अपने विशेष अमेरिकी व्यापार विचार को बनाए रखने के लिए पर्याप्त रूप से स्वायत्त है। उस पदनाम के अंतर्गत, शहर चीन पर लगाए गए शुल्कों के अधीन नहीं है।
 - दूसरा विधेयक हांगकांग पुलिस की आंसू गैस और रबर बुलेट्स जैसी युद्ध सामग्रियों की बिक्री पर रोक लगाएगा।
 - हांगकांग की सरकार ने अमेरिकी कानूनों पर खेद व्यक्त किया है और कहा है कि वे शहर के आंतरिक मामलों में स्पष्ट रूप से हस्तक्षेप कर रहे हैं।
 - चीन ने भी कानून को अपने मामलों में सकल हस्तक्षेप और अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय मामले

स्रोत- ए.आई.आर.

29.11.2019

1. मित्र शक्ति युद्धाभ्यास का सातवां संस्करण

- भारत-श्रीलंका संयुक्त प्रशिक्षण युद्धाभ्यास मित्र शक्ति- 2019 का सातवां संस्करण पुणे में विदेशी प्रशिक्षण नोड (एफ.टी.एन.) में आयोजित किया जाना निर्धारित हुआ है।

युद्धाभ्यास मित्र शक्ति के संदर्भ में जानकारी

- यह युद्धाभ्यास प्रतिवर्ष भारत और श्रीलंका की सेनाओं के बीच सैन्य कूटनीति और सहभागिता के भाग के रूप में आयोजित किया जाता है।
- इस संयुक्त प्रशिक्षण युद्धाभ्यास का उद्देश्य भारत और श्रीलंका की सेनाओं के बीच घनिष्ठता और आतंकवाद-रोधी अभियानों के लिए उपड़काई स्तर के प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

2. सरकार ने 15वें वित्त पैनाल के कार्यकाल को बढ़ा दिया है।
 - केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु 30 अक्टूबर, 2020 को नई समयसीमा के रूप में निर्धारित करते हुए पंद्रहवें वित्त आयोग के कार्यकाल के विस्तार को मंजूरी प्रदान की है।
 - यह आयोग का दूसरा विस्तार है जो 30 नवंबर तक रिपोर्ट प्रस्तुत न कर पाने के कारण था।
 - एन.के. सिंह के नेतृत्व वाला वित्त आयोग अब वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 (अप्रैल-मार्च) को शामिल करते हुए अंतिम रिपोर्ट पेश करेगा।

विस्तार के लाभ

- कार्यकाल के विस्तार से आयोग 2020-2026 की अवधि के लिए अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देने के लिए सुधारों और नई वास्तविकताओं के दृष्टिकोण से वित्तीय अनुमानों के लिए विभिन्न तुलनीय अनुमानों की जांच करने में सक्षम होगा।
- इसका मतलब है कि आयोग सामान्य पाँच वर्षों के बजाय छह वित्तीय वर्षों के लिए अपने पुरस्कार की सिफारिश करेगा।

वित्त आयोग के संदर्भ में जानकारी

- वित्त आयोग का गठन राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत किया जाता है।
- आयोग मुख्य रूप से संघ और राज्यों के बीच और केवल राज्यों के बीच कर राजस्व के वितरण पर अपनी सिफारिशें देता है।
- आयोग को प्रत्येक पांच वर्ष में नियुक्त किया जाता है।
- इसमें एक अध्यक्ष और चार अन्य सदस्य शामिल होते हैं।

वित्त आयोग और इसके कार्य:

वित्त आयोग के निम्नलिखित कार्य या कर्तव्य हैं:

- आयोग, भारत के राष्ट्रपति को संघ और राज्यों के बीच और प्रत्येक राज्य के हिस्से के बीच कर प्राप्तियों के वितरण पर सिफारिश करता है।
- आयोग उन सिद्धांतों को भी निर्धारित करता है जो भारत के समेकित कोष से राज्यों को सहायता अनुदान का भुगतान करते हैं।
- भारत के राष्ट्रपति मजबूत वित्तीय प्रणाली के निर्माण के हित में वित्त आयोग को किसी अन्य मामले को भी संदर्भित कर सकते हैं।

वित्त आयोग की रिपोर्ट:

- संविधान के अनुच्छेद 281 के अंतर्गत, भारत के राष्ट्रपति को एक व्याख्यात्मक नोट के साथ संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष वित्त आयोग की रिपोर्ट के तार्किक निर्धारण और आयोग की सिफारिशों पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई की व्याख्या की आवश्यकता होती है।

15वें वित्त आयोग के संदर्भ में जानकारी

- 15वें वित्त आयोग का गठन एन.के. सिंह की अध्यक्षता में भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया गया था।
- इस आयोग के अक्टूबर, 2020 तक अपनी रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है।
- इसकी सिफारिशें अप्रैल, 2021 से मार्च, 2026 तक पांच वर्ष की अवधि को शामिल करेंगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. युवाह: एक युवा कौशल पहल

- महिला एवं बाल विकास मंत्री ने राज्य सभा में युवाह, एक युवा कौशल पहल के संदर्भ में एक लिखित उत्तर में सूचित किया है।

युवाह के संदर्भ में जानकारी

- भारत में यूनिसेफ (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) द्वारा युवाह जेनरेशन अनलिमिटेड लॉन्च किया गया था।
- युवाओं को बाजार के अवसर (कैरियर मार्गदर्शन, सलाह, इंटरनशिप, प्रशिक्षण) प्रदान करने और स्कूल में कैरियर मार्गदर्शन के एकीकरण के लिए युवाओं को मार्गदर्शन देने हेतु एक मंच का निर्माण करने का इरादा रखता है।
- यूनिसेफ के अनुसार, जनरेशन अनलिमिटेड, को भारत में युवाह कहा जाता है, यह एक बहु-हितधारक गठबंधन है जिसका उद्देश्य युवाओं को उत्पादक जीवन और काम के भविष्य के लिए प्रासंगिक कौशल प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करना है।
- युवका के लक्षित आयु समूह में किशोर लड़कियां और लड़के शामिल हैं।
- इसका प्रमुख मिशन औपचारिक शिक्षा प्रणालियों के भीतर और बाहर के युवाओं के लिए मूलभूत, हस्तांतरणीय और 21वीं सदी के कौशल तक पहुंच को बढ़ावा प्रदान करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

4. मिशन 41K

- भारतीय रेलवे ने "मिशन 41K" के अंतर्गत परिचालन की लागत को कम करने के लिए ओपन एक्सेस के अंतर्गत विचार किए गए लाइसेंसधारी के रूप में उत्तर रेलवे के लिए पंजाब में बिजली की खरीद शुरू की है।

"मिशन 41K" के संदर्भ में जानकारी

- इसका दस्तावेज लक्ष्य वर्ष 2025 भारतीय रेल द्वारा एकीकृत रेल ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली के

माध्यम से 41,000 करोड़ रुपए की बचत करना है।

- रेलवे ऊर्जा प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (REMCL), रेल मंत्रालय और राइट्स लिमिटेड के संयुक्त उद्दम, ने उपभोक्ता से डीमंड लाइसेंसधारी तक क्रमिक प्रवासन द्वारा इस लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास किया है।
- डीमंड लाइसेंसधारी का दर्जा भारतीय रेलवे को विद्युत अधिनियम, 2003 के अनुसार ओपेन एक्सेस के अंतर्गत केंद्रीय और राज्य संचरण प्रणाली के लिए व्हीलिंग शुल्क का भुगतान करके किसी भी उत्पादक कंपनी से सीधे बिजली खरीदने में सक्षम बनाता है।
- ये पहल भारतीय रेलवे के वित्तीय बोझ को कम करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।
- इन प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे पर 2015 के बाद से स्थायी रूप से अधिकतम किफायती दर पर बिजली की कीमत रखी गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस (महत्वपूर्ण पहल)

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **"भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण एवं लचीलापन- 2019" पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन**
- केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित "भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण एवं लचीलापन" विषय पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया है।

भूस्खलन के संदर्भ में जानकारी

- भूस्खलन को लैंडस्लिप, ढलान या ढलान की विफलता के रूप में भी जाना जाता है जो एक ढलान के नीचे चट्टान, मलबे या पृथ्वी की गति है।
- वे उन सामग्रियों की विफलता के परिणामस्वरूप होते हैं जो पहाड़ी ढलान को बनाते हैं और गुरुत्वाकर्षण बल द्वारा संचालित होते हैं।

प्रभाव/ क्षति

- भूस्खलन के मार्ग में या उसके ऊपर स्थित कुछ भी हो, वह उसे नुकसान पहुंचाएगा।

- मलबे से सड़कें, संचार की लाइनें या जलमार्ग अवरुद्ध हो सकते हैं। अप्रत्यक्ष प्रभावों में कृषि या वन भूमि की उत्पादकता में कमी शामिल हो सकती है।
- संपत्ति के मूल्यों में कमी हो सकती है, इमारतों का विनाश हो सकता है।
- हताहत- ढलान की विफलता के कारण घातक परिणाम हो सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आपदा प्रबंधन

स्रोत- पी.आई.बी. + यू.एन. स्पाइडर

6. **बच्चों के खिलाफ अपराधों में 20 फीसदी की वृद्धि हुई है: सी.आर.वाई. रिपोर्ट**
- चाइल्ड रिलीफ एंड यू (सी.आर.वाई.) ने एक विश्लेषण जारी किया है जिसका शीर्षक- "भारत में अपराध के प्रति बच्चे कितने संवेदनशील हैं" है।
- सी.आर.वाई. विश्लेषण, दो वर्षों के अंतराल के बाद 2016-2017 के आंकड़ों के लिए अक्टूबर, 2019 में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों पर आधारित है।

रिपोर्ट/ विश्लेषण की मुख्य विशेषताएं

- रिपोर्ट से ज्ञात हुआ है कि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बच्चों के खिलाफ समग्र अपराधों के लिए राज्यों की सूची में शीर्ष पर रहने में अस्पष्ट अंतर था।
- वर्ष 2016 और 2017 के बीच झारखंड में बच्चों के खिलाफ अपराधों में सबसे अधिक 73.9 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जब कि मणिपुर में 18.7 प्रतिशत की महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई है।
- बच्चों के खिलाफ अपराधों में, अपहरण और भगाना सबसे अधिक प्रचलित रहा।
- बच्चों के खिलाफ अन्य प्रमुख अपराधों में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम का उल्लंघन, बलात्कार, यौन उत्पीड़न और नाबालिग लड़कियों की खरीद फरोख्त शामिल हैं।
- बाल श्रम में भी 126 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2016 में 204 के मुकाबले वर्ष

2017 में बाल श्रम के 462 मामलों को रिपोर्ट में सूचीबद्ध किया गया है।

- जहां तक बाल विवाह का संबंध है, इसमें 21.17% की वृद्धि हुई है जो बाल विवाह निषेध अधिनियम (पी.सी.एम.ए.), 2006 के अंतर्गत दर्ज मामलों पर आधारित थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- लाइवमिंट

7. क्यू.एस. वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग: एशिया 2020

- क्वाकक्वारेल्ली साइमंड्स (क्यू.एस.) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी एशिया रैंकिंग 2020 जारी की गई है।
- एशिया रैंकिंग के लिए विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन 11 संकेतकों के आधार पर किया जाता है, शैक्षणिक और नियोक्ता प्रतिष्ठा प्रमुख मापदंड होते हैं।
- इस रैंकिंग की कार्यप्रणाली का निर्माण करने वाले नौ अन्य संकेतक- संकाय-छात्र अनुपात, प्रति संकाय पेपर, पेपर प्रति उद्धरण, पी.एच.डी. के साथ कर्मचारी, अंतर्राष्ट्रीय संकाय का अनुपात, अंतरराष्ट्रीय छात्रों का अनुपात, आउटबाउंड विनिमय छात्र, इनबाउंड विनिमय छात्र और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान नेटवर्क हैं।

मुख्य विचार

- राष्ट्रीय सिंगापुर विश्वविद्यालय को लगातार दूसरे वर्ष एशिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय का स्थान प्रदान किया गया है।
- इसके बाद नानयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है, जो तीसरे से दूसरे स्थान पर आ गया है और इसके बाद हांगकांग विश्वविद्यालय है।
- चीन इस वर्ष शीर्ष 10 में चौथे स्थान पर है।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे कुल 34वें स्थान पर है और इसके बाद आई.आई.टी. दिल्ली 43वें स्थान पर और आई.आई.टी. मद्रास 50वें स्थान पर है।

क्यू.एस. इंडिया रैंकिंग 2020

- हाल ही में, क्वाकक्वारेल्ली साइमंड्स (क्यू.एस.) इंडिया रैंकिंग 2020 जारी की गई थी।

क्यू.एस. इंडिया रैंकिंग के संदर्भ में जानकारी

- ब्रिटिश उच्च शिक्षा विश्लेषक क्यू.एस. ने आठ मानकों के आधार पर भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को स्थान प्रदान किया है, जिनका अलग-अलग वेटेज है।
- अपने वेटेज के साथ आठ मानक अकादमिक प्रतिष्ठा (30%), नियोक्ता प्रतिष्ठा (20%), संकाय छात्र अनुपात (20%), पी.एच.डी. के साथ कर्मचारी (10%), प्रति संकाय पेपर (10%), प्रति पेपर उद्धरण (5%), अंतर्राष्ट्रीय संकाय (2.5%) और अंतर्राष्ट्रीय छात्र (2.5%) हैं।
- ऐसा दूसरी बार है जब क्यू.एस. ने भारत में शीर्ष संस्थानों के लिए अलग रैंकिंग प्रकाशित की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –शिक्षा (रैंकिंग)

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. साक्षर भारत मिशन

- हाल ही में, जिला प्रशासन की सहायता और समर्थन से तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में महिला साक्षरता दर में भारी वृद्धि हुई है।
- वर्ष 2017 में, जिला प्रशासन ने अम्माकु अक्षर माला (माँ के लिए वर्णमाला की माला) विकसित की थी और कक्षा VII से X में छात्रों को अनुबंधित की थी।
- उन्हें घर पर तेलुगु वर्णमाला पढ़ने और लिखने के लिए अपनी माताओं को पढ़ाने के लिए कहा गया था, जो उनके जीवन में शिक्षा की रोशनी प्रदान करने में मदद करेगा।

साक्षर भारत मिशन के संदर्भ में जानकारी

- मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा 2009 में साक्षर भारत कार्यक्रम तैयार किया गया था जो पूरी तरह से केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य वयस्क महिला साक्षरता पर ध्यान केंद्रित करके राष्ट्रीय स्तर पर 80% साक्षरता स्तर प्राप्त करना है।

- यह कार्यक्रम पुरुष और महिला साक्षरता के बीच अंतर को कम करके अधिकतम 10 प्रतिशत करना चाहता है।
- इसके चार व्यापक उद्देश्य हैं, जिनके नाम हैं:
- निरक्षरों को कार्यात्मक साक्षरता और संख्यात्मकता प्रदान करना
- औपचारिक शैक्षिक प्रणाली के लिए समकक्षता प्राप्त करना
- प्रासंगिक कौशल विकास कार्यक्रम में भाग लेना और
- सतत शिक्षा के अवसर प्रदान करके एक सीखने वाले समाज को बढ़ावा देना

साक्षर भारत के अंतर्गत कवरेज हेतु पात्रता मानदंड

- एक ऐसा जिला जिसमें नया जिला भी शामिल है, तत्कालीन जिले से बाहर है, जिसमें 2001 की जनगणना के अनुसार वयस्क महिला साक्षरता दर 50% या उससे कम थी।
- इसके अतिरिक्त, सभी वामपंथी अतिवाद प्रभावित जिले, चाहे उनकी साक्षरता दर कितनी भी हो, वे कार्यक्रम के अंतर्गत कवरेज के योग्य हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

9. राष्ट्रपति ट्रम्प ने तालिबान के साथ शांति वार्ता की बहाली की घोषणा की है।
- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तालिबान के साथ शांति वार्ता को फिर से शुरू करने की घोषणा की है।

- युद्धग्रस्त देश, अफगानिस्तान में तैनात अमेरिकी सैनिकों के लिए उनकी अघोषित यात्रा के दौरान घोषणा की गई थी।
- उन्होंने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के लिए एक उचित समयसीमा देने से इनकार कर दिया है लेकिन यह स्पष्ट कर दिया है कि सौदे की शर्तों में तालिबान युद्धविराम को शामिल करना होगा।
- यह यात्रा 18 वर्षीय लंबे युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति वार्ता को फिर से शुरू करने के उद्देश्य से तालिबान के साथ एक कैदी की अदला-बदली के एक हफ्ते बाद हुई थी।
- विनिमय समझौते के हिस्से के रूप में, तालिबान ने दो पश्चिमी शिक्षाविदों को मुक्त कर दिया है जिन्हें वर्ष 2016 से बंधक बनाकर रखा गया था।

पृष्ठभूमि:

- ट्रम्प ने इस वर्ष सितंबर में घोषणा की है कि वह अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक आत्मघाती हमले में एक अमेरिकी सेवा सदस्य के मारे जाने के बाद शांति वार्ता को बंद कर रहे थे।
- यह घोषणा तालिबान के साथ नौवें दौर की वार्ता के बाद हुई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय मामले
